

्पाधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

763

Q. D--(DN)--73

सं॰ 40] No. 40] नई बिरुसी, शनिवार, अक्तूबर 4, 1986 (आश्विन 12, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 4, 1986 (ASVINA 12, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी बाली है बिसले कि यह अलग संस्थान के अप में राजा जा सके (Separate paging is given to this Part in erdor that is may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड : [PART III—SECTION 1]

उच्च ग्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

मंघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 सिनम्बर, 1986

मं० ए० 38013/12/83-प्रका 3:---राष्ट्रपति मंघ लोक मेवा आयोग के के० म० म० संवर्ग के स्थाई महायक नथा स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्यरत अनुभाग अधिकारी श्री भागीरथी मुमार को का० ज्ञा० मं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवस्वर 1973 की शर्ती के अनुसार विवर्षन आयु होने पर 31 अगस्त, 1986 के अपराह्म से सरकारी रोवा में निवृक्त होने की अनुमित प्रदास करने हैं।

दिनाए 3 जिन्ह्बर 1986

सं ए ए 38012/2/86-प्रणा-2:--राजभाषा विभाग के पत्न सं 5/5/86-रा० भा० (से०) दिनांक 22-र- 1985 के अनुपालन में िस्समें के० स० रा० भा० सेवा के निदेश (रा० भा०) तथा संघ लोक सेवा आयोग में स्थानापत्न रूप से निदेशक (भाषा माध्यम) के पद पर कार्यरा डा० आई० पी० राव के मरकारी नेवा से स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के अनुरोध का स्वीकार कर लिया गया है डा० राव 1-266GI/86

ने 3-9-1986 (पूर्वाह्म) में आयोग के कार्यालय में निदेशक (भाषा माध्यम) के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

REGISTERED N

एस० पी० जैन अवर सचिय (का०प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायीग

कार्मिक एवं प्रिणिक्षण, प्रशा० सुधार,लंक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्युरो

नई दिन्ली-110003, दिनांक 8 सितम्बर 1986

मं० 3/34/86-प्रशा-- 5:--- राष्ट्रपति श्री जे० बी० एम० तेगी, भा० पु० सेवा (पश्चिम वंगाल-- 1976) को दितांक !4 अगस्त, 1986 पूर्वाह्म से अगले आदेश होते तक, केल्द्रीय अत्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रति-तियुक्ति आधाण पर पुलिस अर्थाक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

(**2**3519)

सं 3/38/86-प्रशा०-5-राष्ट्रपति, श्री जै० सी० दबास, भा० पु० सेवा (मणिपुर, लिपुरा: 1977) को दिनांक 26 अगरत, 1986 पूर्वाह्म से अगले आदेण होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, प्रति-नियुक्ति आधार, पर, पुलिस अधीक्षक, के अप में नियुक्त करते है।

दिनांक 9 भिनम्बर 1986

मं० 3/33/86-प्रणा०-5-मुख्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 31-7-86 के संशोधन में निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना केन्द्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा के ग्रेड-III अधिकारी, श्री डी० पी० पोपली को दिनांक 15 जुलाई 1986 पूर्वात्न से अगले आदेश होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

धर्मपाल भल्ला प्रणासन अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण स्यूरी

गृह मंद्रालय

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिकर्व पृलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 5 सितम्बर 1986

सं० एफ-2/51/86-स्थापना (कें० रि० पु० बल)-राष्ट्रपति, निरीक्षक आर० एस० नेगी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को जो कि गोवा पुलिस में प्रतिनियुक्ति पर हैं, प्रपन्न पदोक्षति पुलिस उग अधीक्षक के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में विनांक 14-6-1986 से देते हैं।

> किशन लाल उप निवेशक (स्थापना)

नई दिल्ली-1100.03, दिनांक 8 सितम्बर 1986

सं० श्रो० दो-2245/86—स्थापना--राष्ट्रपति जी ने इत्तरर अरुण प्रभाद को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में जनरल इयूटी आफिसर ग्रेड-2. (दी० एस० पी०/कस्पनी कमाण्डर) के पद पर 8 इगस्त, 1586 पूर्वाह्म से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 10 मितम्बर 1986

मं० डी० एक-5/85 स्थापना-1--श्री जे० एक० कपूर सहायक कमांदेट प्रथम सिगनल बटा० के० रि० पु० घल की मेवायों दिनांक 31-7-1986 (अपराह्म) से डायरेक्टर जनरून मिविल डिफेन्स नई दिल्ली को प्रतिनियुक्ति आधार पर मौंपी जाती हैं।

> एम० अणोक राज सहायक निदेशक (स्थापना)

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

महालेखाकार (ल० एवं हक) का कार्यालय हैंचराबाद-500463, दिशांक 9 सितस्बर 1986 कार्यालय आदेण सं० 133

मं० प्रणा० \/ए० तथा ई/1/4-6/86-87---महालेखा-कार (ले० एवं ह०) महोदय ने सहसं निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी को स्थापना लेखा अधिकारी के रूप में 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में उनके नाम के सामने बताई गई तारीख में प्रभावी अगले आदेणो तक पदोक्तत किया है।

नाम

प्रभार ग्रहण करने की तारीख

श्री की ० पेंचाल व्या

1-9-86 अपराह्म

यह पदोश्नित आदेश उनके बिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रतिकृत प्रभाव डाले, यदि कोई हो तथा आन्द्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लम्बित रिट याचिकाश्रों के परिणामों के अधीन होंगे।

> टी० के० बालसुश्रमणियन, ं उप महालेखाकार (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति का कार्यालय नई दिल्ली, डिनांक 8 सितम्बर, 1986 आयात निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

मं० 1/9/82-प्रणामन (राज०)--राष्ट्रपति, श्री श्री० पी० गहरोता, भारतीय प्रणासनिक सेवा (एम० एम० 69) संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात नियंति को मुख्य नियंत्रक, आयात नियंति के कार्यालय, तर्ष दिल्ली में नियंति आयुक्त (2000-2250 रु० के वेतनमान में) के रूप में 10-6-86 में, अगला आवेण जारी होने ८क, नियुक्त करते हैं

राजीय लोचन मिश्र मुख्य नियंत्रक, श्रामान एवं निर्यात

बस्द्र मंत्रालय

ह्यकरवा विकास आयुक्त का कार्यालय नई दिल्लो, दिनांक 28 अगम्त 1986

संव 1/1/86-डीव सीव एचवंप्रणासन 1 (खण्ड 5)-राष्ट्रपति, वाणिज्य प्रारं वस्त्र मंत्रालयों के संयुक्त काडर में अनुभाग अधिकारी श्री एखंब मंत्रालयों के संयुक्त काडर में अनुभाग अधिकारी श्री एखंब के वैयर को प्रवर्तन संगठन के केन्द्रीय कार्यालय, दिल्ली में 7-4-1986 के पूर्वाह्म सं श्रागामी आदेशों तक के लिखे प्रतिनियुक्त अधारपर महायक निवेशक ग्रेड 1 (गैंग नकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं। मं० 1/4/86-डी० सी० एच० प्रशासन 1 (खंक राष्ट्रपति, बस्त अयुक्त के कार्यालय, 24 पा (पश्चिमी बंगान) पावरलूम सेवा केन्द्र में तकनीकी श्री आर० भट्टाचार्य को प्रवर्तन संगठन के केन्द्रीय को दिल्ली में 12 मई, 1986 के पूर्वाह्र से आगामी के तक के लिये प्रतिनियुक्ति आधार पर महायक निदेशक श्री (तकनीकी) के नद पर नियुक्त करते हैं।

एन एन० वासूरेब, अपर विकास आयुक्त (इथ**कर**घा)

उद्योग भंत्रालय
श्राद्योगिक विकास विभाग
(आर्थिक सलाहकार का कार्यालय)
नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1986

मं सं ए-20020/(3)/86-आ० स०:--राष्ट्रपति भारतीय आधिक सेवा (परिवीक्षाधीन अधिकारी) के 16 वें बैच के एक अधिकारी श्री ए० के० गीतम की दिनांक 1 अगस्त 1986 की पूर्वाह्म से आधिक सलाहकार के कार्यालय, उद्योग मंत्रालय में अनुसन्धान अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

> मनमोहन भिह, आर्थिक यलाहकार

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 सिनम्बर 1986

संग्राप-19018 (731) / 84-प्रणा० (राज०) :----राष्ट्रपति, श्री रामधन धैं ज, की नियुक्ति शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, रायगढ़, जो लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के अधीन है, में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (रसायन) के पद पर 28-2-1986 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश जारी होने नक, के लिये करते हैं।

सी सी० राय, उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 28 अगस्त 1986

सं० ए० 17011/85/75/प्र-6:--्निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में नदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में निरीक्षण अधिकारी (बस्त) के पद पर कार्य कर रहे श्री एच० एन० चक्रवर्ती का यहायक निरीक्षण अधिकारी (बस्त) के पद पर प्रत्यावर्तन होते पर उन्होंने दिनांक 3। जुलाई, 1986 के अपराह्म में निरीक्षण अधिकारी (बस्त्र), के पद

हिंगियंभार छोड दिया। श्री चक्रवर्ती ने उसी कार्यालय में हिंगियक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद का संभाल लिया है।

दिनांक 5 सितम्बर 1986

सं० ए०-6/247 (580):—नदर्थ आधार पर स्थानापन्न । स निरीक्षण निदेशक के पद पर कार्य कर रहे श्री एस० के० पांडे का प्रत्यावर्तन होने पर उन्होंने दिनांक 25 जुलाई, 1986 के पूर्वाह्म से कलकत्ता से निरीक्षण निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 30 जुलाई, 1986 के पूर्वाह्म से टाटा नगर स्थित निरीक्षण निदेशक (धातु) के कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद का कार्यभार सठभाल लिया।

आर० पी० शाही, उप निदेशक (प्रशा०)

इस्पात श्रीर कान मंत्रालय (इस्पात विभाग) लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रण कलकत्ता-20, दिनांक १ सिनम्बर 1986

सं० $\xi-1-2(1)/85$ (.)—अधोहस्ताक्षरी एतद्द्वारा श्री के० पी० चटर्जी, अधीक्षक को दिनांक 1-9-1986 के पूर्वाह्म से श्री कार्तिक दत्त, सहायक लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रण के छुट्टी पर चले जाने के फलस्वरूप हुई रिक्ति पर अस्थाई आधार पर स्थानपक रूप से सहायक लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रक के पद पर नियंत्रक करते हैं।

दीपक कुमार घोष, लोहा और इस्पात नियंत्रक

कलकत्ता-20, दिनांक 8 सितम्बर 1986

सं० ई-1-2 (8)/82 (.)--लोहा श्रांप इस्पात नियंत्रक एतद्वारा श्री के० के० गाइन, जो इस समय प्रतिनियुक्ति पर क्षेत्रीय लोहा श्रींप इस्पात नियंत्रण, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षक के पद पर कार्य कर रहे हैं, को दिनांक 1-9-1986 के पूर्वित्त में प्राप्तम में 6 माह की अवधि के लिये तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से विष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ई—I-12 (43)/82 (.) -- इस कार्यालय के दिनांक 15-12-84 की समसंख्यक अधिमूचना द्वारा वरिष्ठ वैयक्तिक महायक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त श्री निर्मल चक्रवर्ती को एतद्वारा 1-9-86 के पूर्वाह्म से उनके मूल पद पर प्रत्यावनिक किया जाता है।

इसे लोहा ग्रीर इस्पात नियंत्रक का अनुमोदन प्राप्त है।

> गनम कुमाण मिन्हा, उप लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 5 सितम्बर 1986

सं० 6190 बी/ए-19012 (1-वी० पी० एस०) 84-19ए--भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्रीवी० वी० शर्मा को सहायक भू-वैज्ञानिक के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650--30--740--35--810-द० रो०-35-880--40-1000 द० रो०-40-1200 क० के वेतनमान में, 650-- र० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में अगामी आदेश होने नक, 3-6-1986 के पूर्वात्व में निमुक्त कर रहे हैं।

अमित कुणारी, निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1986

सं० ए-19011 (240)/78-स्था० ए०-- विभागीय पदोष्ट्रित समिति की सिफारिश पर, राष्ट्रपित, श्री वाय० पी० हुडे, स्थानापन्न सहायक खान नियंद्रक को भारतीय खान क्यूरो में नियमित रूप सं उप खान नियंद्रक के पद पर दिनांक 31 जुलाई, 1986 के पूर्विह्म सं आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19011 (24)/85-स्था० ए०-विभागीय पदोन्नित समिति की निफारिक पर, राष्ट्रपति, श्री सुरेण चन्द, स्थाई क्षेत्रीय खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरों में खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 28 जुलाई, 1986 के पूर्वाह्न से आगामी शदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19011 (208) 85-स्था० ए--विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, श्री गुराभारी, स्थानापन्न महायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरों में नियमित रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 31-7-1986 के पूर्वात्रि से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

जी० मी० शर्मा, महायक प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक धारपीय खान ब्यूरा

सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन भ्रीर दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 सिनम्बर 1980

सं० ए-12026/6/86-स्था०--विज्ञापन ग्रीर दृश्य प्रचार निदेशक, श्री ए० सी० दत्ता, सूचना ग्रीर प्रसारण मंद्रालय के केन्द्रीय सचिवालय रोवा संवर्ग के स्थाई राहायक को प्रतिनियुक्ति के अधार पर 2 सितस्बर, 1986 के पूर्वाह्म ने इस निदेशालय में सूपर वाइजर के पद का नियुक्ति करते हैं।

> एम० एन० सिग्ला, उप निदेशक (प्रशासन),

स्वास्थ्य एव परिवार कस्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 3 सिनम्बर 1986

सं० ए० 31011/1/85-पी०एच० (एफ०एण्ड एन०)---स्वास्थ्य भेवा महानिदेशक ने श्री जे० के० सरकार को 26 मार्च, 1979 से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में कनिष्ठ विश्लेषक (जूनियर एनेलिस्ट) के पद पर स्थाई आधार पर नियुक्त कर दिया है।

> जें० मी० जैसानी, तहायक महानिदेशक (पी०एफ०ए०) क्रुते स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक

स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 सिनम्बर 1986

सं० ए० 38012/6/85-प्रणासन-1:--सेवा-निवृत्त की आयु हो जाने पर इस निदेशालय के श्री एस० डी० मतंगे, विष्ट वास्तुक 31 जुलाई, 1986 के अपराह्न से सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

> पी० कें **पई,** उप निदेशक प्रशासन, (सी० एण्ड बी०)

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र
(कामिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक सितम्बर 1986

मं० आर०-1682/डी० डी०/स्था० II/3650-- तिदेशक, भा० प० अ० केन्द्र, ने श्री पटचीपुलुसू चंद्रशेखर गव, वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी, निर्लंबजीकरण प्रभाग को केन्द्रीय सिविल सेवायें (सी० सी० ए०) नियम 1965 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए दिनाक 25-2-1986 के नौकरी से अलग कर दिया है।

वेः वेंकटकष्णन, उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग भारी पानी परियोजनायें

बम्बई-400008, दिनांक सितम्बर, 1986

सं० 05012/अग/85/3763—-भारी पानी परियोजनाश्चों के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयंत (बड़ांदा) के निम्त-ज़िल्लित अधिकारियों को आगे आदेश होने तक के लिये विवरणानुसार नियुक्त करते हैं।

क्र सं० नाम	वर्तमान पद	पद जिस पर नियुक्ति की है	जिस तारीख में नियुक्ति की हैं
1. श्री डी० पी० त्र्यास	वैज्ञानिक सहायक सी०	वैज्ञा० अधिकारी (एस० बी०)	1-8-198
2. श्री आई० एम० लाकड्वाला	वैज्ञानिक सहायक सी०	वै ज्ञा ० अधिकारी (एस० बी०)	1-8-1985
3. श्री एल ० एच० पटे ल 	वैज्ञानिक महायक सी०	वैज्ञानिक अधिकारी (एस० बो०)	1-8-1985

मं० 05012/भ०/7/3764:—भारी पानी परियोजनाश्चों के प्रधान कार्यकारी, श्री किलोकुलानगारा भागन बेला युद्धन, महायक लेखाकार इन्द्रागांधी परमाणु अनुसन्धान केन्द्र को भारी पानी परियोजना मनुगुन्द, में 12 जून, 1986 (पूर्वाह्म) से आगे आदेश होने ठक के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 सितम्बर 1986

सं० 05012/भ० 5/फ्रों० पी/3810—भारी पानी परियोजनाकों के प्रधान कार्यकारी, श्री शिव चरन हरमा बिर्वा । चन श्रेणो निर्पिक भारी पानी परियोजना, तलचर को इसी परियोजना में श्री डी० एन० नायर, सहायक कार्मिक श्रिधारी जो छुट्टी पर है के स्थान पर 14 अप्रैल, 1986 (पूर्वा०) से 26 मई, 1986 (अप०) तक के लिये ग्रस्थाई तीर से तहर्ष आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलीर--560009, दिनांक 1 अगस्य 1986

स० 6/39/84-सि० इं० प्र० (मुख्या)/8805:--मुख्य इंजीनियर, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, अन्तरिक्ष विभाग, कुमारी डी० लिल्ला को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग, बंगलीर में महायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक जून 26, 1986 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश तक नियुक्त करने हैं।

दिनांक 7 अगस्त 1986

सं० 6/39/86—सिं० इं० प्र० (मुख्या)/9091:—मुख्य इजीनियर, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, अन्तरिक्ष विभाग, श्री के० जे० प्यरमण को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 27—1—1986 के पूर्वित्त में आगामी आदेश तक निमुक्त करते हैं।

के० इन्दिरा देवी प्रणासन अधिकारी--कृते मुख्य इंजीनियर

इसरी इंजीनियरी प्रमाग

बंगलीर-560009, दिनांक 1 सितम्बर 1986

सं० 6/39/84-सि० इं० प्र० (मु०)-मुख्य इंजीतियर सिविल इंजीतियरी प्रभाग अन्तरिक्ष विभाग कुमारी शोभा वर्गिज को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीतियरी प्रभाग, त्रिवेन्द्रम में इंजीतियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 6-3-1986 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश नक नियुक्त करते हैं।

> के० ईर रविन्द्रनाथन प्रशासन अधिकारी—11 कृते मुख्य इंजीनियर

इनसैट-1 प्रभाग नियंत्रण सुविधा हसन-573201, दिनांक 28 जुलाई 1986

सं० एम० मी० एफ०: प्रशासन: स्थापना: जी० एन 032--परियोजना निदेशक, इनसैट-1 अन्तरिक्ष खण्ड परि-योजना, अन्तरिक्ष विभाग श्री जी० मत्यनारायण राजू को उनसैट-। प्रधान नियंत्रण सुविधा, हमन में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर पर दिनांक 24 जुलाई, 1986 में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० एन० मी० एफ०: प्रशासन: स्थापना:जी० एन० 033—परियोजना निदेशक, इनसैट—1, अन्तरिक्ष खण्ड परि-योजना, अन्तरिक्ष विभाग श्री एच० प्रेमानन्द शिनाय को इनसैट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा, हसन में वैज्ञानिक इंजी-नियर एस० बी० के पद पर दिनांक 25 जुलाई, 1986 से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

बी० कैं० नायर प्रशासन अधिकारी कृते परियोजना निदेशक

द्रव नोदन प्रणाली यूनिट

बंगलीर-560017, दिनांक 4 सितम्बर 1986

सं० 8/247/83-प्रणा०--श्री पी० सी० र्यान्द्रन पिल्ले की नियुक्ति, राहायक लेखा अधिकारी के पद पर 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान पर स्थानापन रूप में, 21 अगरा 1986 के पूर्वाल में द्रव नोदन प्रणाली, यूनिट, बेंगलूर में, आगामी आदेश तक की जाती हैं।

ए० ई० मृत्तुनायगम निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली—110066, दिनांक 14 अगस्त 1986

मुद्धि पत्न

सं० ए० 32014/1/86-ई० सी० (.)—इस कार्यालय की दिनांक 30 मई, 1986 की समसंख्यक अधिसूचना में आंकिक रूप सं संशोधन करते हुए श्री एम० हाज्यन की 650-1200 रूपये के वेतनमान में सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नदर्थ आधार पर हुट्ट नियुक्ति की तारी एक को मार्च, 04, 1986 के स्थान पर मार्च 11, 1986 संशोधित किया गये।

एम० भट्टाचार्जी, उप निदेशक प्रशासन

निर्राक्षण महानिदेशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क न**ई** दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर, 1986

सं 15/86-श्री के एल मोनकर ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुरूक, डिबीजन-11, कानपुर में अधीक्षक के पद पर तैनात थे, निरीक्षण महाविदेशालय, सीमा शुरूक तथा केन्द्रीय उत्पादन शुरूक, नई दिल्ली के उसरी प्रादेशिक

एकक कायनिय में स्थानन्तरण होने पर दिनांक 28-7-86 (पूर्वाह्म) में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "व" के पद का कार्य-भार संभाल लिया।

मं० 16/86 - श्री एच० एन० लूथरा ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन मुल्क समाहर्तालय, जयपुर में अधीक्षक पद पर तैनात थे. िरीक्षण महानिदेशालय, सीमा मुंतिथा कन्द्रीय उत्पादन मुल्क, नई दिल्ली स्थित मुख्य कार्यालय में स्थानान्तरण होने पर, दिनांक 18-8-86 (पूर्वाह्न) निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "छ" के पद का कार्यभार सभाव लिया है।

गुच० गुम० मिह निरीक्षण महानिदेशन

केन्द्रीग जल आयाग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 5 गितम्बर, 1986 मुद्धिपत्र

मं० ए० 19012/1160/85-स्थापना पांच-केन्द्रीयः जल आयोग के अधिसूचना मं० ए०-19012/1160/85-स्था० पांच दिनांक 4 जून, 1985 में श्री एम० एन० धर पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निवेशक/महायक इजीनियर (इंजीनियरिंग) की पदोश्वित की चौथी पंकित में 24-1-1986 (पूर्विह्न) के स्थान पर 23-1-1986 (पूर्विह्न) पढ़ा भये।

दिनांक 8 सितम्बर 1986

सं० ए० 19012/1189/86-स्थापना-पाच--अध्यक्ष केन्द्रीय जल अयोग श्रीमती जोमफाईन मरो पोटर पर्य ले बेक्षक को श्रितिस्थन महायक निवेणक सहायक इंजीनिय (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-वर्ण रोज-35-880-40-1000 वर्ण रोज-40-1200 रूपमें के बेतनमान में 25-81986 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं ० ए०-19012/1192/86-स्थापना पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बेद राम शर्मा, पर्यवेक्षक को श्रितिरक्त सहायक निदंशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के श्रेड में 650-30-740-35-810-द रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में 2 जुलाई, 1986 को पूर्वाह्म से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाते तक जो भी पहले हो पूर्ण अस्थाई तथा तवर्ष आधार पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

डी० कटणा. अवर सचिव केन्द्रीय जल स्रायोग निर्माण महानिदेणालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1986

म० 32/3/85-2--केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के दीय इंजीनियरिंग सेवा के श्रेणी कमें निम्नलिखित अधि को निर्वतन की आयु (58) वर्ष पूरे होने पण सरकारी को जिनके आगे दी गई तारीख से सेवानिवृत्त किए जाते के उनके आगे दी गई तारीख से सेवानिवृत्त किए जाते के :--

र्डम्० अधिकारी का नाम निवृत्तिकी पदनाम एवं अन्तिम नारीख तैनाती का स्थान

ं सर्वश्री

्री_य एम० डी० गुना

31-8-86 कार्य इंजीनियर (लि०) (अपराह्म) मुख्यालय दि० के० परिमण्डल-5 के० लो० नि० विभाग नई दिस्ली।

2ं टी० वेंकटराव

31-8-86 कार्य इंजी० (मूल्यां-(अपराह्म) कन) आयकर विभाग

कल**कत्ता** ---------

पृथ्वीपाल सिंह उतिदेशक प्रकासन कले निर्माण महानिदेशक नई दिल्ली, दिनांक 10 सिहम्बर 1986

मं० 33/2/83-5० मी०--१--राष्ट्रपति सहपं मंघ लोक संवां आयाग द्वारा प्रस्थावित श्री मंजीव कपूर उप वास्तुक को अस्थाई पद पर (सामान्य सिवल संवा ग्रुप "क") केन्द्रीय लोक किर्माण विभाग में स्पर्य 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में अतिरिक्त भूमों सहित सामान्य नियमों एवं शतीं पर दिनांक 18-8-86 (पूर्वाह्म) में नियुक्त करते हैं।

श्री संजीत नापूर की नियुक्ति की तिथि से 2 वर्ष की अवधि के लिये परीवीक्षा पर रखा जाता है।

पृथ्वी पाल सिह् प्रशासन उप निदेशक

प्रकथ बार्च ,टो. एम. एस्. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २०५ भ ।।) ते अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकार मामुक्त (निराक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 21 जुलाई, 1986

मं० ग्रार० ए० सी० सं० 9/86-87:—-ग्रतः मझे, टी० गोरखनाथन,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त निर्धानयम' कहा गया हुं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निषक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 3-6-345/1, श्रीर है, जो 6-3-345/1/1 हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबंड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्मा श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जनवरी, 1986 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुवावत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का नम्ह प्रतिकृत से मुक्त क्रियमान प्रतिफल की नम्ह प्रतिकृत से, एसे रहयमान प्रतिफल का नम्ह प्रतिकृत से बाजार क्रियमान प्रतिकृत से प्रतिकृत से उच्छा क्रियमान प्रतिकृत से स्वयमान प्रतिकृत से स्वयमान प्रतिकृत से स्वयमान प्रतिकृत से स्वयमान प्रतिकृत का क्रियमान प्रतिकृत से स्वयमान प्रतिकृत से स्वयमान प्रतिकृत से स्वयमान प्रतिकृत से स्वयमान प्रतिकृत से स्वयम्ग के लिए तय पाया क्रियम क्रियम नम्ह किया वया है है——

- (क) बतरण संहुई किसी नाम की बाबस_ा कक्क शीरियाम के अधीन कार वीने के अन्तरक के दायित्व मां कामी कारने या उससे नखने ही सुनिधा क भ्याप्त, और मा
- (क) एसी किसी थाय या किसी थन या बन्य बास्तुम् की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अल्लरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एवा था या जिल्ला जाना चाहिए था, किपाने में स्थिया के सिए;

नतम अब उक्त विधिनिया की भाग 269-म की बनुसरण हो, हो, हक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा /११ के चीन, निम्नलिबिट व्यक्तिकारी, वर्धात व्यक्ति 1. मैंसर्स म्रार० जी० फाउण्ड्री फोर्ज लि०, बाई० सेक्रेटरी श्री मुधीर रंजान सेन गुप्ता, रिजस्टर म्राफिस घर नं० ६-3-569/1/7, खैरााबाद, हैदनाहद।

(सन्दर्भ)

2. मैंसर्म बंजारा हॉस्पिटल प्रा० लि० बाई० श्री के० चेन्ना रेड्डी पिता श्री के० एम० रेड्डी, रिजस्टर ग्राफिस नं० 6-3-1099/2, राजभवन रोड, बामा जोगुड़ा, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना था<u>पी करके पूर्वोक्त</u> संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाशेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर सूचना की सामीस से 30 दिन की बनीय, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तिता में में किमी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवण किसी जन्म स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकीने।

स्वयाकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वसा है।

प्रनुसूची

घर सम्पति म्यानिसिपल नं० 6-3-345/1, फ्रांप नं० 6-3-345/1/1, सीमा जीगुड़ा, बंजापा हीलस, हैदराश्वाद विस्तीर्ण 1000 ची० गज, पजिस्ट्रीकत विलेख नं० 47/86, पजिस्ट्रीकत्ती प्रधिकारी हैदराश्वाद।

टी० गोरखानाथन सक्षम प्राधिकारी, सहायाः ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रजन रोंत्र, हैदराबाद

नारीख: 21-7-1986

मोहरः

असम काइ . हर्त . एत . एत .----

वायकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) व्हें अधीन स्वाम

भारत सरकार कार्यालय, महातक लायणार क्याक्स (भिरोक्सण) श्रर्जन रेजि, हैवराखाद हैदराखाद, दिनोक 21 जुलाई 1986

सं० श्रार० ए० सी० नं० 10/86-87:--यतः मुझे, टी० टी० गोरखानाथन,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एक परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भाषा 269-च को अभीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी पंख्या प्लाट तं० 9 है, जो ब्लाक तं० 3, साई० डी० ए उप्पल हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबस सन्सूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्झातर्जा स्रिधिकारी के कार्यालय उप्पल, में भारतीय रिजर्झोतरण स्रिधित्मम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्राख स्रिज, 1986

का पृथितक संपत्ति को उषित बाबार मूल्य सं कम के व्यवधार प्रितिक के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यांक्त संपरित का उषित बाबार ब्रुच्य, उपाके शश्यमान प्रतिकाल से एसे शश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-दिवस के ब्योग कर दोने के बन्दारफ के वादित्य के क्यों करने का उद्यों करने के बुदिया के दिव्ही: क्यों
- (क) एसी किसी बाब या फिसी धन वा अन्य बास्तियों भी, जिस्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-भार बिधिन्सय, वा धन-भार बिधिन्सय, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रेकनार्व अन्तिरती स्वार प्रकट पहीं किया थ्या भारतीय असी का किया भारतीय का किया था, किया में सुनिवा औं किया

जतः ज्ञबः, उत्कतं अधिनियमं को धारा 269-ग के अनूसरण भ, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीर, जिम्मिलिखिक चिक्तियों, अर्थात् —

2-266 GI/86

म भर्स एल० बी० ब्राइलम एण्ड फेटस प्रा० लि० बाई चेयरमैन ब्रीर मैनेजिंग डायरेक्टर श्री एल० बी० रमाइक, रिनस्टर श्राफिम नं० 2, दि येमुथेपयपान स्ट्रीट, मद्रास,

(अन्तरक)

2 मैसर्स मोडलैण्ड लिखींग लि०, बाई श्री श्रार० एस० एन० राजू, मैनेजींग डायरेक्टर, रिजस्टर श्राफिस नं० 34, नार्गाज्न हॅल्स, हैदराबाद-500462।

(श्रन्सरिती)

की यह स्था भारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के बर्चन के जिल् कार्यशाहियां शुरू करता हूं।

दक्त सम्मृत्ति के मर्चन के सम्मन्त में कीई शी बाखेर ह---

- (क) इस स्वा के राजपम में प्रकारण की तारीक के 45 दिन की जरीभ मा तरकम्बनमी का बितायों पर स्वका की तामीज से 30 दिन की जनिय, को भी कारीभ मान में समाप्त होती हो, के भीदर प्रोंक्ड म्यक्तियों में से किसी का निस् स्वारा;
- (व) इस स्थान के शब्दम में प्रकारत की तार्रीय हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्ष्टी के
 ास जिक्ति में किए वा सकेंगे।

रपक्किरणः—इसमें प्रयुक्त कथां और पदों का, जो उपक विभिन्नियम के वध्याय 20-क में पहिशाबित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया वदा हैं।

नगुसुची

जभीन का ट्रकड़ा, विस्तीर्ण 40798 एकड़ (1.94 हैक्टर्स), प्लाट नं० 9, ब्लाक नं० 4, इण्डस्ट्रियल उवलपसेंट एरिया, उप्पल, हैदराबाद, (जी० सर्वे नं० 581/1, 581/2, 582 और 583, के सीमा में है) रजिस्ट्रीकृत नं० **1782/86**, रजिस्ट्रीकृत श्रधकारी उप्पल।

टी० गोर**खानाथन,** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रजन रेंज, **हैदराधा**द

दिनांक: 21-7-1986

प्रका बार् ु हो. एन. पुर प्रान्ता वासन

जामक इ. व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जधीन स्वना

मारत भरकार

कार्यालय, सहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

रागपुर, दिनांक 23 जुलाई 1986

सं० ग्राई० ए० मी० ए/क्यू० 2117/86~87:~-मुझे, यू० के० जैन,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या एक ब्लाक 8000 स्ववेयर फिट है, जो मिनधाम काम्पलक्स, ग्रमरावर्ता, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीतर्त्ता ग्रीधातरी के लायालय नागपुर डाक्मेंट सं० 122/17/86 87 में रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908, (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 30-1-1986

को पूर्वीक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्स्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पर्ति का उचित बाजार बूक्स, उक्षके बस्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बम्बल प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिका) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया अतिफल निम्हिसिबत उद्योग्य से उक्त अंतरण किविक बें बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्यरण से हुए किसी बाव की बाबक, संबंध विभिन्न के अजीत कर दोने के कन्तरक के दायित्व में कमी करने गा उससे स्वाने में स्विधा के लिए; बॉर/मा
- (क) एमी किसी बाध या किसी धन था बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयके र अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उत्तक अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का -27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या फिका अभा वाहिए था. स्त्रिपान में सिविधा की लिए;

ग्रह: **बब उ**क्त विभिनियम की भारा 260-ग में जनसरण **हों, में, उक्त** विभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) **में अभीर है विक्तिविद्या विभिन्नों, नेपाँड क्र** मैं. हिन्दुस्तान काटन कस्पनी 353, कालना देवी, रोड, बन्बई-2।

(ग्रन्तरक)

2. शिवचराय झुनझुनवाला चिरिटेबल ट्रस्ट, गीधाम, श्रमरावर्ता।

(भन्तिरती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के ज्वीन के कि कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की जबीध मा तस्संसंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को में अवधि भाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकः व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति स्वान्तः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितनपूष कि सी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास विश्व मा वार आ सकतें।

स्पक्षक्षित्रणः--इसमें अयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उज्ल जिभिनियम, को अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थहोगा जो उस सभ्याय में दिश प्रमाही।

अनुसूची

एफ० ब्लाक 8000 स्क्वेयर फिटजो सतीधाम काम्लेक्स मारायती में स्थित है।

> यू० के० जैन, सक्षम प्राधिकारी, पडायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, नामपुर

सारीख: 23-7-1986

मोहरः

प्रकृप काइ. टी. एन. एस. -----

बावकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के व्यथीन सुपना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर बाव्यत (निराज्ञण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 6 मई 1986

मं० श्राई० ए० मी०_/एस० वयॄ(1_/17/86−87′−−यसः

म्म्म्, एम० सी० जोशी,

वायकर जींपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके हिसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा ?69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य रू. रा. 1,00,000/- से अधिक हैं

- प्रौर जिसकी संख्या श्राफिस नं० 501 से 512 बी० विंग, श्रीर 505 से 509 ए० विंग, ठवा माल लोकमस वधी रोड, नागपुर में स्थित हैं (ग्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाक्रुमेंट मं० 76 12/85-86) में भारतीय रिस्ट्री- करण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-1-1986
- को पूर्वोक्त मंपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रश्यमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकाल से एसे द्रश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्मतिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
 - (क) बल्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादित्व में क्सी करने या उससे वच्ने में मृविधा के लिए; मौर्/मा
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

रतः अन्, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग में बन्सरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्तिसित व्यक्तियोंं, बर्भात् म— मैं० जयश्री कस्ट्रवणन वस्पनी लोकमल भवन, वधी रोक्क, नागपुर।

(भ्रन्तर्कः)

 मै० श्री साईनाथ पेपर एण्ड पत्प मिल्स प्रा० लि० बेस्ट हाईकोर्ट रोड, नागपुर।

(भन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी **शाक्षेप** क्र----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिहैक्त में किए या सकोंचे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परित्राधिश है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया श्या है ।

वन्स्ची

ग्राफिम नं० 501 से 512 बी बिंग, 505 से 509 ए० बिंग 5वां माला, लोकमत भवन, वधरोड, नागपुर।

> एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधि हारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, नागपुर

तारी**ख** 6-5-1986 मोहर प्रे**क्ष वार्ड . टी . ए**ष्. एस . ------

बायका मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्थान

भारत सरका

कार्यांसम, सहायक भागकर नामुक्त (निर्दासन)

ध्यर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 श्रगस्त 1986

निदेश सं० श्रई 37ईई_/706/85~86 — अत: मुझे, श्रंजनी कुमार,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रध्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्रजित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी मंख्या फ्लैंट नं. 3 प्रीर 4, तल मंगला, प्लाट नं० 13, 14 15 प्रीर 16 तीमरे मजले पर बिल्डिंग नं० की गनातरा काम्पलेक्स जहां सर्वे नं० 566/16, विबन्धाडी पूना—37 है सथा जो पूना में स्थित है (प्रीर इससे उपावद्ध प्रम्भूवी में प्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिनस्ट्रीकर्ता प्रधितारी के कार्यालय, सहायक प्रायम्य प्रायक्त निर्धिण), प्रार्जन रंज, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1986

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उपित माजार मृत्य से कम के व्ययमान शितकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह जिश्यास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपरित का उपित वाजार मृत्या, उसके व्यथमान प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल के कंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितं। (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कवा, निम्नजिवित उद्देश्य के उक्त जन्तरण सिवित में शासा-किक कम से कथित नहीं किया वया है क्ष्म

- (क) बन्धरुम संबुद्ध ग्रिंक्सी झाव की बाववात बज्ज सिंधितयम के अधीन झार दोने को अन्तरक के बावित्स् में कृती कार्र का अन्तरे ब्लूने में सुविधा के सिंध; बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जल्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जाय-कर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवत् विधिनियम, या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अवस्ति वृद्धारा प्रकट नहीं किया वर्था ना वा किया जाना वाहिए था, क्रियान में सुन्धि। के क्रिया

शतः तथ, समत विभिन्नम की गाउँ 209-ग के अनुसरण ली, मी, सबत अभिनियम की भारा 269-व की संग्यारा (1) को स्थीत, निकासिक जनिकारी, संगति व—— मैसर्म गनातरा बिल्ह्म, गनतरा चैस्बर्म, मी० टी० एम० नं० 572, सदाणिवमेठ पूना -30।

(श्रन्तरक)

2. मैंसर्स न्यू इण्डिया असुरन्स कम्पनी लि० 2420 ग्लमोहर अपार्टमेट्स जनरल तिमध्या रोड, पूना-1।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना आरि करके पृथाँक्त सम्परित के वर्षन के किए कार्यनाहियां करता हो।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांध्र भी बाक्षेय :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि मा तरसंबंधी व्यक्तियों युद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति भी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्रादिसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना को राजपन्न में अकायन की तारीस से 45 दिन है भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्वक्षकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो उक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ार हैं।

शन्त्र ची

जैमा कि राभिस्ट्रीकृत क० सं० 37ईई/7069/85-86 को फरवरी, 1986 को महासाउ आस्मान्य आस्मृत निरीक्षण प्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी, गहायक श्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, पूना

वारीख: 5-8-1986

प्रसम बाह्य हों हुन हुन हुन हराना

नाधकड मिर्मित्रक, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) वं अधीय स्वता

FIET SERIE

कार्यात्तव , वक्षत्रका शामकार बाक्का (विश्वविक्रण)

ध्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 जुलाई, 1986

निदेश सं० 37ईई/6975/85-86:--यत मूझे, श्रंजनी कुमार,

बायकार मिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें कार्क रक्यात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 811/118 सिंध को आपरेटिव हाउ त्सा सोसायटी श्रींध, पूना-7 है तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अजीन फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से खीवत नावार नृष्य से कान के स्वयंत्राव शिक्षक के लिए वंतरित की वर्ष हैं जीर मुख्ये यह विश्वाध करूपों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वायार शृष्य, उसके क्यमान प्रतिकत्त से, एसे का अन प्रतिकत का वन्ध्र प्रतिकत के निषक है जीर वंत है (वं. स्का) बीर वंतरितीं (वन्तरितियाँ) के बीच होंचे नन्तर्य के लिए क्य पाया नवा बना प्रतिकत निम्मतिष्ठ क्यमेंच के स्वयं वंतरण विविद्यं वे सम्बद्ध कर वे अधिक क्यां क्या क्या वंतरण विविद्यं वे सम्बद्ध कर वे अधिक क्यां क्या क्या क्या व्यवद्धी है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग को अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित क्ष- श्रीप्रकाम बी० यडानी भ्रमना घर, हाउसिंग रोड, पूना-9।

(ग्रस्तरक)

श्रीमती जानकी बी० देसाई,
 जानकीनस हाउस, हैरी रोड,
 श्रुलाब, बम्बई-5।

(ग्रम्तरिती)

कां यह सूचना आरी करके पृथािक्स सम्पत्ति के वर्जन के राष्ट्र कार्यशिक्ष्यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति है वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेय---

- (क) इत बूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि मा तत्त्वस्वन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और नदों का, जो उनके जिथिनियम के हैं याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष ह या जो उस अध्याय में दिया नदा ही।

अनुसूची

(ज्ञासा कि राजिस्ट्रीइस्त नं० 37 ईई/6975/85-86 जो माह फरवरी, 1986 को सहायक आपक्ट आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गमा है)।

> ग्रंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्ष्त (निरीक्षण) श्रुषीन रेंज, पूना

तारीख: 30-7-1986

प्रकप आई.टी.एम.एस.-----

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आगुक्त (निरीक्षण) भजीन रेंज, पूना~1

पूना, दिनांक 24 जलाई, 1986

सं० 37६६/7566/85-86:--- आतः मुझे, ग्रंजनी कुमार, अभ्यक्तर भी भीनयस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकी पदवास 'उक्स अभिनियस' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी संख्या सर्वे नं० 12ए (पार्ट), श्रार० एस० नं०
903 ई०-2 सीरीद नं० 12 वी श्रार० एस० नं० 104 ए एस०
टी० एस० नं० 11 वी० एण्ड श्रार० एस० नं० 103 जी
सी० टी० एस० नं० 14, लोगावला ता० मावल, जिला पूरा
है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्षा श्रधिकारी के
कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज
रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,
तारीख फरवरी, 1986।

- को पूर्णोक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिक्षण के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया दुरे:——
 - (क) नंतरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त नियम के नंधीन कर दोने की अंतरक के दारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नरि/या
 - (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिशित व्यक्तियों, अभीत् :--

- श्री सोली जगशेट लाम 128 हेरली स्ट्रीट, लन्डन विंग श्राफ ए० एक० यू० के०।
 के० श्रार० श्रष्पीबाला, रावरैस्ट हाउस बम्बई।
 जे० पी० एफ० शराफ सी०/के० लिटल एण्ड कम्पनी रान्द्रल वैंक बिलिडग फोर्ट, बम्बई।
- मिसेस पिलू फली बामनाजी ग्रमरफ्ट बगान, मादाम कामा रोड, बम्बई।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—
(क) इस सूचना के राज्यित्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो अवह विभिन्नियम के बच्चाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कच्चाय में दिया प्रवाह ।

अनु सूची

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/7566/85-86 जो माह फरवरी 1986 को का सहायक श्रायकर श्राय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है)।

श्रंजनी कृमार, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्स निरीक्षण श्रजीन रोंज, पूना

नारी**ज**: 24-7-1986

मोहरः

वका बाह्र', टि, ऐन् , एक , -----

बायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत बर्जनार

कार्याभय, तहायक बायकर वायुक्त (निरीक्तक)

श्चर्जन रेंज पूना−1। पूना-1, दिनांक 5 अगस्त, 1986

मं० 37 ई**ई**/6664/85-86--- ग्रतः सुझे, ग्रंगनी कुमार, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिनियम्' कहा गया है), की भारत 269-क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपौरत, जिसका उचित बाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या सब प्लाट नं० 8, पुष्पक्ष कीस्रापरेटिब हाऊसिंग सोपायटी फाइनल प्लाट नं० 23, वेखडा पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबद्ध अनुसूर्या। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीहर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर जायुक्त निरीक्षण) प्रर्जन रेंज सब-रजिस्ट्रार ,में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जनवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित वाजार मृज्य से कम के अध्यक्षान अतिकान में निए अन्तरित की नड़े हैं और मुक्ते यह विद्वास **करमें का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित**ं बाजार भाष्ट्रक, असको चरमनान प्रतिफात से एोने करममान प्रतिफाल का शमुद्ध प्रतिवात से मिथक हैं मौर मंतरक (मंतरकों) मौर मंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया **३ तिफन, निम्नमिक्त उद्यो**ख से उक्त अन्तरण सि**धितः ध**ें नास्तिषिक कप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जुलारण से इन्हें किसी जान की नानत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा ले विषय: और/भा
- (श्व) ऐसी किसी अगब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया भाना चाहिए था, क्रियाने में यरियदा **के लिए**≃

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्रीतय्यव ग्रमगरश्रली क्वेटेवाला ग्रीर ग्रन्य मब प्लाट नं० 8, पृष्पक कीश्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, प्लाट नं० 23, पेखाङ्ग पूना।
 - (अन्तरक)
- श्रीमती रिवन्द्रनाथ रामनाथ गर्मा 23 पाक, (डब्स्प), 6 यूनियन पाक, बान्द्रा (डब्स्यू०) बम्बई।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त तम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवादियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के शब्दन में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की जनिथिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर बुक्तनाक डी तामी संबे 30 दिन की नविष्, यो भी व्यवस्थि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रतिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इक् भूष्या के राज्यम् वी प्रकारक की रासीय वं 45 विन को भीतर सकत स्थानर सम्पत्ति में हिंछ-बद्धप किसी बन्द व्यक्ति इंदारा, अभोइस्ताक्षरी के वास विश्वस्थित में किए का सकों है।

ल्याकोक दन :---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अवत स्थि-नियम के बच्चाय 20-क में परिभावत है, वहीं कर्च होता. को उस कथ्यान में किया नवा **F**

अनुसूची

जैया कि प्रजिस्ट्रीकृत कं० 37 ईई/6664/85-86 जो जात्वरी, 1986 की महाय आयाहर भ्रायुक्त निरीक्षण मर्जन रोंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहाय व ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 5—8—1986

मोहर ः

प्रकृष नार्<u>ष</u>्टी. एत<u>. ए</u>ष.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

सारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्माशक)

ध्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक प्रा श्रप्तेल, 1986

सं० 37ईई/6843/85-86--यनः मुझे, द्रानिस

कुमार, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या सी० एस० नं० 171, हिस्सा नं० 896 नानापेठ पूना है तथा जो पूना में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद जन्मूची में स्रीर रूप से विणित है), रिजर्ड्रा-कर्ता स्रीधिकारी के कार्यालय सहायक स्रायकर स्रायक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजरट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, नारीख फण्बरी, 1986

को प्वों क्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के सिए अन्सरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार सूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्सरण के सिए तय पाया गया प्रति-मल, निम्नसिखिस उच्चरिय से उच्च अन्सरण सिखिस में बास्त-दिक दृश्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (७) बन्दहण में हुन्दी जिन्दी जान कर्त नामका। जनक महिन्दिन्त में अनीत कार दोने से अन्यरक में वाजित्य में कार्त करने वा उत्तर क्यूने में सुविचा ने लिए; नीए/धा
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनिधन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः अध, उत्कल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्ल अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियाँ, अर्थात् क्र—-

- श्रीडीप्रेस्ड क्लास मिसन सोसायटी श्राफ इण्डिया,
 896 नानापेठ, पूना-2।
 (ग्रन्तरक)
- बी जे॰ एसोसिमटम कन्स्ट्रमशन्स प्रा० लि॰,
 29/30 महात्मा गांधी रोड, पूना-1।
 (भ्रन्तिंगी)

को वह सूचना जारी कर्यं प्याप्त सम्मित् में वर्षन के विश् कार्यवाहियां करता हैं।

उपद चन्दरिष्ठ के नुर्वाप के सम्बन्ध को कोई थी बाबोप:---

- (क) इस सूचवा के राज्यंत्र में प्रकारण की ताडींच से 45 विश्व की अवधि मा तर्रावंधी म्याबितकों पर सूचवा की ताबीस से 30 विश्व की अवधि, यो भी अवधि वास में सवास्त होती हो, के मीतर प्रांकत म्याबत्यों में से विजयी म्याबत हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजनत में त्रकाशन की घारीक से 45 किन के भीतर जनत स्थानर सन्पत्ति में हित-वहंच किसी नन्त्र स्थानित हुवारा, वभोहस्ताशती के नाव विशेषत में निम्में जा संख्योंने।

स्वच्छीकरणः---द्रतमें प्रमुक्त कच्चों और पदों का, यो उपस स्विधित्तम के श्रम्यान 20-क में परिशायिक हों, यही अर्थ होगा यो उस सभ्मान में दिशा सवा हैं।

अगुल्बी

ज़ैया कि रिजस्ट्रीकृत क सं०० 37ईई/6843/85-86 जो फरवरी, 1986 को सहायक आयकर आयकर आयकर निरीक्षण अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजीन रेंज, पूना

तारीख: 1-4-1986

मोहरः

ास्य बाह्'्टी एत् एव .-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज पूना पूना, दिनांक 11 अर्प्रैल, 1986

मं० 37ईई/10796/85-86--अत मुझ, अतिल कुमार, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हौ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः जिनका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट तं० 206, निर्माण विकास निर्माण नगर, नल्लासोपाना

है तथा जो नल्लासोपाना में स्थित है (र्याप इससे उपावस अनुसूची में अरे पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयक्य आयुक्त निर्मक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख फरवरी, 1986

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं क्रभ के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और शंतरिती (अन्तरितियां) के शैच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखिन उन्द्रांच्य से उचन अन्तरण लिक्ति। में बाम्नविक हम से किंगत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण संहद्ध किसी भाग भी बाबल, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के काणित्व में कभी अन्तरे या उससे बचने में मिविधा भी लिए; साहि, बा
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय अध्यक्त आंगिनयम. 1022 (1922 का १११ या अन्य अधिकार प्राप्त अधिकार प्राप्त अधिकार प्राप्त अधिकार अधिकार प्राप्त अधिकार अधिकार अस्ति उत्तर प्रकट सदी किया गया था या किया जाता चाहिए था. जिलाने में स्विधा के निरं

वतः वयः, उवत अधिनिधम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मो, उवत अधिनियम का धारा 269-५ का लभाग (1) के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों, अधीत् :—
3—266 GI/86

मैसर्य निर्माण एसोसियट,
 40-41 विज्ञान णाणिम, सेटर,
 स० एम० बी० रोड, अन्धरी,
 बम्बई।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती पिकी नाग,
 89/7 प्राप्त की II,
 भेन न, जिनके पलैटम कुर्ली (ई),
 अम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्यांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर श्रुप्ता की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्रांक्नियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध दिली अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्टीकरण:--इसमें प्रवृक्त सब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के लध्याय ?0-व में परिभाषित ह", वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

जैना कि रजिस्होक्कत क 37 ईडी/10796/85-86 जो फरवरी 86 को उड़ायर प्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण स्रर्जन केंग्र पना के दफ्ता में लिखा गया है ०

> ग्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी पहासक क्रायकर क्रायुक्त (निरक्षिण) क्रजीन रेंज, पूना

नारीख। 11-4-1986 मोहर:

प्ररूप बाई ुटी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 27 फ॰वरी, 1986

मं० 37 ईई/7207/85-86:—यतः मुझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल, 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषक बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या श्राफिस नंज 4, हीरामोती बिल्डिंग मायानगरी कीश्रापरेटिव हासिंग सामारटी लिंज 619, सदा शिव पेट पूना—30 (क्षेत्रफल 800 चींज फूट) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभुची में श्रीप पूर्ण का से विणा है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेजि, में, रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रूयमान प्रतिफल ये लिए उन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिता बाजार मूल्य, उसके द्रूयमान प्रतिफल से एसे द्रूयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के टायित्य में कमी करने या उसमें अचने में स्विधा के िलग्; बीर/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) दे प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ष व्यक्तियों. अर्थात :— श्रीमनी व्ही० सी० अग्रवाल श्रीर श्रन्य 999/मी पंचीपेठ, पुना ।

(ग्रन्धरक)

2. श्री राक्कुनार पी० नेवार्न। श्री४ अन्य 9/162 मोरा सांसायटी शंकरपेठ रोड, पुना-37 ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अध्यारण जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

ज़ैना कि रजिस्ट्रीकृत क मं० 37ईई/7207/85-86 जो फ वरा, 1986 को सहायह स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रजेन रिंच पुता के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी महायः यायकर प्रायुक्त निरीक्षण य्रजीन रेज, पूना

वार्षितः 27--2-1986

माहर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर बरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतव, सहायक बायकर बाय्यत (निर्देशक)

अर्जन रेंज पूना,

पूना, दिनांक 18 फरवरी, 1986 निदेश सं० 37 ईई/10792/85−86——य∩: मुझे, अनिल कुमार,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूरुर 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लाट सं० 202, नया सरबोदय फ्लाट नं० 29 की. मेक्टर 4 बमई तथा जो बासी में स्थित हैं (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से विणित हैं रिएस्ट्रिकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन, रेंज तब रिप्स्ट्रिप में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) - के अधीन, तारीक फरवरी, 1986

को प्रोंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्निरत को गई है और मृत्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उरुके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरितों (अन्तरितयों) से बीच एसे बन्तरण के लिए तय वाबा गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्बोध्य से उन्तर जन्तरण विवास की वास्तरिक क्य से कथित नहीं किया ग्वा है 2—

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी-बाय की बावत, जकत जिमित्रक के अभीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कमी करने वा उक्कर बचने में बृतिधा के लिए, और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना थाहिए था, छिपाने से स्विधा के शिष्टु;

शवः तय, ३५% अधिनियम की भाए 269-ग की समृत्यस्य की, वी, उपन स्विभियम की भारा 269-म की सम्बर्ध (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीन,

1. मैसर्स गृह बिल्डर्स 40-41 विणाल णापिग सेन्टर सर एम० वी० रोड, अन्धेरी (ई०), वम्बई।

(अन्तरक)

श्री क्रिलोक सिंह,
 ई०-2/5, सेक्टर 5, वासी,
 नई बम्सई।

(अन्तरिती)

कां यह पूजना भारी कर्यके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्वन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वासीप है-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की स्वधि या तत्सम्बन्धी स्वक्तियाँ दर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त झरी हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वत्सियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीव के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पाक निसित में किए जा सकोंगे।

(वास्त्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त जिभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

अनुस्ची

जैसा कि राजिस्ट्रीकृत अ० 37 ईई/10792/85-86 जो फरवरी, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार, स**क्षम प्राधिकारी,** महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

ਨਾਰੀ**ਭਾ: 18-2-19**86

प्ररूप बार्च .टी .एन .एस .======

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-1, दिनांक 10 फरवरी 1986

निवेश सं० 37ईई | 6834 | 85-86--यत: मुझे, श्रांनिल कुमार, बावक ह बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें स्थान परमात् 'त्रक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की पार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्धास करने का कारण हैं कि स्थावर स्थाति, विसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या आफिस नं 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14 श्रीर 15, पहला सजता, अरोड़ा टावर्स, 9, मोलंदिन, रोड, पूना (क्षेत्रफल 11000 की फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूक्ती में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, सब रिजस्ट्रीर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उपनत बाबार मून्य से कम के अध्यक्षन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का जावित बाजार बूक्य, अबके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधिक त्यां किया गया है:---

- (क) बन्तरण से ह्यू किसी बाव की बावत, उक्त बिधिवदम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किन। असा था या किया जाना आहिए था, किया स्वां स्वां स्वां

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अथोतः :—

 मैसर्स शन्त प्रभोटर्स मानेक हाल 2 इस्ट स्ट्रीट, पूना।

कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. मैसर्स पीयरलेस जनरल फायनन्स एण्ड इनवेस्टमेट कम्पनी लि० पीयरलेस भवन 3 एसपलेण्ड (ई)

(अन्तरितो)

को वह बुवना वारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वृत्ति में विक् कार्यवाहियां कारता हुं।

बक्द दुम्बरित के सूर्वन के बंबंध में कोई भी नाक्षेत्र 🖦

- (क) इत त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्थानितयों पर श्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाविसयों में से किसी स्थानिस द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्थ किसी अन्य न्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये वा सकेंगे।

स्थाब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस मुख्याय में विशा

मन्त्रची

जैसा कि रिकस्ट्रीकृत सं० 37ईई/6834/85-86 जो फरवरी, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल **कुमार,** सक्ष**म प्राधिकारी,** महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

नारीख: 10-2-1986

प्रकर बार्द से हो है प्रश्न पुर्व है अल्ला

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) से अधीन सूचना

बाइच् ब्राम्स

कार्यासव, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, पूना

पूना , दिनांक 3 फरवरी 1986 नि**र्देश सं**० 37ईई/10220/85--86:----यन मुझे, अनिल

कुमार, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाग 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्नीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 54, मॅक्टर 17 मान विजय प्लाट नं० ई-7 डरी मंजिल वसई (क्षेवफल 750 चौं० फुट) है तथा जो बम्बई में स्थित है और इसस उपा-बद्ध अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से बीणते हैं), रिष्ट्रिक्ती अधिकारी के कार्यालय, प्रहायक शायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के टिणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपोत्त का उचित बाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वातिए वा, कियान में श्रींच्या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :— । मिङ्लान्डमः, प्लाट नं० 54, सेक्टर 17, बसई, नई बम्बई।

(अन्तरक)

2 श्रीमती लेट्टी <mark>डिसौ</mark>जा, 73/2610 तिलक नगर, चेम्बूर, बम्बई।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्वशाहियां करटो हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ब्रिंधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाइत;
- (ब) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त करूरी और पर्वोका, को उसक विभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्सूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकुन कर 37ईई/10220/85-86 जो दिसम्बर, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूनाके दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार (सक्षम प्राधिकारी) सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण श्रजंन रोंज, पूना

ता**री**ख: 3-2-1985

प्रकृष बाह् हु टाँडा पुराह प्रस्त अस्तरकार

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुखना

भारत वर्षात

कार्याक्रम, सहायक बाबकार बायुक्त (निर्देखक)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना,1 दिनांक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37 जी/552/85-86--अतः मुझे, अनिल कुमार, बायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके परचात् 'उक्त निर्मानयम' कहा गंधा हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का आरण है कि स्थानर तस्यति, जिसका उचित्त बाधार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लाट नं० 2, सर्वे० नं० 16 हिस्मा नं० 4, नवछर स्थित ता० वसई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम को क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विक्वास करने का कारण है कि वभापूर्वोंकर संपत्ति का अचित बाबार बृस्स, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से विभक्ष है और वह कि अंदरक (अंदरकाँ) और अंदरिती दिती (अन्तरितिकाँ) को बीच एसे बन्दरच को लिए तब पावा नया प्रतिकल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित को वास्त्रविक कम से कांच्य नहीं किया गया है ——

- (क) कल्डरक ते हुई कियों नाम की बावसा, अवस प्रक्रियम को वर्षीय कर योगे औं सम्बद्ध में बार्गियस में कमी कड़ने या सबसे बचने में सुविधा में सिष्टु महि/बा
- (भ) देशी किसी आयु वा किसी थन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए मा कियाने में सुविधा के सिए;

चताः क्य, उक्त कािपायम का भारा 269-म को वनुसरण को, को, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिनित व्यक्तियों, जबति र--- ा जनीदन वामन पाटिल एण्ड अन्य, जीवनबाई जी पटेल, दीवानमन, बसई जिला थाना।

(अन्तरक)

2, मैसर्स विश्वकर्मा नगर विश्वकर्मा निवास स्टेशन रोड, बसई (डब्ल्यू०) जिला थाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बार्डी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यशाहियां करता हुई।

इवट सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई ग्री काश्रेष ब---

- (क) इस स्वया के राजवन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर धूचना की हामीस से 30 दिन की जविध, को भी जविध बाद में समान्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से सिक्षी व्यक्ति द्वास;
- (व), इन स्वान के सम्बद्ध में प्रकाशन की दारीक वं 45 दिन के भीतर उक्त स्वानर सम्पत्ति में द्वितनव्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए वा सर्वीये।

स्यव्यक्तिकरणः ---- इसमें अयुक्त क्षव्यों और पदों का, को अवश्य निधिनियम के अध्याय 20-क में पीर्अक्षेत्रस है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

ज्युपी

जैसा की रिजस्ट्रीकृत के सं. 37जी'/|552/85-86 जो सब रिजस्ट्रार बसई के आफिस में फरवरी, 86 को लिखा गया है।

> अनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज, पूना

तारीख: 18-2-1986

मोहरः

प्ररूप **भार्ध**्दी . एन<u>.</u> एस-------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुक्रमा

भारत सहकार

कार्यासव, सहायक मायकर जायूनत (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पुना, 1 दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/764/85-86--यतः मुझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवास 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की जार 269-स के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० सी० टी० एस० नं० 1251/ए, म्युनिसिपल कमेटी नं० 780/ए, गायछनी लेन रिवबारपेट नासिक है तथा जो नाणिक में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिलस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तद्व प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया अधा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, जायकर जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री नीलकंष्ठ वासुदेव सहशबुध 780/ए गायधनी लेन नासिक।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय एन० कांबेल, हाऊम नं० 727 शांता निवास, रविवारपैठ नामिक ।

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क । लए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्स सम्बक्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी नाक्षेप ::---

- (क), इश्व स्वापा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताथील से 30 दिन की अविध, खे भी अविध को साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिक द्वारा;
- (श) इस सृष्यता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के गाव विकित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----श्कमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त् व्हौं अनित्रम के अध्याय 20-क मं परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है.ध

erred.

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/764/85-86 जो फरवरी 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पून_,

दिनांक 31-3-1986 मोहर:

प्रकृत कार्यः की प्रताप्रका

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) भे बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 1 अप्रैल 1986

निर्देश सं० 37ईई/7731/85-86—यतः मुझें, अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्म्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-इ को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 414, गुलमोहर अपार्टमेंट उपा कोअपरेटिव हाऊसिंग मोसायटी लि० 2420 जनप्ल निमय्या रोड
पूना-1 (क्षेत्रफल 1088 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है
(ग्रीर इसमें उपाबंब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण ध्य से विणित
है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राहायक आयकर
आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के अध्यक्षाम प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते मह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार ब्रूब्स, उसके बरसमान प्रतिपक्ष से, एसे बरसमान प्रतिपक्ष का बल्क्स प्रतिवति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब बाबा गया प्रतिपक्ष, निम्नलिखित उद्देष्य से उस्त अन्तरण विश्वित में नाक्तिकृत क्ष्म से किया नहीं किया नदा है हिन्स

- (क) बन्तरण ते हुए किसी आव की, बन्तर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के बिहु; खीर/वा
- (क) देती किसी थान या किसी थन ना अन्य जास्तियों को किन्द्रे भारतीय जायकर सिधनिनम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिमिनियम, या धन-कर अधिनिनम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या सा सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृतिथा शिक्षरः

अतः वन, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती बीना मूल चयनानी 97 मीरा सीसायटी शंकरपेट रोड, पूना। (ध्रन्तरक)
- (2) कैण्टन बहादुर निरमन कितना ग्रार अन्य, साकट व्हीला 1980 कान्व्हेन्ट स्ट्रीट, पूना-1। (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सञ्चन्ध में काहि भी आक्रोप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीक कें
 45 दिन की अविधि या तत्सीवीभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो नी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हुवास;
- (च) इसस्चना के राजवन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्य किसी अन्य व्यक्ति स्थाय अधोहस्ताक्षरी के एरेंच लिखत में किए जा सकरेंगे।

ध्याः श्लीकरण : — इतमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, को उचक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ण होना को उस वध्याय में दिवा क्या है □

अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि० 37ईई/7731/85-86 जो फरवरी 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कृमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 1-4-1986

प्ररूप बार्च ्टी ् एन ु एस्, =======

भागफर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थान

मारत सहस्रोह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, विनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/7070/85-86--यतः मुझे, अनिल भगरः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिब्रका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रह. ते अधिक है

स्रोर जिसकी संव सर्वे नव 26 लाट नंव 133, सीव टीव सर्वे नंव 600 कोथ रूड पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रातिफल, निम्नीलिखित उच्चेष्य से उसत अन्तरण निचित में सास्तिक रूप से कियात नहीं किया गया है है—

- (क) शंतरण सं हुई किसी बाय की बाबसं, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतुरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कवः उक्त अधिनियम का भारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) में मधीनः निम्नितिवित व्यक्तियाँ, अथित ७ ≈ 4—266 GI/86 (1) श्रोमती विमलाबाई जगन्नाथ वाणी, 1009/3 चतुःशुंगी रोड, पूना-16।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स गुरव एन्टरप्राईजेस, 212/43 पी० एम० सी० कालोनी गोखले नगर, पुना-16।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जनत सम्पत्ति भी वर्णन् की सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप हुन्त-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायीन से 30 दिन की जबधि, को भी जब्दी वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विक् के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुष्ट किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थलाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह वाधिनियम: के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा वो उस अध्याम में दिया गया है।

मनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/7070/85-86 जो फरवरी 1986 को सहायक आयकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रंज पूना के दपतर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 31-3-1986

प्रकप आहें, टी, एन, एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलार बंगलीर, दिनांक 22 अगस्त 1986

निर्देश सं० डी० आर० 1194/37ईई---यतः मुझे, प्रार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव चलका नवा 1, 2 थ्री 7 3 है कथा जो बेड़ फारिया रोड, मडगांव गोवा में स्थित है (श्रीर इससे जाबाढ विसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिलांक 20 जनवरी 1986

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य उसके दृश्यमान प्रतिकत से, एसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्दोश्य सं उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक इप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क), बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उनका विभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा क निए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी घन या अन्य आस्तिका की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—— (1) श्री जोर श्रोर जोस फर्नाडीय कोस्टा श्रीर श्रोरलेडी श्रतीनीयो डा कोस्टा मेट्रोपोल सिनेमा के पास, मडगांत्र, गोवा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ग्रुप कांस्ट्रक्शन कं ०, नं ० ३, डॉ॰ एल० कोटा किल्डिंग, जे० बी० स्टोसं के पास, माला (फाल्न्टेन्स) पणजी, गोबा-403001 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील गे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिशकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी० श्राप्त 1194 ता० 20—1—86) सब संपत्ति रिजिस्ट्रोक्टन नं० 9805, चलता नं० 1, 2 श्रीर 3, बी० टी० शीट नं० 20%, जोकि अबाडे फटोया रोड, मङ्गाव, गोआ में हैं।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 22-8-1986

माहर:

प्ररूप आर्थः टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज, बंगलीर बंगलीर, दिनाक 22 अगस्त 1986

निर्देण सं० डी० आर० 1173—-यतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० चयाना नं० 45, स्वतंव पठन, वासको-डी-गामा, गोवा में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावत अनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्म में वर्णित है, रिक्स्ट्रीकक्त अधिकारी के कार्यालय बंगलीर में रिक्स्ट्रीकरण अधिनियम 1978 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 जनवरी, 1986

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल को लिए अंतरिस की गृह है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेद्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिक रूप से कृश्यत नहीं किया गया है अन्तरक स्प से कृश्यत नहीं किया गया है

- (क) अंतरक से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अस: अव, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मो. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) जी अभे वास्को--डा-सिसबीका डकोस्ट कोलाको अभि दूर्व भार, वास्को--ड-गामा ।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल एका विस्हार, 210, गांविया विस्डिंग, एउए रोष्ट्र, पशकों, गोंवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स ते 45** दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, **जो भी अविधि बाद** में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्ष) इस सूचर के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में विया गया हो।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डो० आर० 1173 ता० 2-1-86) सब संपत्ति जिपके चलता तं० 45, पी० टी० शीट त० 19, एरिया 940 वर्गसीटर वास्को-डी-गामा गोवा में हैं।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

बिनांक: 22-8-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---- -

»।जंकर केथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अंगलीर

बंगलौर, दिनांक 25 अगस्त 1986

निर्देश सं० डी० आर० 1292/37ईई—यतः मुझे, आर० भारक्षाज,

शायकर आधिक्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने की धारण है कि स्थानर सम्मत्ति, विसंका उचित्त बाजार सून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० प्ताट नं० बी-12 है तथा जो ला मारबेल काम्पसुक्स, डोना-फाल गोवा में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विण्य है), रजिस्ट्रीकर्सा अधि-कारी के कार्यालय बंगलीर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 जनवरी 1986

ी प्रजित्त तथ्यत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को स्थवाय शैतफल को लिए बंतरित की गई है और नुभी यह विश्वास करने का कारण है कि मधाप्रजेंकत सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसि स्थ्यमान प्रतिफल का असह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (बंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण को निए तय पाया क्या शैत्कल, पिस्नितियां उन्हें स्थाप संस्था बन्तरण है हिन्दिय में बास्त्विक रूप से कथित बहुते किया क्या है है—

- (क) वॅररण से हुए किसी नाथ की बावस्त, छक्त क्ष्मिन विवस की नभीन कर दोने की जंतरक की समिल्य की करी करने वा उससे वचने की सुविधा की हिंत्स; और/दा
- (क) एसी किसी जान या किसी भन वा जम्म शास्त्रिकों की विन्हें भारतीय नायकर निभिन्नय, 1922 (1922 को 11) वा उस्त विश्वित्यम, वा धन-कर अभिन्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोचनार्थ जैतरिती हुनारा प्रकट नहीं किया प्रवा था वा निजय जाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

बतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ∷—

- (1) श्री सूभाष देसाई, 6वां जुन्ता श्रौस, पणजी-गोवा । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मीरा बैलूर बी-12, ला माखेल डोना-फाल गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के हाधपण में प्रकाशन की तारीं हैं
 45 दिन की बनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र
 सूचना की तामील से 30 दिन की बनिथ, जो भी
 सनिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतद पूर्वोक्स
 स्वित्वों में से किसी स्वस्ति दनारा
- (क) क्ष स्थान के सावपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास किवित में किए वा क्केंगे

स्वप्रक्षित्रमः — इसमें प्रयुक्त सम्बं श्रीह पदों का, यो उपन विभिन्नियम के अध्याद 20-क में परिशादित ही, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याद में दिवा नवा ही।

वपृत्र्भी

(दस्तावेज सं० डी० आर० 1292 ता० 8—1—86) जिसका खाली जगहभाँ र बिल्डिंग नं० नी—12, क्याबो राज निवास, ला भारवेल काम्पलैंक्स, डोना—फाल पणजी—गोवा।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

दिमांक: 25-8-1986

मोष्टर:

प्रारूप आहें दी एम एएस अञ्चलकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/80/86-87-धतः स्को,बो० एल० खन्नी,

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 28 कनाल, 7 मरला भूमि, गांव कनेहर्इ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 16 जवनरी 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान शतिज्ञल के लिए अन्तरित की गई और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकृत, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है 8—

- (क) बन्तरक से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबिक्च से कमी कुड़ने या उससे बज़ने में सुविधा की ज़िए; आदि/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तिरती चुणारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना भाहिए था, जिपान में सुनिधा चैं बिहा

जताः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-य के अनुसरक में., में, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) है अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु ह—- (1) श्री लक्ष्मी चन्द पुत्र फूल सिंह, निवासी-गांध कन हेई, जिला गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज देहली टावर्स एस्टेट 115 श्रंमल भवन, 16 कस्तूरक्षा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह भूषना आपी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्तः सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जासेप हु---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विषय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रमुक्त कक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा वसा है।

अनुस्ची

सम्पत्ति 28 कनाल, 7 मरला जो गांव कनहेई (गुड़गांव) में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय; गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 6183 दिलांक 16-1-1986 पर दिया है।

> बी० एल० **खती,** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 29-8-1986

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनयू करनाल/192/85-86--अतः मुझे, बी० एल० खत्नी,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारभ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँग जिनकी सं० 47 बीघा, 1 बिस्या भूमि, गांव-कम्बोहपुरा में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबब अनुसूची में ग्राँग पूर्ण रूप से वाणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, करताल में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 20 जनवरी 1986

को पूर्वेक्ति सम्पित्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के रूपमान्न प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जर: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन - न्यनिशिश्वत व्यक्तिसयों - अर्थात् :--- (1) श्रीमती ईगरो देवी पुत्री श्री जीगराम निवासी धानोरा, तहसील-शुरूक्षेत्र ।

(अन्तरक)

(2) ज्ञान सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह, भेर सिंह पुत्र श्री लच्छा, निवासी सूभाष गेट, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 47 बीघा, 1 बिस्वा जो कि कम्बोह्युरा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्री संख्या 4255 दिनांक 20-1-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 29-8-1986

प्ररूप बाह्र<u>ं, टौ. एन . एस .</u>------

नायकरं निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) को बधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, र**ो**हतक

रोहनक, दिनांक 29 अगस्त 1986

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/61/86—87/— अतः मुझे, बी० एल० खली,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

क्रीर जिसकी सं० 35 कताल 16 मरला भूमि, गांव चौम स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 20 जनवरी 1986

को प्रांवित सम्पत्ति के उचित बाजार स्टब से कम के ज्यबाद प्रतिफरण के लिए अन्तरित की गर्द हैं और म्हों यह विश्वास करने का कारण हैं कि मंगाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्न्य, इसकें क्ष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिकत का पंछा प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्बरितियाँ) के बीच एसे सन्तरक के सिए एस पाश कप प्रतिकत , जिम्नितिसित उद्देश्य से उच्छ बन्तरम् जिस्ति में वास्नविक रूप में कमित वहाँ किया गया हैं :----

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: जब. उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) सर्वश्री राम सरूप, बलवन्त पुत्नान श्री रिसपाल सिह निवासी करतारपूरी ।

(अन्तरक)

(2) मैं सर्ज श्रंसल हाउसिंग फाइनैंस एण्ड लिजिंग कम्पनी, 115 श्रंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

सम्पत्ति 35 कनाल 16 मरला जो गांव चौमा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 6227 दिनांक 20-1-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खक्की सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 29-8-1986 मो**हर**ः

प्रकृषा है <u>. हो . एन . ए। स</u>्रा

कायकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के संभीत सुमान

भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 जुलाई 1986 निवेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू० सिवानी/1/85-86/---अतः, मुझे, बी० एल० छक्षी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिगकी सं० 28 बीघा, 16 बिस्था (कच्चा) भूमि, गांव तोशाम रोड़, भिवानी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवानी में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 2 जनवरी, 1986

को प्रवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कंथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाक की बाबक, सबक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1 श्री उमेद सिंह पुत्र श्री खेता राम,
 - 2ूँ श्रीमती राज कौर पत्नी श्री उमेद सिंह, निवासी गांव झोंपा खुर्द ।

(अन्तरक)

(2) दी सिवानी आटोमोबाईल कोआपरेटिव हाउस विल्डिग सोसायटी लिमिटेड, सिवानी ।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकींगे।

स्वयाकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्यों और पर्यों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नपृत्रकी

सम्पत्ति 28 बीघा, 16 बिस्वा जो गांव सिवानी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, सिवानी में रिस्जिट्री संख्या 1334 दिनांक 2-1-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 22-7-1986 मोहर

प्रकार कार्यः हो। इत्। एकः

बायकार विभिन्नम्, 1961 (1961 का 43) हो। भारत 269-म (1) के बभीन सुम्रना

PICE SECTION

कार्यात्तव, सहावक बाल्यार व्यक्तक (विर्वाक्त)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/करनाल/194/195/ 85-86/---अतः मुझें, बी० एल० खन्नी,

काबकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 32 बीधा 14/1/2 बिस्वा, करनाल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय अध्यकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 29 जनवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उचित बाजार मृस्ता से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित्स का उचित बाजार मृस्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से ए'से द्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण सिचित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) कलारण वे हुन्द्री किसी आच की नावत, उपल अभिनियम के अभीन कर दोने के जलारक के दायित्व मे कभी करने वा उच्च वचने में सुविवा के सिए; जरि/या
- (क) एोती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अख-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री धर्मवीर पुत्र श्री नारायणदास निवासी, ए-52, कीर्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम मधोक विधवा श्री बहादुर घन्द श्री रोहित मधीक पुरु श्री बहादुरघन्द, निवासी 13/676, अरवन एस्टेट, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह भूजभा भारी करके प्यामित संपरित के कर्जन के जिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्मित्त के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासीप्रान्न

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 जिले की जनकि या सरसम्बंधी व्यक्तियों एक स्थान की तानील से 30 दिन की नविधा, भी भी कर्मीय बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रजित्त अधिकारों में से किसी व्यक्ति हवाराह
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उनत भावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्म स्मित व्यारा त्रभाहस्ताकरी वी पास निस्ता में जिए हा सकों ने।

स्मध्दीकरण : इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, को उक्क अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति 32 बीघा 14/1/2 विस्वा जो भूमि करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्वा 1355 व 4356 दिनांक 29-1-86 पर हिया है।

बी० एक्ष० खक्की सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहरूक

दिनांक 12-8-1986 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) को ब्योन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर जागुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, रोहरूक

रोहतक, दिनांक 23 जुलाई 1986

निर्देश सं ० आई० ए० सी०/एऋयू०/पानीपन/108/85—86—— अत:, मुझे, बी० एल० खबी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रांर जिल्लि सं 164 कताल, 15 मरला भूमि, गांव कचरौली में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबड अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में विणित हैं) रिज्म्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, पानिपत में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 27 जनवरी 1986।

को प्रोंक्त संपत्ति के उचित बाचार स्त्य से कह के क्रयंशंक्र प्रतिफल के निए कलारित की गई है और ब्रुक्ते बहु विकास करने का कारण ही कि संशोप्वेंक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार स्वयं, उसके उध्यमन प्रतिफल में, एमें क्रयमान प्रतिफल का पदह प्रतिकार से अधिक हो कीर अन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के चिच एमें अन्तर्भ के लिए तम पाम गम प्रतिकास निकासिकार उक्षेप से उक्त अन्तर्भ विकास में बास्तरिकार के से किया नहीं किया कथा है।

- (क) अन्तारण से हुन्दै किसी बाय की बावस, उक्ट अभिनियम में अभीत कर दोने के अन्तर्क में शावित्य में कर्मी करूने या उससे बजने में स्विधा के जिए; बॉड/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बच्च आरितयाँ कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयासनार्थ बन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया साना साहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री अर्जन देव, श्री नीति सैन पुत्र श्री रामिकणन श्री प्रेम कुमार, श्री जनवन्त राय पुत्रान श्री राम किणन, श्री पवन कुमार, श्री पवन पुत्रान श्री प्रेम कुमार, निवासी 48 माडल टाऊन, पानीपन ।

(अन्तरक)

(2) श्री जसबोर सिंह, श्री बलबीर सिंह श्री होशियार सिंह, गुरचरन सिंह पुत्रान श्री गुरदीप सिंह, निवासी पट्टी इन्सार (अब, गांव नूरवाला तहसील पानीपत) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विश्व की व्यक्ति या तत्संवंधी व्यक्तियाँ पर स्वता की तासील से 30 विश्व की व्यक्ति, वो औं व्यक्ति या में से समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि विकास में व्यक्ति वा स्थीन।

स्वकाविष्णः—-इसमें प्रमुख्य बन्दों और प्यों का, याँ वर्षः, स्विधिमधन के वश्याय 20-व ने परिजापिक है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 164 कनाल, 15 मरला जो गांव कचरौली (पानीपत) में स्थित है जिसका अधिव विवरण रिजस्ट्रीक्सा क हार्वित्य, गानीपत में रिजस्ट्री संख्या 5465 दिनांक 27—1— 1986 पर दिया है।

> . बी० एल० छन्नी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिणिक व्यक्तियों, अर्थाह

दिनांक । 23-7-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर, 1986

मं ० 2363/ए माँ एक्यू/आर-III/कल/86-87 --- यतः गायेनः

1.00,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संख्या । ए और । सी हैं तथा जो वालगंज जारकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससंउपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप स विणित हैं), रिजिस्ट्रीकत्ती अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण अधिकारम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1986 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिकल, मिन्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिकल कप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अतरण स हुए किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के िण्यु; और/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अत: वज, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण भा, भा, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीहा निम्नलिखित व्यक्तिसर्थों, स्वर्थात् ध्र— 1 इन्दास टामिनस लिमिटेड

(अस्तरक)

जगदीशाद्र चन तलवार एवं अन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके गूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र ं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

ण्लाट नम्बर 49, तिनमल्ला प्रेमिसस, नम्बर 1ए भीर 1 सा, वालीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता, मक्षम प्राधिकारी, के पास 6-1-86 तारीख में रिजस्टर्ड हुआ।

> आई० के० गायेंन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निराक्षण) अर्जनरेंज, कलकत्ता

नारीखः 11-9-1986 मो**हर**ः अक्य बाह् - दौ : प्र : प्स : : : : :

1, श्री घनश्याम दास भगत चेरिट ट्रस्ट।

(अन्तरक)

2. सैलजा पोद्दार एवं अन्य।

(अन्तरिती)

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूजना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायक्त (निराक्षक)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1986

सं० 2364/ए सी० क्यू/आर-Ⅲ/कल/86-87 ---यतः मुझे, आई० के० गायेन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें श्विक वश्यात रंजक अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

स्रीय जिसकी संख्या 12 ए हैं तथा जो नेताजी सुभाव रोड, कलकत्ता-1 में स्थित हैं स्रीय इसमें उपाबद्ध अनुसूर्वा में, श्रीय पूर्ण रूप से वणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय संव रव एव कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 25-1-1986

की पृषीका सम्पहित की उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्ययनान प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए स्य पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उस्ं प से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनयन के अधीत कर यन के बन्तरक के यो यह में कमी करने या उनसे बजर मा शावधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य लास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयुक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा से सिए;

क्षतः का, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की वनुब्रक मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थात :--- को मह सूचना आदी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिध कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन की अविध या तत्साध्वनभी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, को हों
 अविध बाद में समाप्य होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (स) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की बारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोक्तरणः -इसमें प्रयुक्त कम्बों और पर्वों का, जो उच्छ अभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता को उस मध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

आफिस एम० नम्बर 13, एरिया, 2605 वर्गफुट, प्रेमिसस नम्बर 12 ए नेताजी सूभाष रोड, कलकता-1 स० र० ए० कलकत्ता के पास 25-1-1986 तारीख में राजस्टर्ड हुआ।

दलील संख्या I 1330।

आ**६० के० गायेन,** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलक**रा**।

नारीख: 11-9-1986

मोहरः

अस्ति अत्ति वृद्धि वार्षः वृद्धि । वार्षः व

भायकर विविवयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बरं, 1983

निदेश सं ० 2365/ए सी ० क्यू/ाय-111/नाय/86-87 — यत: मुझे, आई० के० गायेत.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 (किस इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की आरा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जितकी संख्या 43/1 है तथा जो एटेण मित्र रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्ध अनुसूच में श्रीर, पूर्ण रूप स विणत है), रिज्ट्रिक्ति शिध्य रोके कायालय स० र० ए, कलकत्ता में, रिज्ट्रिक्टण शिश्य राज्य स० र० ए, कलकत्ता में, रिज्ट्रिक्टण शिश्य राज्य स० १० ए, कलकत्ता में, रिज्ट्रिक्टण शिश्य राज्य स० १० ए, कलकत्ता में, रिज्ट्रिक्टण शिश्य राज्य स० १० १० को विज्ञात सामित के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्य मान शितफान के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य उसके रायमान प्रतिकास से एमें क्ष्म थान शिवर का प्रतिकास स्था प्रतिकास से एमें क्ष्म थान शिवर के सीर अंतरिकों (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिल्ह स्थ प्राप्त करा प्रतिकार का तिविच्या परित्र से उस्तर का निव्य परित्र का सिव्य परित्र का सिव्य से उस्तर का सिव्य परित्र का सिव्य का सिव्य परित्र का सिव्य का सिव्य परित्र का सिव्य का सि

- (क) एसी किसी माम या किसी धन या अध्य जारें स्तर्जों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, वा प्याप्त अधिनियम, वा प्याप्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विज्या गया वा या किया अस्त चाजिए था, किया वे व्हितन

क्षप्त अभ, उक्त अधिनिष्ध की घटर 269-म थैं। वस्ताप्त में, में, उस्त अधिनियम की घारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिनिषक स्पन्तियों, अर्थात :--- 1 श्री एनेंद्र कुमार वसाक

(अन्तरक)

2. श्री मलय कुमार बानाजी

(अन्तरिती)

को वह तुकता कारी करके पृत्तीयत खम्मास्त के वर्षन के विह

वक्त सम्परित के वर्षन के सत्मनभ में कोई भी नामेप:---

- (क) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अस्थ किसी अन्य न्यक्ति दहाश, अभोहस्ताक्षरी के पास जासा मा भेड़ाए जा भारती है।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होरा जो उस अध्याय में िया गया है।

अनुस्ची

चारतल्ला प्रका बाड़ी, एरिया 2000 वर्ग फुट, प्रेमिसेस नम्बर 43/1, रमेश मित्र रोड, कलकत्ता-251 स र ए कलकत्ता के पात 29-1-1986 वारोख में रिजस्टर्ड हुआ। दलील संख्या 1/1381

आई० के० **गायेन,** स**क्षम प्राधिकारी,** ाहायक आयकर आयुक्त, **(निरीक्षीण)** अर्जन रेज, कलकता

तारीख: 11-9-1986

माहर:

इस्म बाइ है टी एक एक

नारकर विधितियम, 1961 (1961 का 48) की भारा 269-ए (1) के बभीए स्पना

साउँत करकार

कार्वालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकस्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1986

सं ० 2366/ए सी क्यू/आर-III/कल/86-87 ---यत: मुझो, आई० के० गायेन,

बायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परशात् 'जनत मधिनियम' कहा नका हैं), की शास 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 17 हैतथा जो बादिगजपार्क, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मे० र०ए कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाचार मूल्य से कम के दश्यमान शक्षिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का जाजित बाजार शुक्य, उसके दर्यमान प्रतिफान से, एसे दर्यमान प्रतिफान का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्र) और अंतरिती (कल्परिक्षियों) के बीम एंचे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रविपन, निम्नकिषिय स्पूर्यस्य हे उच्छ बन्तरम् सिक्टिंह हैं। बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया भूग 💕 🎘----

- (क) नंतरम से शुद्ध किसी भाग की बाबत , बच्छ विधिनिवन के बचीन कहा बने के बंदहरू के शासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में विद; मीर∕ना
- (क) एंडी किसी नाम या किसी पन या नम्य नारिस्टमॉ को, जिन्हीं भारतीय भायकार अधिर्गनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त आधिनयन, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) ह प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाला चाहिए था, क्रियाने में त्रिया of Pages

अस: गव, उक्त गाँभविवम की भारा 269-ग के बनुसरण , में , दक्त मधिनियम की भारा 269-य की वस्पारा (1) वर्धानः निम्निविद्यं स्वविद्यमेतः वर्णेन् ४---

1. श्री मुनिल क्मार झा

(अन्तरक)

2 किरत गोपाल बागरिया एवं अन्य

(अन्तरिती)

को वह सूचना बादी कारके पूर्वोक्त बन्दील की वर्षन के किए कार्यवाद्वियां करता हुं।

उन्ह सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कीई नी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की बामीस से 30 दिन की नविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्ट व्यक्तिमां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (थ) इस बूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति बुबारा बभोद्वस्ताक्षरी के पास सिवित में विये वा सकीने।

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित 3°, व**ड**ि अर्थ होगा, जो उस अध्यास में किया गया है।

अनुसूची

प्रेमिसेस नम्बर 10 बालिगजपार्क, कलकत्ता जमिन 211 काठा स र ए कलकत्ता के पास 30-1-1986 तारीख में रजिस्टर्षे हुआ।

दलील संख्या I 1502।

आई० के० गायेन. सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकला

गारीच: 11~9-1986

हाकप कार्षे दी. यन एस.....

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन चुच्या

भाग[[[--वण्ड 1]

बाइट स्टब्सी

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1986

सं० सं० 2367/ए० मी० क्यू आ7र-III/कल/86-87-- यतः मुझें, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित जिसका उचित नाजार मूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 8 ए /1 ए हैं, तथा जो लिना राम मिरन, कलकत्ता में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, से रूप के कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्रीख 11-1-1986 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित भाषार मून्य से क्रम के दरवजान शितफल के लिए अन्तरित मी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उपित बाबार मून्य, उसके दरवजान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे जन्तरल के निय उप वयाया क्या प्रतिफल, निम्नीविधित उपवेदाय से उपन कन्तरण विधित वासतिक रूप से कथित नहीं किया गया है हैं—

- (क) बलाइण वे हुई कियो बाव की बावस_{ा।} अनव विध-दिनयम के अधीय कर दोने के बलाइक के दावित्य में कती करने या उत्तरों वचने में सुविधा के लिए: बार्/का
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य जास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर जिपिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपक्त जिपिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंदारा प्रकट नहीं किया बाब वा वा दिया जाना चाहिए था, कियाने में स्विका के किए।

कत:, धव, उक्त अधिनिधम की भारा 269-व को अनुसरक मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह---

1. श्री दिनेन्द्र नाथ बनाजी,

(अन्तरक)

23557

2 रोड्कम प्रापर्टीम प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह स्कार कारी कारको पूर्वोक्त संघीत को अर्थन को तिस् कार्यशाहियां सुरू करता हूं।

<u>ಾರ್ಟ್ ಸಾಮ್ರಾಪ್ರದಲ್ಲಿ ಸರ್ವಜನಿಗಳು</u> ಬಿಲ್ಲವಾಗಿ ಸಾವಿಗಳು ಆ ಇಥಾಗುವರ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस न्यान में हाकपन में प्रकाबन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नव्धि, को भी व्यक्ति या में बनाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व स्थित में के किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्स में हित-वद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए वा सकेंगे.

स्वच्छीकरण : ---इसमें प्रयक्त शब्दों जीर पदी का., श्री उपर जिथितियम, के नभ्याय 20-क में प्रिशाधित हैं, वहीं वर्थ तृष्टि को उस सभ्याय में दिया वना हैं।

अनुसूची

प्रेमिसस नम्बर 8 ए/ 1 ए लिना राय सरीम, कलकत्ता एरिया, 17 काठा 13 छटांक।

स० र०ए कलकत्ता के पास 11-1-86 तारीख में रिजस्टर्ड हुआ।

दलील संख्या 1 509

आई० के० गायेन, नक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकक्ता

तारीखः: 11-9-1986

मोहर

१५५ वार्ष्ट्री <u>। एक् प्रकारतम्</u>याप्तरस्य

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में अधीन स्वना

सारव सङ्ग्राह

कार्यासम, सहायक सायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 11 मिनम्बर, 1986

मं० 2368/ए सी० क्यू/आर-III/कल/86-87 —यनः महो, आई० के० गायेन,

ह्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रु. स आधक ह

श्रीर जिसकी मंख्या पी-17 ए हैं तथा जो आशुतोप जीधरी
एमेनिई, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इपके उपाबद्ध अनुमूची
में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत हैं), रिक्ट्रिक्ती अधिकारी के
कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिक्ट्रिक्ती अधिकारी के
1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीक 6-1-1986
को क्वॉफ्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के करमान
श्रीतफ स के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार
मृत्य, अमके दृश्यमान प्रतिफत्त से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
करहा प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और
वन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय
वावा गया प्रतिफत्त, निम्निचित उद्वरिय से उपत अन्तरच सिचित में बास्तविक क्य के कथित नहीं किया गया है के----

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाष की बावत, उनत सीध-निवंध के अधीन कार दोने के बन्तरक की वार्थित में कभी कारने वा असने बचने में सुविधा के जिए: और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रेकट नहीं किया गया था, या किया जाना शाहिए था, खिपाने में स्विधा के निए;

क्षप्त: कव, अक्त अधिकियम की भारा 269-व की अन्तरूप वी, मी उपक्ष मधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीक् :--- मनदीकम बिल्डर्म लिमिटेड।

(अन्तरकः)

2. श्री अर्णाक कुमार अग्रवाल।

(अस्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति व अर्थन के तिथ कार्यवाहियां करता हुं।

क्षम् वस्तृतित् के मुर्चन् के कुम्बुन्द् में कोर्ड् ही ब्राक्ट्रेश==

- (क) इस सूचना के ताबपन में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी क्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तित में हित-बद्ध किसी खन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के ास निवित में किए वा सकींगे।

रनव्यक्तिरण'--इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदीं का, वो अक्ट्र विभिनियम के विभाग 20-क में परिकारिक्ट इं, यही वर्ष होगा वो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

यूनिट नम्बर 4 सी, पाचमाला, प्रेमिसास नम्बरपी-17ए आणुतोष चौधरी एमेनिई कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 6-1-1986 तारीख में रिजिस्टई हुआ।

> आई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकक्ता

तारीख: 11-9-1986

मोहर 😘

त्रक्य बाह्", डी. एवं. एवं.------

नाथक उन्निधित्यन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन नुवना

लाइवं बच्चाइ

कार्यास्त्र , बहायक बायकार बायक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकता, दिनांक 10 सितम्बर 1986

सं० ए सी--47/आर-III/कल/86--87 --यमः मुझे, आई० के० गोयन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है . क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 8 हैं तथा जो राजा सन्तोष रोड, कललक्षा-28 स्थित हैं (श्रीर इससे उपावढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1986

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रियिक्त के सिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वाम करने का कारण हैं कि स्थाप्वेवित सम्पत्ति का उचित नावार मृस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिमत से अधिक हैं और संतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नसिवत उव्वर्ध से उक्त नम्तरण मिन्निक में बास्तविक क्य में कथित महाँ किया नवा है हिल्ल

- (क) अन्तरण के शुर्भ जिल्ली भाग की नावस, उन्तर अभिनिष्त्र के स्पीन कर दोने के वंदहरू के वाज्यित में कृती करने ना उन्तर नचने में सुनिया के सिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, धिन्ह आरतीय नावकर निवित्तयम, 1922 (1922 का 11) या जकत निर्मित्यम, या चन-कर निवित्तयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नेतिरती नृतारा प्रकट नहीं किया गर्मा था वा किया नाना चाहिए था, स्थितने में मितिया से सिए:

ज्ञाः अच्, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) रे सकीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :— 6—266 GI/86 1. रेनोकस कमश्चियल लिए।

(भ्रन्तरक)

2. न्यू टेक० रोलग मैनु० एवं प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुजना जारी करके पूर्वीयस सम्मत्ति के मर्जन के सिय् कार्यवादियां सुरू करता हूँ।

सक्त सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और जविधि कार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवान्त;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृद्ध किसी व्यक्तिय ब्वारा, नभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च क्षिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम के दिसा सक्ष्म हो :

अनुसुची

2294 धर्ग फुट० अवस्थित 8, राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता-28।

> आई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-II, कलकत्ता

तारीख: 10-9-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आम'कर आर्थिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकसा

कलकता, दिनांक 10 सितम्बर 1986

मं० ए सी० 48/ग्रान-III/कल/86-87 ---यत्: मुझे, आर्थ्व० के० गायेन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 8 है, तथा जो राजा सन्तीय रोड, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वणित हैं), रिज्ञिट्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-9-1986

को पूर्विका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्ठिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में काम्तिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में काम्तिकल क्या से कथित नहीं किया गया है अन्तरण

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बतः बंब, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, भैं, जन्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- रेनोकस कमिश्रयल लि०।

(अन्त रका)

2 पियुन भारतीय एवं अन्य ।

(अक्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विद्या गया है।

and the

2298 वर्ग फुट फ्लैट नं० 3 की 8, राजा सन्तोष रंडि, कलकत्ता-26 पर अवस्थित।

> आई० के० गायन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कसकत्ता

नारीख: 11 9-1986

सक्य भारी, दी, इस्त एक ह ----

बायकड विभिनियक, 196% हैं कि 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर वायुक्त (निर्यक्षाण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 सिक्षम्बर 1986

स॰ ए सी०-49 /आर-UI/कल/86-87 --- यतः मुझे, आई० के० गायेन,

नायकर बॉधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसके प्रचात 'उक्त अधिक्षियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से बिधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 8 है तथा जो राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण ध्य से विषय हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, राजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 8-9-1986

का प्वांचित संपत्ति के उपित बाधार मृस्य ते कम चै अवसाप प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंचित संपत्ति का उनित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्मह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे बल्चण के लिए तय धामा गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उप्देक से उनत अन्तरम किश्वित में नास्तविक रूप से कथित नहीं बि. गया है:—

- (क) अन्तर्भ से हुइ किसी नाव की नावत, अक्ष अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए: और/वा
- ंश) एती किसी जाम या किसी थण या अस्य मास्तियों करे, जिन्हें भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिल्ला,

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण री, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1 रेनोनम कामणियल लि०।

(अन्तरक)

2 की महाबीर प्रसाद अग्रवाल एवं अन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह बुधना बाड़ी करके पुत्रों का स्थारत से अर्थन से जिए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

बत्रत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कींद्र भी शाक्षेत्र ह—-

- (क) इस सूचर, % राज्यक में प्रकाशन की तारींत सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में त्रकावन की तारीब स 45 विन के श्रीतर उसत स्थान पंपतिः में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए वा संकर्षः।

न्यत्वीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्योका, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाशिक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा नक्ष हैं।

अम्स्सी

2294 वर्ग फुट नं 5 ए, 5वी मंजिल, 8, राजा सन्तोष पार्क, कलकत्ता-27 ।

> आई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I, कलकत्ता

नारीख: 10-9-1986

मोहर 🖟

प्ररूप आहें, की, एन, एस, जनवर जनव

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रापकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1986

सं० ए०स्ट्रें० 55/आर-II/कल/86-87 — यतः मुझे, आई० के० गायेन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1000,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 8 है तथा जो राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से बणित है), रिजिट्टीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी मे, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-9-1986

की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम हितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का फारण है कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अव्हेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप सं किभत नहीं किया ज्या है:—

- (क) अभ्यारण से झुई फिजी आम की बावका, उनका अभिपासियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

न्तः सम, अपतः अधिनियम की भारा 269-ग के बनुस्सम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 रेनोकस कमशियस लि०।

(अन्तरक)

2 विनोद अग्रवाल एवं अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन को जिल्ह कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के मर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगर जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्ची

2294 वर्गफ्ट, नं० 5 ए, 5वीं मंजिल 8, राजा रोड, कलकत्ता-।

> आई० के सक्षम प्र सहायक भायकर आयुक्त (नि अर्जन रेंज-11,

नागेखा: 10-9-1986

भक्ष नार्दि ट्री. एन ु एस ु ह-----

भायक दुर्वाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के मधीन स्थना

भारत सरकार

कामलिय, सहायक भायकर भायकत निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 सितम्बर 1986

सं **ए** सी ० - 45/आ र-111कल/ 86-87 - - यत्: म्हो, आई० के० गायेत,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके पश्चात 'उक्त अ**धिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के मधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह निश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ**ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या हैं तथा जो 10/1/ई/डी०एच० रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसले उपायट अनुसुधी में श्रीर, पूर्ण रूप से वीणत हैं) शीजस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, शास्त्रं काण दाधिकियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, कारीख 8-9-1986

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य, उसके एश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्ति (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया नवा प्रतिकल, जिन्नसिनित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है ध---

- (क) मन्तरण से हर्र्ड किसी बाव की बाबत , उक्त विभिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक भी दामित्व में कामी करने या उत्तरी वचने में सनिधा चे किए∦ जॉर∕या
- (ब) एसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य अास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिविधम, या धनकर **मॅभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-**मार्थ अंतरिती वुनारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया प्राप्ता चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ा ग्रीनवित्र होस्डिंग प्रा० लिए।

(अन्तरक)

2 शंकर लाल भंबर एवं अन्य

(अन्तरिती)

को धहस्यना जारी करके पर्योक्त सम्पन्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुर्ने ।

उथा सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचनाकौँत।मील सं 30 दिन की अवधि, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्वाना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वतः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समाह ी।

अनसमी

2649 বৰ্ণ দুতে (61 ম'লিল) 10/1/ই, ভীতিত্বত रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

> आई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज ^{II} कलकत्ता

नारीख: 4-9-1986

मोहर

प्रकप काइ ै, टौ. एस , एस , ⊬----

नायकर सीधीनवस, 1961 (1961 को 43) की भाष 269-व (1) के नथीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालयः, सहायक नायकार नायक्त (निहाक्षान)

अजंन रेंज-3, धरधई

बम्बई, दिनांक 19 अगस्य 1986

सं० अई-3/37जी/2778/85-86---अतः सुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अग्रंद जिसकी संख्या सब प्लाट ए 1(2) प्लाट (ए) का हिस्सा, सर्वे० नं० 217 (पी०), रालाड (पूर्व) बम्बई- 64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, तारीख 22-1-1986

का पृत्रांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्मह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :——

- [क) संध्राण सं हुई किसी बाय की बाबला उपस् मधिनियम के अधीन कर दोने के मन्तरक अ बाबिस्व में कमी करने या उससे ब्चने में मुजिशा अ लिए; बार/या
- (वा) ऐसी किसी जार्व या किसी भन या जन्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविका वै नियः

बंत अंबर्ग, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए की अनुकरण भार मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वं वधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, जर्मात अ

- 1 असिमनोर हवेनकोरम रियल इन्टेटस डेब्हलपर्स युनिक इन्टेटस टेब्हलपर्स कम्पनी लिमिटेड । (अन्तरक)
- 2 मालाड गत्यम को०आपरेटिव हार्जीसग सांसायटी लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन औं सिय कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सुम्परितु को मूर्जनु को संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी अपनित द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधिहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्या

मझ प्लाट नं० ए-1-(2), प्लाट का हिस्सा, सर्वे नं० 217 (पि०), मालाड (पूर्व), बम्बई--64। अनुसूचो जैसा कि विलेख सं० एस-2867/85 फ्रौर जो

अनुसुची जसा कि विलेख स० एम-2867/85 श्रीर जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 22-1-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸3, बम्बई

विनोंक: 19~8-1986

प्रकप बार्च . ट्री. एस , एस , ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 ग्रगस्त 1986

ए० प्रमाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' फहा गया है), को धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जमीन का हिस्सा, देवधार में, तालुका कुर्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत श्रमसुधी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ता श्रधि गरी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-1-1986

की प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रयकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिर्द्धाम करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी नाम या किसी भन या नाम सास्तियों की जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तस अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था. जिलाने वं स्तिभः औं निष्धः

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उत्तम अधिनियम की धारा 269-घ ती उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 1. थो कुन्दनमल चूनी लाल णाह।

(ग्रन्तरक)

 शाहा इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस कारपोरेशन सोसायटी लिमिटेड।

(ग्रन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वै वर्णन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जन्म संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन की अवधि या सर्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वे त्रिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभेहरसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अपध्याकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्वो का, वा उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा देवनार में, ताल्का कुलौं, जिला बम्बई, बेग्ररिंग प्लाट नं० 10-वी, (पी), एस० नं० 26, (पी०), एस० नं० 27 ई, हिस्सा नं० 1(पी०), देवनार, वम्बई है।

अनुसुची जैमा कि विलेख सं० एस-1220/79 और जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 29-1-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज∽3, बस्बई

दिनांक: 19-8-1986

प्रस्त्य आईं. टी. एन. एस.-----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के ब्लीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 अगस्त 1986

सं० ऋई-3/47ईई/28164/85-86:-- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीर सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या हाउमरं० 10, भारत तीर्थ की-ग्रापरेटिव हाउपिंग सो नायटी लिमिटेड, 409/410 सायन ट्राम्बे रोड, चेंम्बूर, वम्बई-71 में स्थित है (ग्रीर इमसे उपावेद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 द, ख के दर्धन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, सारीख 1-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, एसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्न प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और लंत-दिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मितिष्त उच्चेष्य से उक्त अंतरण निष्तित कें बास्तिष्क रूप से कथित नहीं किया गया है क्षेत्र

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त वीधिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए: क्रीक्र/पर
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था विद्या जन्म चाहियेथा, स्थिएन के स्विधा के निष्

मतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:- () श्री भोलानाथ और ग्रन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ग्ररूणा शर्मा ग्रीर ग्रन्थ

(अन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 1

- (क) इस सूचना के राज्यमा में प्रकाबन की तारीं व से 45 दिन की अविभ दा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की बविभ, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पड्डीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, को उस अध्याय में दिया गण हैं:

अमृसूची

हाउस नं० 10, भारत तीर्थ को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोनायटी लिमिटेड 409/410 सायन ट्राम्बे रोड, चेम्बूर, बम्बई-71।

ग्रनुसूची जैया कि क सं० ग्राई-3/37ईई/28164/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1986 को रिभस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 18-8-1986

प्रकप नाह⁴ु टों_ड एन_ड पुरु ्----

बावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर मायुक्त (निरुक्षिण)

प्रजीन रॉज⊷3, ब∓बई

बम्बई, दिनांक 18 श्रगस्त 1986

र्म० श्रई-3/37ईई/28140/85-86:--श्रतः मझे, ए० प्रमाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत सिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या हाउस नं० 30, भारत तीर्थ को-न्नापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सायत ट्रार्थ रोड, खेस्बूर, बस्बई-71 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रनस की में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्री है सारीख 1~1-1986।

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रायमाध्य प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास्य करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिक्षत से अधिक है और बंतरिक (जंतरकों) और बंतरितों (जन्तिपतिकों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्षत , निम्नीसिचित उच्चेद्रिय से उच्च अन्तरण लिखित में बास्यिक रूप से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ **दायित्य में कमी कड़ने या उससे इचने मे** सृविधा में लिए; और/मा
- (व) एसे किसी आय या किसी अन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा बाहिए था, छिपाने में मुविधा खें लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अल्पेग, जिल्लीनिक्त व्यक्तिकों, स्पात रूप 7 —266 GI/86 श्री एन० विश्वनाथन।

(ग्रन्तरक)

😩 श्री एस० संथनाम।

(भ्रन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ट---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीख़ से 30 दिन की अविधि, जो और सविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हित- कृष्ण किसी व्यक्ति स्थान्य सम्पत्ति में हित- कृष्ण किसी व्यक्ति स्थान्य सम्पत्ति में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एका हैं।

नगर भी

हाउस नं० 30, भारत तीर्थ को-प्रापरेटिव हाउमिग सोनायटो लिमिटेड, सायन ट्राम्बे रोड, चेम्बूर, बम्बई-71। ग्रत्सूची जैसा कि फ मं० श्रई-3/37ईई/28140/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी, सहायक सायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) ऋजीन रोज-3,बम्बई

दिनांक: 18-8-1986

प्रकल वार्षा, टी. एन. **एव**. ५ ० ०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 2,69-ष (1) के अधीन स्थना

(ग्रन्तरक)

उमराबचन्द एम० मण्डेवा।

1. श्री शाम राव सुकाराम चव्हाण।

(भ्रन्तिंगती)

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक बाबकार बायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जान रेंज---3, बगवाई

बम्बई, दिनांक 18 श्रगस्त 1986

सं० प्रई-3/37ईई/28072/85-86:-- **ग्रत:** मुझे, प्रमाद,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इत्रथके पदचासु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इत के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने **का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उजित बाजार मूल्य** 1,00,000/- रह. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या जमीन का हिस्सा जिसका एस० नं० 44, सिटी सर्वे० नं० 2, धारावी मड, मालाड (पण्चिम) अम्बद्ध में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1986 करो पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम को प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करनं का कारण है कि यभाप्वंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, ऐसे धरयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकत से अधिक है[†] और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिकियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पविफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निक्रित 🔻 त्रास्त्रीयक ¥य संकथित न**ही** किया गया है:---

- (क) ब्लारण से हुई किसी जान की बाबत, मिथिनियम के मधीन कर दोने के अन्तारक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्भ हरूने में नृविधा को लिए; बॉर/या
- (त्र) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियः को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम द: धनकःश **वर्रभनियम**, 1957 (1957 का 27) के प्ररोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया भयाथा बा **किया जाना चाहिए था छि**याने में स्विधा के जिल,

अतः ।।।।।। उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को लभीनं, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के विषय कार्यवाहियां करता हुं।

द्वारा सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी जन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो स्वव अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका एस० नं० 44, सिटी सर्वे नं० 2, धारावी मड मालाड (पण्चिम), बम्बई। ग्रन्**सूची जै**सा कि ऋ सं० भ्राई – 3/37ई ई/28072/85 – 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-

1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्ष (निरीक्षण) श्चर्जन रोज~3, बम्बई

दिनांक: 18-8-1986

प्रकथ बाह् : दी . एव . एस .. अन्यनना

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 18 ग्रगस्त 1986

निर्देश सं० ग्रई-3/37ई\$/27711/85-86:—-ग्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आहल है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबाद मूल्य (,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या बैंक प्रिमायसंस 1, विग-1 ग्रीर ए-2, ग्राडण फ्लोडर, सिटी सर्वे नं० 1253, कांजूर विलेग, तालुका कुर्ला, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रीधीन बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1986

को प्रवेशक सम्पत्ति के उचित बाबार मृन्य से कम के प्रवमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त संपत्ति का उचित बाबार बृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे व्ययमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंदारिती (बंदारितियों) के बीच के एसे जन्तरण के किए तब पाया गया प्रतिफाल, निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उसचे बचने में नावश खेलिए; धाँद्र/या
- (वा) एंसी किसी आय या किसी धन या कम्य जास्तियी की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की अभेजनार्थ जन्दियों बुवारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिशा खें बिका!

शत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरक में, में, अक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तिस्यों, अर्थात् ः—— 1. श्री लगल चन्द्र एस० सिंग ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

्2. मैसर्स जे० के० सिंग फैमिली ट्रस्ट।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारों करके पूर्वोक्त संपरित के कर्चन के किए कार्यवाहियां करता होता.

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस त्यमा के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविभि या तत्सविभी व्यक्तियों पर क्यां की ताशील से 30 दिन की वर्तीय, को औं अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के वास जिला में किए जा सकीन।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, को उन्स्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविर है, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिवल गया है।

मन्सूनी

बैंक प्रिमायसेस 1 विग-1 श्रीर ए-2, ग्राण्ड फ्लोर, सिटी सर्वे सं० 1263, कांजर विलेज नालुका कुर्सा।

श्रनसूची जैसा कि कि० सं० 3/37ईई/27711/85-86 ग्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायकृत (निरक्षिण) ग्राजंन रोज-3, बम्बई

विनांक: 18-8-1986

प्ररूप आहें...... एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज~3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 श्रगस्त, 1986 निर्देश मं॰ श्रई-3/37ईई/28036/85-86-श्रतः, मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट जिसका सर्वे० नं० 96, एस० नं० 2 (श्रंश) श्रीर सी० टी० एस० नं० 42 (श्रंश) 44, डी० पी० रोड, खरोड़ी विलंज, मालवाणी मालाड बम्बई-95 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रार पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्लार मूल्य से कम के ख्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सथ पाया गया बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आं भानियम के अभीन कर देने के मंत्ररक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जय, उक्त विभिनियम, कौ धारा 269-ग वै वन्सरव गें, में, तक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1 मैसर्म मोदी बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स इलाईट बिल्डम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध हो कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसुची

प्लाट जिमका सर्वे० नं० 96, एस० नं० 2 (ग्रंण), सी० टी० एस० नं० 42 (ग्रंश), 44, डी० पी० रोड, खरोडी विलेज, मालवानी, मालाड, बम्बई—95 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/28036/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

विनोक: 18-8-1986

प्ररूप आहें हो . एन . एव . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम्, सञ्चामक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जान रेंज-3, बस्वई बस्बई, दिनांक 18 श्रगस्त, 1986 निर्देशसं० श्रर्ध-3/37ईई/27708/85-86--ग्रतः, मुझे, प्रसाद.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रं. सं मधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 14 श्रीर 19, जो, शंकर
छाया, 19, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई—77
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण ख्प
से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम
1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार
मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च देया से खक्त अन्तरण लिखित
में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में किसी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; अरि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी धन या अन्य जास्तिवाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए:

अतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखिए व्यक्तियों, अभीत् :---

- गंकर छाया को-ग्राप हाउसिंग सोसायटी लि०। (ग्रन्तरक)
- श्री प्रवीण ए० कोठारी ग्राँप ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के बर्णन के संबंध में काई भी वाझेए:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाडा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरणः इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्बर्धा

फ्लैंट नं० 14 श्रीर 19, जो, मंकर छाया, 19, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई--77 में स्थित हैं।

अन्सूची जैमा कि कि नं अई-3/37ई5/27708/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकरी यहायक आयक्त (निरीक्षण) अजन रेज-3, बस्बई

दिनांकः 18-8-1986

अवस्था अस्ति की वृत्ति स्थाप करणा

1. श्री अजीत प्रेम जी भीर अन्य।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार सी० जैन।

(भ्रन्तरिता)

बावकर विधिवयम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) से वधीन भूवना सारक प्रस्कार

कार्याचन, शहायचा नामनार बायुक्त (निर्दोक्तन)

स्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 श्रगस्त, 1986 निर्दोण सं० स्रई-3/37ईई/27576/85-86--- श्रत:,मुझे, ए० प्रसाद,

श्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार भूज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

मीर जिसकी संख्या मगान को तालमालेकर, इमान्त हर श्रान् प्रारंभिट्, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विणा है), मीर जिमका करारनामा मामकर महिन्म 1961 की धारा 269 के, ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राप्त को कार्यालय में रिजस्ट्री है, तार्र ख 1-1-1986 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पर्यमान मितक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंकत सम्पत्ति का उपित घाणार मृत्य, ससक सम्पान प्रतिकत से, ऐसे दश्यमान प्रतिकत के पंदह मित्र स मितक है और मंतरक (मंतरकों) और अंतरिती (जंतरितयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत, निम्निसित उद्योग्य से उक्त बंदरण विश्वत में बास्तीयक क्य से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) बन्तरण ते हुइं किसी शाय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दों के अन्तरक के दायित्य में केसी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (व) एसी किसी याय या किसी भन या वस्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति स्थिनियम, या धनकर विभिन्नियम, या धनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरशी ब्वाय प्रकट नहीं किया गया या वा किया वाता वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्जनाहियां करता हूं।

उपल संपत्ति को मर्चन को संबंध वो कोई भी बार्का ५---

- (क) ध्रस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी शविष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुतार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उत्रस स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी कम्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थळकिरणः — इसमें प्रमुक्त शक्यों और पवों का, को उच्छ अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

ग्रनुसूची

बुकान जो तल मालेपर, इमारत उदय भान धपार्टमेंटम, प्लाट नं० 4, स्कीम नं० 18, किरोल, मी० टी० एस० नं० 4815 से 4816, एम० जी० रोड, धाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रतसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37ईई/27576/85-86 थो<math>r जो पक्षप पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1

ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी, गहाय*६* श्रायकर श्रायक्षम (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज—3,**बम्ब**ई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण कें, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म

दिनांक: 18-8-1986

मीहरः

प्रस्य नाही, टी. एन. एस. बन्न-

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-খ (1) के अधीन मुचना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नामक्त (निर्द्रीकण)

श्चर्जन हैंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 अगस्त, 1986

निर्देश मं० श्रई—3/37ईई/27834/85—86——श्रत-, मुझे-ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मंख्या जमीन का हिस्सा, जिसका मर्वे० नं० 175, एच० नं० 1, मी० टी० एम० नं० 7251, विलेज कोले कल्याण, बम्बई में स्थित है श्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है),श्रौर जिसका करारनामा श्रायक स्थितियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई रजिस्ट्री है, नारीख 1-1-1986

को प्योंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफें यह विश्वास करने का कारण है कि अवाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूका, उसके कवमान प्रतिक्षा से, एसे क्ष्यमान प्रतिक्षा का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रति-कृत निक्मीलिस्त उद्देश्य से उक्त बंतरण निक्सित में वास्त्विक क्ष्य में कथित नहीं किया ज्या है हिल्ल

- (क) अन्वरण में हुई किसी नाम की बाबत, उक्त जिथिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्य में कमी करने या उससे वचने में पविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) हासी किसी बाव या किसी धन या बन्य कास्तिय। को, विन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया कामा चाहिए था कियाने में स्विधा अंतिहः

कतः वस, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के बनुबर्ग के, में, सक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वभीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों संख्यीत :---- 1. श्री के० एम० भद्री ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० गोल्ड स्टार कन्स्ट्रक्णन कम्पनी प्रा० लि०। (श्रन्तिरती)

की वह त्वना बारी करके पूर्वेक्त सम्मरित के वर्षन के सिष्ध कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन की जबिंध मा तरसम्बन्धी न्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और संविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस कृषना के राजपत्र में प्रकानन की तारीब सै 45 दिन के भीतर उनन स्थानर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्लाक्षरी के पाद निवित में किए वा सकोंगे।

त्यध्वीकरणः इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वनसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 175, एच० नं० 1, सी० टी० एस० नं० 7251, विलेग कोले कल्याण, अम्बद्ध में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37ईई/27834/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 1-1-1986 को रिनस्टई किया गया है।

ए० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष (निरीक्षण), श्राचीन रेकि-3, बस्बई

दिनोक्तः 18-8-1986

प्रकृप मार्च, टी. एन. एस., - - -

नायकर विभिन्धिन्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 न्(1) के वभीन स्वना

भारत चरकार

कार्यालय, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 श्रगस्त, 1986 निर्देश सं०श्चई-3/37ईई/28109/85~86—स्त्रनः, मुझे, ए० प्रसाद,

शायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परकात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के वभीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी संख्या कर्माणयल यूनिट नं० ए, ग्राण्ड फ्लीग्रर, नील तण्ठ श्रानन्द बिफिदग, एम० जी० रोड, बैंक श्राफ इण्डिया के सामने, घाटकोपर (पिष्चम), बम्बई-86 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, नारीख 1-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप कम दे किथा नहीं किशा न्या है ——

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त निधिनवानु के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. नीर/वा
- [क) ऐती किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तिओं का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियानं में सविधा के सिए;

श्रातः वया, उनतः विधिनियम की धारा 269-ग में धनस्र का वी, ही, अकत विधिनियम की धारा 269-म की उत्पर्ण (1) के अधीन, निम्निलिखित ध्यक्तियों, अधितः :---

मैसर्म श्री० जी० कन्स्ट्रक्शन कम्पर्ना।

(ग्रन्तरक)

2. दि डेक्शन मर्चेस्ट्म को-ध्रापरेटिय बैंक लिमिटेड) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की ताभील स 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अय व्यक्ति द्वारा अशोहस्साधारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहा अर्थ हागा, जा उस अध्याय हा दिसा नया है औ

अनुसूची

कर्माणयल यूनिट नं० ए, ग्राउन्ड फ्लोर, निलकन्ठ ग्रानन्द बिल्डिंग, एम० जी० रोड, बैंक ग्राफ इण्डिया के सामने, घाटकोपर (पिष्चम), बम्बई-86।

स्रतसूची जैमा कि कर सं शई-3/37ईई/28109/805-86 सीर जो मक्षम प्राधिकारी नम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेजि–3, बम्बई

दिनोंक: 18-8-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 स्रगस्त, 1986 हिन्द्र हिन्द्र हिन्द्र मिन्द्र मंद्र स्थापित स्थापित

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी संख्या जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे० नं० 197, मी० टी० एस० नं० 195, 196 श्रोर 198 श्रीर 204, सर्वे० नं० 21, एच० नं० 2, मीजे मण्डपेण्वर, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन वम्बई स्थित नक्षत प्राधि जरी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, नारीख 2-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शम्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की गारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उत्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, जिल्लिकिक व्यक्तियां, अर्थात् :—— 8—266 GI/86 1. श्री विजय ग्रार० कारंथ।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स शिवश्री कन्स्ट्रकशन्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के वृर्वन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

नन्स्ची

जमीन का हिस्सा, सर्वे नं० 197, मी० टी० एस० नं० 195, 196, 198 क्रींग 204, सर्वे० नं० 21, एच० नं० 2, मोजे मण्डपेश्वर, बांग्विली (प०), बस्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० मं० अई-4/37ईई/24624/85-86 घोर जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1985 को रिजिस्टई विया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 19-8-1986

CONTRACTOR OF THE SECOND CONTRACTOR OF THE SEC

480 218 . 21. 42. 44.

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त (1) के अधीन सुचना

बार्न सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर लाय्कत (निरक्षिण)

ग्रजीन रेज-1, तम्बर्ट वम्बई, दिनां हु 19 ग्रगर्प, 1986 तिदेश मं० ग्रई-4/37ईई/24882/85-84-97 पुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अभिनियम, 1961 (1965 का 23) जिले इसमें इसकों पश्चात् 'उक्त अधिनियम'. बह्म ग्रंथा के प्रिंगित करें भार 269-मा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिलका उपन्त करना कारण गुल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं।

ग्रीर जिपकी तंथा। हमीन माहिस्मा किया सर्वे नं 168, एच जं 10, सिंह हो। एम नं 24:5, जो, सिंव बल्लभ रोड, दिहसर (पूर्व), दम्लई-68 में रिश्त है (ग्री) इसे उपाबद्ध अनुसूची में कोर पूर्ण रूप में चित्र। हैं), क्री जिमका करारनामा याप में ग्रीपियम 1961 की धारा 269 क, खो ग्रावीन वस्त्रई स्थित सक्षम प्राधि गरी के लायांलय में रिकस्ट्री है, तारीख 2-12-1985

का पृथींकल सम्मणि हो उचित वादार मृत्य सं भाम है कारता प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच संये अन्तरण हो जिन तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसत उद्देश्य से उसत अन्तरण सिस्त में वास्तविक रूप से कथिस नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप को शासत उकत अधि-नियम के अधीन कार होने के बानाया हो बालिया में कमी करने या सामाग्री हमने को पूर्णिया को जिल अरि/इ.
- (ख) ग्रेसी किसी बाय या किसी भागा बस्य अस्तिगी का, जिल्हा उन के का ना किसी भागा कार्य अस्तिगी का कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य का का कार्य का का कार्य का का कार्य का का कार्य का का कार्य का का कार्य का

हत: अब., उवत अधिनियम की धारा 260-ग हो जन्मरण हो, मी उत्त अधिनियम की धारा 260-थ भी उपभाग (भी के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

বিষয় বি০ হালসির্গনিত ক্রাই ক্সবয়।

(प्रवरक)

2 मेंनन र्वर का प्राचीता

(प्रन्तिनी)

को यह गृहका जारी करने पूर्वीयत भग्गीन के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हु ।

उक्त सम्बोत्त की अर्जन के सम्बन्ध मा कार्य भी मार्श्वप :---

- (क) इस स्वता के राजपन भे प्रकाशन की तारींब हैं 45 पिन की अवधि या नत्यम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि स्पद में समाज होती हों. के भीतर पूर्वोक्ट निकास में में भिना का विज्ञान नवास;
- (क) इस स्वतः की गावपण में प्रकाशन को तारी स 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य बर्विस द्वारा समाह ताक्षरी के स्व १९७० में कि १९ १९६ थे।

स्पद्धीकारण:—-इस : प्रमृतन नाव्दा घीर पद्धी का, जा उक्त करिश्वियम ने अध्यार 20-क में यथा गरिशाणिक हाँ, वहां अर्थ होता जह सक्षाय में दिसा गया जी।

अन्स् धौ

जमीन ा हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 169, एव० नं० 10, सी० टी० एग० नं० 2315, भी, णिवा बालस रोड, इहित्र (भवं), बागई ६६ से स्थि हो।

सन्कृता जी । । । क० २० महिन्य/37ईरे/24882/85— ८३ मारा ना चम वास्ति। अग्हें झाना विकार 2−12— 85 को प्रामिश्हें रिका ग्रा है।

> लक्ष्मण दास, गलम श्राध ारी, गलाय- स्राप्तार स्राप्त्यत (निरीक्षण) सन्तर रोज-4, बम्बई

दिपांचा 19-8-1986 माहर प्ररूप आइरे. टी. एन. एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 19 श्रगस्त 1986

निदेण मं० श्रर्ध-4/37ईई/24623/85-86-- श्रत: गुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं 198, सी विटार एम विच् 197, 209, 186 श्रीर 204, हिस्सा नं 2, सर्वे नं 21, मीजे मण्डपेश्वर बोरिवली (प) बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुभूची में श्रीर पूर्णक्य से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 2-12-1985,

को प्रवेदित संस्थित के उधित बाजार मृत्य से जन के क्ष्यमान अधिकार के जिल् अन्तरित की गई है बाँए मृक्ते यह निवसक कर्म का कारण है कि बयापूर्वोक्स सम्पर्सित का उधित बाजार क्ष्य, उपने क्ष्यकाम असिकार है, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का प्रवृद्ध प्रतिकार के विषय क्ष्य क्ष्यका प्रतिकार का प्रवृद्ध प्रतिकार से अधिक है बीच अंतरक (अंतरकों) मीर अंतरिक (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गंधा प्रतिकार, निक्तिलिक उप्योग से उस्त अन्तरण निविक में भारतिका रूप से कायत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों अते, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध्य के जिय;

बता अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के के अधीन, निम्नितिश्चित व्यक्तियों. अर्थात ॥——

- (1) श्रीमित चाईए कार्थ स्रीर प्रन्य।
- (भ्रन्तरक).
- (2) मेसमं शिवश्री कन्स्ट्रक्शन्स।

(श्रन्तरिती)

ा बहु स्चना अपुत करकं प्यासित सम्मरित से वर्णन क लिए कार्यवाहिया करता हो।

उबर सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (श) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच के 42 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान जिस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकारणः --वसमा प्रमुक्त काद्यों कीर वहीं स्मा, का जनस जिमिनसम का अध्यास 20-का में परिभाषित ही, यहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया गया ही क

अन्स्ची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 198, सी०टी०एस० नं० 200, 197, 196 और 186 और 204, एच० नं० 2, सर्वे नं० 21, मौजे मण्डोप्रवर, बोरविली (प), बम्बई में स्थित हैं। ग्राम्भूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/377ईई/24623/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, बम्बई

तारी**ख** : 19-8-1986

मोहरः

प्रका बाह्री, दी, एक, प्रयोगकान्यकार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मधीन सूचना शास्त्र संस्थात

कार्यात्रय, सहायक भायकर बायुक्त (विद्वाक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 19 श्रगस्त 1986

निदेश सं० अर्ध-4/37ईई/24452/85-86-- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उवत विधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिश्वका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं खुला जमीन जिसका सर्वे नं 100 एच नं 40, मी टी एस नं 1504, जो, एक्सार ब्हिलेंज, बोरिवल्ली (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्णस्प से बिंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 पख के श्रधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिलिस्ट्री है तारीख 2-12-1986 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास फरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) अहर अन्तरित (बंतरितिकों) से बीच एसे अन्तरण से निए तब पाना मुका प्रतिक का बिक्तिबाद स्वरोध से उच्च अन्तरण निवस में पास्त्रिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत नथ, उक्त निधनियम की धारा 269-ग को ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) वे वधीन. रिनम्तिविक स्पवितवाँ, जर्मात के

- (1) श्रीमति जानक बाईएस० पाटिल श्रीर अन्य। (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स लज्जाई बाला बिल्डर्स । (अन्तरिती)

चौ वह यूचना बाड़ी कड़के पृश्वीक्त वस्तीत्व के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मृतित् के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई' भी बाधीय ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन के भीतर चक्छ स्थावर सम्परित में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कं पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्युची

ख्ला जमीन जिसका सर्वे नं० 100, एच० नं० 40, सी०टी० एस० नं० 1504(ग्रींश), जो, एक्सार विलेज, बीरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37ईई/24452/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 2-12-1985को। रिजस्टर्ड विया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायकं ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बबर्म्स

नारीख: 19-8-1986

दस्य भार्षं .टी.एन.एस.

सामकर गाँभनियास, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बबर्म्ड, दिनां ह 12 सितम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/29508ए/85-8स्— ग्रहः मुझे, एन० ग्रहमद,

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रस्मात 'उन्ते अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उवित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सी०टी०एस० नं० 93/ए, 93, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तार्र ख 24-1-1986

प्राधिकार कि कायालय में राजस्ट्रा ह ती र ख 24-1-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम द्रियमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) शस्त्रण है हुई किसी माय की बाजर, उनसे अधितियज्ञ की अधीन कार दोने के बन्तरक में दावित्य में कानी करने या सससे व्यने में मृतिया है (ज्यू) भरि/या
- किसी बाय या किसी धन या अन्य प्रांतिन के की, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 [1922 का 11] वा उत्तर बिधिनियम, या बन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण ग-, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स सालूखे इन्टरप्राईजेज

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स यूनिक डिवलपमेंट कारपोरेशन । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ब्रह्मिं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में फिए जा सकेंगे।

स्पटिशिकरण: - इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सी ०टी ०एस० नं ० 93/ए स्रोर 93 स्रांविवली, दावूद वाग, संधेरी (प), बम्बई-500058 है।

अनुसूची जमा कि क॰ सं॰ अई-2/37ईई/29508ए/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> एन० ग्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, बम्बई

नारीख: 12-9-1986

मोहरः

प्रस्प बद्ध . सी. एव . एस . ------

बायकर अभिनियम, 1981 (1961 का 43) कड़ें भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

क्षास्त्रं ए 📆

कार्यानय, सहायक नायकर पार्यक (निर्धाक)

श्रजीन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांज 12 मितम्बर 1986

निदेश मं॰ ग्रई-2/37ईई/39865/85-86--- ग्रनः मुझे एन० ग्रहमद,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचाए 'उक्स अधिनियम' कहा ग्या हैं), की भाषा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावप सम्पत्ति, जिसका खिलत बाजार मृत्य 1,00,000/- फ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लेंट नं० 8, मोती सागर, णिश्वार्जा पार्क, वस्वई 28 में स्थित हैं (ग्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुमूर्ची में ग्रीर पूर्ण कप से बॉल ते हैं), श्रीर ने जाता जिस्सामा श्रीयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कब के श्रवीत नक्षम श्रीधि हारी कार्यालय में रिवस्ट्रो है तारीख 24-1-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य में कम के क्यमांध्र प्रित्यक्त को सिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह निर्माण करहे का कारण है कि संभापनिकत सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे व्हयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) वार अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिक्ति वो वापतिकन कप से कियत महीं किया गया है है—

- (क) श्राप्तक हो हुई जिसी बाव की बावक, उक्क वाधिजियन के सुधील कार दोने के सम्मुद्धक की शाविश्व को कमी कड़ने वा उक्क क्यूने में सुविधा को सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाव का किसी बाव का अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विभिनियम, या धनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता वाहिए था, जिनाने में बुविधा के किंद;

भता थय, उस्त वीभागियम् साँ भारा 269-ग से समुसरण वी, वी, उस्त अभिगियम् की भारा 269-म साँ उन्धारा (1) के अभीतः निम्तीसीयत व्यक्तियों, वर्षात् १४-० (1) कंशव लाल व्रजलाल श्रोफ।

(श्रन्तरक)

(2) डा० प्रकाश ग्रमुल देसाई।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां सुक करता हुएं ()

الله والمعالمات <u>في حال مايان المهامات على المهامات المستحدد المستحدد المستحدد المستحدد المستحدد الم</u>

दक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वार्क्ष :---

- (क) इस तुमना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन कर्ष जनिए या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पश् स्माना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिए जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृतींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बंद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित इ⁸, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 8, जो, 2री मंजिल, मोती सागर को०ग्राप० हाउनिंग जो नाइटी लि०, 3877, केलूम हररोड, शिवाजी पार्क, बम्बई-28 में स्थित है।

स्रान्सूची जसा कि क्र॰ मं॰ स्रई-2/37ईई/39865/85-86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एन० ग्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राचीन रेज-4, बम्बई

तारीख: 12-8-1986

भोहर 🛭

मुक्षप बाइ' टी॰ एन् एस० -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रधीन स्वना

भारत सरकार

कार्बातयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वस्वई

बम्बई, दिनांक 19 अगस्त, 1936

निदेण सं० अई-2/37ईई/28977/85-36-- अत: मुझे, लक्ष्मण दाम,

माथकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उनत विधिनियम' कक्क गमा हैं), की भाष 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वतस करने का का एक विश्वतस करने का का है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिसकी सं ० पलेट नं ० 1, होली हाँ ए, मान्ताभूज (प) बम्बई-5 में स्थित है (भीर इससे उपाधड़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 2-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करा था कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित कार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप सं कथिक नहीं किया गया है:—

- (क) अप्तरण से हुई किसी जाय की वावस, उपत विध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/बा
- (व) एंसी किसी गाय या किसी धन या अस्य अस्तियों आं जिस्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती वृजारा प्रकट नहीं किसा एया या या किया जाना आहिए था. कियाने के स्विधा से लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, क्रिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुरेश जगदीश भागवी।

(अन्तरक)

(2) श्रं सूरेण ताराचन्द जाधवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खु सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी न से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन का तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहण्ताकरी के पास विक्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लेट नं ० 1 6ठवीं मंजिल, होली हाक, टैगीर रोड, सान्ताऋज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसुचो जैसा की कं० सं० अई-2/37ईई/28977/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारो यस्बई द्वारा दिनांक की 2/1/1986 की रिजल्टर्ड किया गया ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर शयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बम्बई

तारीख: 19-C-198G

प्ररुप आहे हो एव एस ... ----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 वा 33) की धारा 269 ए (1) के अधीन सहारा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ार्जन रेंग, बराई

बम्बई, दिनांक 19 अगरत, 986

निदेश मं० अई-2/37ईं3/28979/85-86---- अत: मुझे. लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहा जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बालार मार्थ 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० पर्लैट नं ० ३, सीधिया, सास्त्रकरा (प.). बाष्यही र १ में स्थित है (श्रीर इससे उपायड़ अनुसूकी में प्रोग पूर्ण हुए अवश्वित है), श्रीर जिसका नारारणामा आयाज्य अधिक्षिम, १९८१ ही धारा 269 कख के अधीन, बम्बई क्थित प्रक्रण प्राधितारी क कार्यालय में रजिस्ट्री है तारील 2-1-1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य में क्ष्म को उपस्थान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह दिस्ताम करने का कारण है कि स्थापवाकित मर्म्मा का उपित तारार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल में, एते दृश्यमान प्रतिफाल को पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक हैं और अंतरक (अंग्रावा) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे संलय्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्रदेश में उन्त अंतरफ कि एसे संस्थित हों बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) उन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिका के किए: और/या
- (ब) एसी किसी आय ता किसी धन ता उपय अजिन्यों को जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, १९८९ (1922 का 11) या उक्त अधिरियम, गा प्रश-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती दुसारा प्रकार उन्हीं किस्त गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में स्थितिक के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा २०९-त के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २०५-त की उपधारा (१) के कीन, नियमिन किलान कर्णिक उपित केल्ल (1) वामिति यीलंबाल कुप्पत ।

(अन्तर्क)

(३) अर्था जानवन्द्र एच० गृष्त क्रोर श्रीमिति मीना डी० गृष्ता ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिह्ये करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की सविध, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध स्थानर अधाहरू अस्य व्यक्ति द्वारा अधाहरू असरी के पास निक्षित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण: -- इरफो प्रयानत शब्दों और वदौं कर जो उनत अधि-िराम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं ० 3, जो 1 लो मंत्रित, सींधिया, जंकगन आफ मेन ग्रोर रेट्रा एकेन्यू, जान्तक्त (प). वस्वई-54 में स्थित है। अनस्की जैना कि कार्कार अई-2/37ईई/28979/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राप्तिकारों, वस्वई द्वारा दिनांक 2-1-1986 की रिजर्ट किया गया है।

> लक्ष्मण दास एक्षम प्राधिकारी नहासक आवकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जनरेंज, बम्बई

तारीकः: 15-5-19**8**6 मीहर

प्रकप कार्यः हो , एनः एसः उन्यापनन्य

(1) जुहु एस्टेट कारपोरेशन

(अन्तरक)

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

(2) श्री एस० विश्वानथन स्रार श्रीमती **भूवना** विश्वनाथन।

भाउत शरकार

(अन्तरिती)

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई का वह सूचना बारी करकी पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

बम्बई, दिनांक 19 अगस्त 1986 निदेश सं० अई-2/37-ईई/28989/85-86--अतः **खबरा** संपत्ति को अर्थान को संबंध में कां**द्रीशाक्षां**क ३----

मक्षी अक्ष्मण दास आयकः अभिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्टब्स्ट सम्बद्धाः (जनकः अधिनियमः) सम्बद्धाः स्टब्स्ट स्टब्स्ट (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्सेवंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकः (विभिन्नियमः , 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

(ख) इस सूचना कं राजपण में प्रकाशन की सारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहण्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए पा सकत्य।

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 61 बी०, रुईया पार्क, जुहु, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका कारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की द्वारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिज़स्ट्री है दिनांक 2-1-1986

स्पर्याकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियक्ष, के अध्याप 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा ओ उस अध्याप में दिया गया है।:

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकार) और वंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम, निम्निसिश्त उद्देश्य में उक्त बन्तरण निम्निस्त में बादत-निम्न कम में कथित नहीं किया गया है क्ष्य---

प्रमुखी

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बाक्षा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में जूविशा के सिए; और/या

पलैट नं० 61 बी० जो छठवी मंजिल, रूईया पार्क बिल्डिंग सर्वे नं० 47; जुहु, बस्वर्ड में स्थित है। अनुसूची जैसाकि अ० सं० अई-2/37-ईई/28989/ 85-86 श्रीप जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक

2-1-1986 को रिज्यटर्ड किया गया है।

(ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः आरं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण रॅं. मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन . निम्नेलिसित व्यक्तियों, सर्थात् :—— 9 —266 GI/86

दिनांक: 19-8-1986

प्ररूप बार्षे टी एन . ्स .----

कालकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को काल 269-व (1) को सधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 अगस्त 1986

िदेश मं० अई-2/37-ईर्ट/29066/85-86--श्रतः मुझे, अक्ष्मण दाम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

र्मार जिसकी संवपलैट नंव 402, राजगीर मीलन श्रंधेरी, बम्बई में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रिजस्ट्री हैं। दिनांक 3-1-1986

को पृत्रोक्य बंधित को उभित बाधार भृत्य से कम के दश्यमाव शितका को लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभा पृत्रोंक्त तस्मिति का उचित शाकार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ)को बौध एसे अन्तरण को लिए तय शाका प्रतिफल गिन्नसिवित उव्वोध्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तीवक इन से कमित नहीं नाथा गया है है----

- (क) अम्तरण से हुई किसी जाय की शासत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/सा
- (क) एती कियी नाय का फिली भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया परा भा या किया जाना चाहिए या, स्थिपाने के स्विकार के स्विकार की किया

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक के, के, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेमर्स राज्यीर बिल्डर्म।

(अन्त्र गुक्त)

(2) श्री रतेण बी० अध्याण श्रीर श्रीमती कांचन ग्रीर बुझाजा।

(अन्तरिती)

का सह तृथ्ना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच धूर्म 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी क्षित द्वाराः
- (थ) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशक की तारी खारी 45 दिन के भीत उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवहुष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताकरी के पास तिश्वित में किस का करोंगे।

स्यव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वाँ अवक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया पत्रा है।

अनुसूची

पर्लंड नं 402, जो बौधी मंजिल, राजगीर मिलन एस० नं 77 डिम्पा नं 3 विलेज अधेरी अधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कर गंर अई-2/37-ईई/29066/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1986 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्ध (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 19-8-1986

प्ररूप आई .टी.एन.; एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 ग्रगस्त 1986

आभक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिपकी सक कोटेंग जानकी कूटीर जुहूं बम्बई-19 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबंध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का में विणा है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीध-नियम 1961 की धारा 269, क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 3-1-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक कार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के निकार से अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निकालिशत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण कि निका में वास्तिक रूप से अन्तरण महीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के बभीन निकालिकित व्यक्तियों, अभित् :— (1) श्रीमती प्रति ए० विश्मानी।

(अन्तरक)

(2) श्री राज र्जा महतानी।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर्के पूर्विक्त संपृत्ति के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिश्च बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकात्रन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अन्स्ची

कोटेज जो तल मंजिल प्लाट न० 5, सी० टी० एम० नं० 5671, जानकीकटीर जुहू चर्च रोड, बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुमूची जानाकी कि संव अई-2/37-ईई/29101/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1986 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांका : 19-8-1986

प्रारूप बाई.टी.एन.एस. 👉 🚎 🚎

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) की संधीन सूचना

भारत घरकार

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंग-2, बम्बई बम्बई, दिनोक 19 श्रगस्त 1986 निदेश सं० ग्रही-3/37-ईई/29117/85-86--श्रतः मझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा २ 269 का के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ के से अधिक हैं

स्रोर ित्सकी सं० गाला नं० 21, 22, श्री इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस, सान्ता कुल (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वी विणित है) स्रोर जिसका करारनामा स्थायकर प्रधितियम धारा 269 क, ख के अप्रोन पक्षम प्राधितारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है। दिनांक 3-1-1986

को पूर्वोक्स सभ्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरित में) को बीच एंसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया चया है। --

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. किया से सिया के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३---

- (1) श्रीमती कौंशल्या बेन एन० पारीखा। (श्रन्तरक)
- (2) तूर अली कासमली राटोनसी ग्रीर ग्रन्थ। (अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करकी प्योंक्त सम्परित की अर्थन के जिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन् को सम्हत्या भी कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा जभाहस्ताभुरी के गष्ट सिवित में किए वा सुकेंगे।

स्पटिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो जक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष हमेंगा जो उस अध्याय में दिया पंसा है।

अन्स्यी

गाला नं० 21, ग्रीर 22, जो श्री इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस 11/373, दूसरा हसनाबाद लेन, सान्ता कृज (प), बम्बई 400054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-3/37ग्रईई/29117/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बईद्वारा दिनांक 3/1/1986 को रिकस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्ब ई

दिनौक :~19-8~1986 मोहर :

प्रकृत जार्च _{(स}्राचीत प्रकृत प्रकृत करान्य

बारबहुर वरिशीनवन, 1961 (1961 का 43) की शरहर 269-व (1) में सुशीय बुह्मश

THE RESERVE

क्षाचीसम् । सहायक भागवार बागुक्त (विद्रीलय)

धर्जान रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 19 धगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/29155/85-86--श्रतः मृक्षे लक्ष्मण दास,

बावकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) विके इस्में इसके परकात् 'उन्त मृथिनियमं कहा गृथा हो, की धार्य 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मृज्य 1.00.000/-रा से अधिक ही

स्रोर जिसकी सं० पलैट नं० 61, विंग सी०, बहा श्रवार्टमेंट जुहू बम्बई-49 में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबस प्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), स्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्टी है। दिनांक 3~1-1986

कि सथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिदर से अधिक हैं को पूर्वोक्त सक्षित के उद्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिदर से अधिक हैं को पूर्वोक्त सक्ष्यित के उद्यमान वीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिफल, निम्निचित प्रतिफल के दिलए संतरित की गई हैं और मुके यह विद्याब हैं और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के उद्वेष्य से उक्ष जन्तरण सिचित में सास्तविक क्य से किया नहीं विश्वा गया है ——

- (क) बलारण वे हुई किथीं बाव की वावचा जनता निभिन्निया के अभीन कर दोने के अन्तरक की वावित्य में कमी करने ना उत्तते वचने में सुविधा के लिए; अर्थ/बा
- (क) देशी किसी नाव वा किसी भग वा अभ्य बाहितवां की, किसी भारतीय नाव-कड अभिनित्तक, 1922 (1922 की 11) वा उनक विभिनित्तक, वा भून-कर अभिनित्तक, वा भून-कर अभिनित्तक, 1957 (1957 का 27), के क्वोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना जाहिए था. कियाने में तुनिधा की किसा.

बत् अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीप्, निम्निनिष्त व्यक्तियों स्थाल ■── (1) मेसर्स पूनम एन्टरप्रायसेस।

(भ्रन्तरक)

(2) हायलेंडस गार्मेंट्स प्रायव्हेट लिमिटेंड। (ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारौँ करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्षन के विद्र कार्यवाहियां करता हुई।

डक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस ध्वना में प्रकारन भी प्रकारन की तारीक से 45 विन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर कूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी क्विथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राचपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

क्यूबरेडरणः—इसमें प्रयुक्त कम्बाँ नाँह वयाँ का, वा उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही वर्ष होता, वो उन्न बभ्याय में दिवा नवा

श्रन्स् ची

''फ्लैंट नं० 61, जो छठवी मंजिल, सी० विंग नेहा श्रपार्टमेंट सीं० टी० एस० नं० 968, जुहू तारा रोड, जुहू, बम्बई 400049 में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसाकी क० सं० भ्रई-2/37— $\xi\xi/29155/85$ —86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सूक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक:-19-8-1986

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) π श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 भ्रगस्त 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/29215/85-86—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहेंयात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

धीर जिसकी संज प्लाट तं. 405, जुहू सीज शेल, जुहू विश्वई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय हू रजिस्ट्री है। दिनाक 6-1-1986

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, 'उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतर-रिली (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बासत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुधिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कर्नेल मिह।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मती दर्शना एय० किरपलानी ग्रीर श्री शंहर टी किरपलानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती और उनके परिवार के सदस्य (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति ही)

 यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वै 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खाँभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

"फ्लट नं० 405, जो चीथी मंजिल जुह सी० णेल को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड प्लाट नं० सी०/ 167/1, ग्रीन फील्डन ग्राफ मिलिटरी रोड, ए० बी० नायर रोड, जुह बम्बर्ड में स्थित है

प्रत्सूची जैसाकी कि० सं० प्राई-2/37ईई/29215/85-86 प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-1-1985 को रिज़स्टई किया गया हैं।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां सः :-19-8-1986

प्रस्य आ<u>र्षः टी. एन. एस. . -----</u>-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जान रेंब-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 श्रगस्त 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/29282/85-86--ग्रतः मझे, लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,09,000/- रत. से अधिक है

र्ग्रां (र जिसकी मं० नं० 302, कीती मेनोर प्रीमायसेम मान्ता-फाज (प०), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अन्मुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 म, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है नारीख 9 जनवरी 1986 को पूर्वेक्षि सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहवमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक हैं मौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अंतरितियों) के **भी**च एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसिट उद्दोष्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में शस्तिवक रूप से कथित म्ही किया गया हा:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों वये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन : निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--

1. डा० हरणद जी० छाया और श्रीमती मालीनी हरणद छाया ।

(भ्रन्तर्क)

2. श्री मकुद द्वारकानाथ वैद्य और श्रीमती अलका म्कूंड वैद्या

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अपूर्वन को लिए। कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जान के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित. बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फनेट नं० 302, जो कीर्सी मेनोर प्रीमायसेस को० माराध्यद्या , एव० प्रांव हो इ. मान्ताकुत्र (प), बम्बई-४०००५४ में स्थित है।

ग्रनुसूची जेसाकी फ़० मं० भ्रई-2/3*7-*ईई/29282/85 86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-1 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **वम्बई**

नारीखा: 19-8-1986

प्रस्य नाष्ट्रं<u>टी.पुन.पुन्</u>य सम्बद्धाः

ज्ञायकर जीभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) में अभीत सुम्मा

HER THE

कायांकव, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षक)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 श्रगस्त 1986

निर्देश मं० प्रई-2/37ईई/29283/85-86--- प्रसः मुझे लक्ष्मण दाम

कायकर अधिनियस. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है आहे स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सं० प्लेट तं० 701/701ए, रेमीलटन कीर्ट सान्त कूज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूण क्ष्म से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 क, ख के श्रध्यन सक्षम प्राधिका कि कार्यालय, जम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 9 जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्परित से अभित बाबार भूत्य से कान भी दश्यनान मिलफल को लिए जन्हरित की गई है और मुक्ते यह विकास

करने का कारण है कि यथायुर्वोक्त सम्मीता का उचित बाबार यूच्य, उसके क्ष्ममान प्रतिकत है, एवे क्ष्ममान प्रतिकत का बाबह प्रतिकत से मिथक है और मंतरक (मंतरका) और मंतरिकी (बाबरिडियों) के बीच एसे मन्त्रहण के बिक्स तब पाना चना प्रतिकत, निम्नसिबित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निवित में बास्वविक क्ष्म के कविक महा विकास नवा है है—

- (क) बन्दरम वे हुई किसी बाय की बावब उक्त वरिष्-निवस के व्यक्ति कर दोने के बन्दाहक के वादिएल वी कर्ती करने वा उससे क्यमें में सुविधा के जिए बटि/वा
- (क) येची किसी नाय वा विश्वी थण या जन्य आस्तियों कार्क, भिन्हें भारतीय नायकड विभिन्निया, 1922 (1922 का 11) वा उनत नीधितया या धन कर अधिन्यया, 1957 (1957 का 27) को प्रवोचनार्थ नन्धितयों ह्वाडा प्रकट नहीं किया प्या था वा किया आना आदिए था, कियाने में सुनिधा थे सिका;

अतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उक्भारा (1), के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तिसमों, जभीत् ह—

1 मेसर्स लीखंडवाला प्रीमायसेस लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

2 श्री मनोहरलाल कनयालाल तख्तानी **घ**ार श्रीमती राजमकारी मनोहरलाल तख्तानी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

क्ष्मत सम्मतित से धर्मन से सम्मन्य में काई भी मासीप हुन्न

- (क) इस स्वाना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 वित की व्यक्तिया पर तरहम्बानी व्यक्तियों पर स्वान की तारीक से 30 विन की व्यक्ति, को भी जनभि वाच में क्याप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराह
- (व) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की सारीय के 45 दिन के भीतह उक्त स्थावर संपत्ति में दित- सूच्य किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताकरी के पास तिवास में किए का सूबोंने।

श्यक्तीकारणं≟—श्वनं प्रयुक्त वन्यों नीर पर्यों का, जो उपस व्यक्तियम के सम्बाध 20-क में परिशामिक हाँ, बही वर्ष होता को उस सम्बाध में विका स्था हाँ।

अनुसूची

फ्लेट नं० 701/701ए जो सातवी मंजील, हेमी स्टन कोर्ट, प्लोट नं० **इ**ह्य, सीट एस नं० जी०/74, 75, 76 (पार्ट), टागोर रोड़, सान्ताऋ्ज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

मनुसूची जैसा की क० सं० मई-2/37ईई/29283/85-86 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 9-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 19-8-1986

म्**र्क्ष आर्'**्ट<u>ी एनं एकं .</u>------

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रजीन रोंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 19 श्रगस्त 1986

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/29313ए/85-86---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 302, हमल, बिले पार्ले (प०)

बम्बई-56 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर सिधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बंई में रिजस्टर्ड है नारीख 17 जनवरी, 1986 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उिभित्त बाजार मृल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिकत बाजार मृल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, ऐसे खर्यमान प्रतिफल का प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

1 में सर्स स्काय-बिरुड शाइवेट लिमिटेड। (श्रन्तरक)

2. श्री अजीत सी० मेहता श्रीर श्रीमती रीटा (ए०) मेहता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्सूची

पलेट नं० 302, जो हेमल, प्लोट नं० 5, हतकेश नगर को० ग्राप० हाउमिंग मोसायटी लिमिटेड, जे वी०पी०डी० स्कीम, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है।

स्रन्सूची जैमाकी कि मं० सई-2/37ईई/29313ए/85-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जनरोंज-2, बस्ब**ई**

नारोख: 19-8**-**1986

अस्य **बाह**्टी एवं एस :----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयत्कर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां उ १९ ग्रापस्य 1986

निर्देश मं० ऋई-2/37ईई/29388/85-86--- अतः मुझे, **स**क्ष्मण दासः;

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्रमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्रूर 1,00,000/- रु से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 301, संगल आधिर्वाद, सान्ता-क्रूज में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका कारारनारा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बन्बई में रिजिस्ट्री है नारीख 16 जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उणित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकत को लिए अन्तरित को गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिकल से एसे द्रियमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से बीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया नवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियब के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में शृविधा के निए; और/बा
- (क) एसी किसी आव या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट रहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, जिल्पाने में सुविधा के निह;

कतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण वा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन, निम्मलिकिट काफितमों अर्थान् स्— 1 मेसर्स पी० जे० एन्टरप्रायसेस।

(भ्रन्तरक)

- कुमारी णिरीन णवाक्षा दादीबूरजोर, श्रीमती हीला मेरवान बांबोट श्रीर श्री मेरवान जहांगीर बांबोट। (ग्रन्नरिती)
- 3. भ्रन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना का तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीलर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्का अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<mark>ुसूची</mark>

प्लेट नं० 301, जो तिसरी मंजिल, मंगल ध्राणिर्वाद, प्लोट नं० 8, कार्नर स्नाफ दत्तावय रोड ध्रौर एस० वी०रोड, सान्ताऋज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्चन्सूची जैसा की ऋ० मं० श्चर्ड-2/37ईई/29388/85-86 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरीज-2, बम्बई

नारीख: 19-8-1986

प्रकृष बार्च. टी. एतः एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बभ्ब**ई**

बम्बई, दिनां ए 19 अगस्त 1986

निदेश मं० भ्राई०-2/37 ईई/29445ए/85-86--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 11, विश्वास श्रपार्टमैंट जूह, बन्बई—49 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बन्बई में रजिस्ट्री है तारीख 20 जनवरी, 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण चे हुई किती आम की बाबतः, खकतं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन का अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय भा या किया आना जाहिए था, छिपाने में सुविध के निकए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता :--

- (1) एन० एन० एम० मानेक लाल इडस्ट्रीज लिमिटे**ड**। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती स्नेहलता लांबा ग्रीर श्रीनन्द किशोरलांबा ।

(ग्रन्सरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्तर संपत्ति के अर्थन के संबंध में को**र्ड भी आक्षेप**:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्ती और पदों का, को उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होंगा, जा उस अध्याय में दिया शया स्था है।

अनुसूची

प्लैट नं० 11, जो विषवास श्रपार्टमैट, जामकी कुटीर जूह, वम्बई-400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम मं० श्रई०/37/ईई०/ 29445 ए/85-86 श्रांट जी मक्षम प्राधिकारी, वण्बई द्वारा दिनांक 20 जनवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्षम (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख : 19-8-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊢2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 श्रगस्त 1986

निदेण मं० श्राई०-2/37 ईई/29472/85-86---यतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, म गल श्राणीविद सन्तक्षुष (प०), बम्बई – 54 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक्क श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है नारीख 16 जनवरी 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मैं० पी० जे० इन्टरप्राइजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश प्रसाद मीटल।

(ग्रन्तरिती)

(8) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकरेंगे।

स्पष्ठीकरणः --इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 501 जो मंगल श्राणीर्वाद प्लाट नं० 8, कार्नर ऑफ दत्तात्रय रोड ग्रीर एस० वी० रोड, सोसाकुज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/29472/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 16 जनवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख : 19-8-1986

बक्त पार्ट्, टी, एत. एव क्यान्य

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन क्षमा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 श्रगस्त 1986

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई/29476/85-86--श्रतः
मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सीधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तमसीत, जितका प्रकित वाचार मुख्य 1,00,000/- रहन से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 301 दीपक माताकुण (प०), बम्बई—54 में स्थित है (भीर इससे उपायब मनसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), भीर जिसका करारनामा भागकर मधिनियम की धारा 269 कल के भधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 16 जनवरी, 1986 को पूर्वोक्स सम्मिक ठिल्हा के उचित बाजार मृत्य से कम के इच्यमान प्रविक्त के जिए अन्वरित की गई है और मुक्ते यह विश्वस्य करने का कारण है

कि यथा पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं। और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अश्वरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिक उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किश्रिष्ठ महीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्क्षण से हुई किसी आय को बाबक, उक्त अभिनियस को अभीतः कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुक्रिआ। भी विष्णु; बार/वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य बास्तियों को, चिन्ही बारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या धनकर बिधनियम, या धनकर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जन्म बाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

नत्त नव, उनत निधितियम की धारा 269-व को अनुसरक नो, मी, उनत निधितियम की धारा 269-व की सपधारा (1) के मधीन, जिन्निजित व्यक्तियों, अर्थान :---- (1) मैं । गोपाल एस । एण्ड को ।

(ग्रन्तरक)

(2) बकुल शामलदास मेहता ।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के वर्षत के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (भ) इस स्भान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वत्य;
- (क) इस सूचना के राजपन की शकासन की तारीचा से 45 दिन को भीतर उनके क्यावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्यांतर संघोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में क्रिए का सकींगे।

जनस्मित्यः — इसमें प्रयुक्त शब्दों स्त्रीर पदों सा, सो उसस सिनियम, को सध्याय 20 के में परिभाषित है, तही सर्थ होगा सो उस सध्याय में दिया नया है।

नमुस्ची

फ्लैट नं० 301, जो दीपक बिल्डिंग, बल्लभ भाई पटेल रोड, गजदास रोड, सांताऋ्ज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-2/37 ईई/29476/ 85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 जनवरी 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायंक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बस्बई

तारीखः : 19−8−1996

मोष्टर:

प्रकल कार्च . टी . एव . एस_{. र} ल्लान्स

सामा स्थापित्रकातः 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) व स्थाप स्थाप

शारत सरकार

कार्याचन, बहायक नावकाड नाबुक्त (निद्राक्तिक)

भ्राजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 19 श्रगस्त 1986 निवेश सं० श्रई०-2/37 ईई/29477/85-86---श्रतः मुझ, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कई धाड़ा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० पर्लैट नं० 302 दीपक सांताकुण (प०), बम्बई-54 में स्थित हैं (श्रीर इमसे उपायद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 269 कहा के अशोन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं तारीख 16 जनवरी, 1986

को पूर्वोक्स सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के असमान वितिक्षल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संगीत का उचित बाजार मृत्य असके क्रममान प्रतिक्षल से एंडे क्रममान प्रतिक्षल का पश्च प्रतिस्त से अभिक है बार बंतरक (बंतरका) बार बंदरिती (अन्तिस्तियों) के बीच एसे बन्तरण के विष् तब पासा नवा वितिक्षम, निम्निसिता उद्वोदन हो उच्त बन्तरण [बिचित वे वास्तिक कम से क्रिका यहाँ हिंदाना पना है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, बक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उत्तसे बचने में सुविधः के सिए; अडि/मा
- (व) ऐसी किसी नाम ना किसी पन या बन्य बास्तियां को, विन्हें भाउतीय नायकर विधिनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम् या धनकर विधिनयम्, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्व अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया वाना शाहिए था किया ने सुविधा के सिए;

भरात थवा, अवस निमित्रम की भारा 269-न के अनुसरक में, ही, उसस अधिनियम की भारा 269-म की क्यारा (1) के अधीम, निम्मिक्षिक स्थितियों, अभीत् ध— (1) मैं० गोपाल एस० एण्ड की ०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बीना रोहित मेहता ।

(श्रन्सरिती)

कार यह श्वाम जाही करके वृगांक्त सम्मत्ति से वर्षन में किन् कार्यमहियां कुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा वधोहस्ताक्षरी के
 वाद सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकर्ण:—इसमें प्रमुक्त संस्था और यहाँ का, वो उक्त विश्वनिक्ष के संस्थान 20-क में परिभाषित हो, तहीं वर्ष होता को संस्थान में दिना क्या है।

नग्रुपी

पलैंट नं० 302, जो दीपक बिल्डिंग,वल्लभ भाई पटेल रोड, गजदार राड, सांताकुज (प०),बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची आसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई/29477/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिशारी, बस्बई द्वारा दिनांक 16 जनवरी, 1986 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) केर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख** : 19~8-1986

प्ररूप जाही, टी. एम. एसं∴----

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई,

बम्बई, दिनांकः 19 श्रगस्त 1986 निर्देश मं० श्रई-2/37ईई/29484 ए/85-86--श्रतः मझे, लक्ष्मण दास,

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या गला नं० 2, स्टीलमेड इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, बश्बई—59 में स्थित है और इससे उपाबद अतुसूची में ग्रोर पूर्ण का से विणित है ग्रोर जित्रका करारतामा श्रायकर श्रिष्ठीस्थम की धारा 269 के ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 23 जनवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे धरमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभते नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उमतः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण औं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वतं व्यक्तियों, अर्थातः :---

- 1 मैसर्स श्रवधृत पेपर प्रोडक्टस
- (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स ऐसीयन इंजीनियरिंग वर्कस

(भ्रन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के थिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद गें समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयोक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं० 2, जो तल मंजिल, स्टीलमेड इण्डस्ट्रियल इस्टेट श्रॉफ मरोल उद्योग प्रीमायसेस को-श्राप० सोसायटी लिमिटेड, मरोल, श्रन्धेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि क०सं० श्रई-2/37ईई/29484 ए/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-1-1986 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 19-8-1986

मोहरः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 19 ग्रगस्त 1986
निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/29499ए/85-86:--ग्रतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी संख्या पलेंट नं० 53/ए, रूड्या पार्क बिल्डिंग जूह, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 24-1-1986 का पूर्ण के सम्पत्ति के विषय की स्थान के दिसमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मूच यह विकास कर्म जा कारण है कि बचापूर्विकत सम्मति का विचय वाकर मूच्य, उन्ने क्यामान प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिकत के स्थान प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिकत के स्थान ही की बचापूर्विकत सम्मति का विचय वाकर मूच्य, उन्ने क्यामान प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिकत के स्थान ही की बचापूर्विकत सम्मति की किए व्यापाय विचय प्रतिकत का प्रतिकत के स्थान की किए व्यापाय विचय प्रतिकत, विचय विचय के विचय के विचय के विचय के विचय के वास्तिक के प्रतिकत का प्रतिकत की विचय वास्तिक के विचय के वास्तिक के विचय के विचय के वास्तिक के प्रतिकत की विचय वास्तिक के वास्तिक के प्रतिकत नहीं किया गया है अ--

- (क) अन्तरण से हार्च किसी भाग की बाल्का कर करक अभिनित्तर की अभीन कर होते की अन्तरक की स्वीवरण में सभी करने या उससे वर्णा के स्विधा के किए; और/या
- (च) होती किसी अंथ या किसी धन या अंथ जास्तियीं की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में हिन्दा। वे विद्या

अतः अवः, अवःत अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सर्भा में, में, अवन्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— ा जुहूँ इस्टेट कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कृशन डी० रजानी।

(घन्तरिती)

को वह सूचना चारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त संब्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाबांप :---

- (म) इस त्यान को राजपण में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर प्यान की ठामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जन्म बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचनों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबंद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताकरा के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्थक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्रची

पर्लंट नं० 53/ए, जो पांचवी मंजिल, रूक्ष्या पार्क बिस्डिंग, सर्वे० नं० 47, जुडू, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंसािक कि सं० प्रई-2/37ईई/9499ए/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1986 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

दिनांक: 19-8-1986

मोहरः

THE CONTROL OF THE CO

इक्ष बाह् ही दन क्

भ्यकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए 1) के अभीन सुक्या

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रें%-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनां%-2, ग्रगस्त 1986 निर्देश सं० ग्रर्ड-2/37ईई/29557ए/85-86:-ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) िंक्से उलाउँ इसके पश्चाध 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्तास करने वा जारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या बंगलों नं 5, गोल्डन यीच, जूह, बन्वई 49 में स्थित है) स्रौर इससे उपावड सनुसूर्च में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायंत्र स्रिध-नियम की धारा 269 क ख के स्रधीन स्थाग प्राधि तारी के कार्यालय, बम्बई में रिनस्ट्री है, तारीख 24-1-1986 को पूर्विक्त सम्मत्ति के निष्ठ वाजार बुल्ल से कार्य के प्रधान प्रतिकत के निष्ठ सन्तरित की पड़ें हीर मंद्री यह विश्वास

- कि सम्बद्ध से हुई कियाँ काम की नानत, उनक अधिकाम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दापित्व में कभी करने या उन्नर्स बचने में सुनिधा ने लिए; खोर/मा
- (व) एंसी किसी बाब या किसी धन या जाय शाणितां को, जिन्हों भारतीय काल-कर कॉक्सिन्यम, १०११ (१०२२ गा ११) जा उच्चा अधिनियम, बा धन-कर जीवनियम, १९५७ (१९५७ मा १९७१) के प्रयोगनार्थ जन्दरिसी कुनारा अच्छर नहीं जिल्हा स्या जा मा जिल्हा दारा मारीका, बा, विस्तार्थ में स्विका के सिक्ट;

 श्रो पो० ७० तत्यनारायना श्रौर भोगनी (त्यमत) एत० वलेलाई ।

(ग्रन्मरक)

2 श्रो मुरेन भोहत उबेराव ग्रौर धीरती एसेविया उबेराव ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान हारी करहे प्रवेकत सम्पत्ति से वर्षन में जिल् कार्यपारियां करता हो :

स्कृत रुमानि के अर्थन के संबंध में कांग्रं भी जाओं :--

- (क) उस न्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 िए की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचा की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी स्थि बात में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत का अवधि, स्थि वात में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
- (अ) स्म मुजन को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील में 15 किन को भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति मों हित्बद्ध दियों पत्र क्योंबन त्वारा अधोहस्तक्षरी के पास निक्ति भी किन या सकोंगे।

स्थादीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिकारियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

बंगलो नं० 5, जो, गोल्डन बीच, रूड्या पार्क, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है।

त्रगुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/38ईई/29557/ए 85-86 जोर जो नवग प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1986 को विस्टर्ट निया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, नहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजीन रोज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. िप्प्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——
11—266 GI/86

ारीख . 19-8-1986 मोहर: प्रक्ष भार हो एउ

मैगिर्विद्यासमितिसम्बर्धाः

(अस्तरः)

बार्कर क्षिनियम : (७६: (१७६१ कः ४३) कौ बारा 269-वः (१) के स्थीन सुपत।

2. देखें परव ीहर देखा।

(सन् रिनी)

शास्त्र संस्कार

कार्यम्ब , मृह्यक्त भागका कार्यम्ब हिर्मिक्याः स्रातित १०-२, वर्षार्थः बम्बई, दिनारः १९ स्थर्मः १८८३

निर्देण सं० अर्ड-2/37र्डि/29647/85-86: --%त: म झे, लक्ष्मण वास.

स्रोर जिनकी संख्या राजा ने० 260/001/262, संध्य बिल्डम नं० 5, सन्धेरी, पार्च 59 में एक हो स्रोक उपसे उपाबद सनुमूची में स्रीत पूर्ण पार में विणात है), प्रीत जिसका तरारनामा स्राप्ता स्रीतित्य की धार १०० ख के प्रवीन सक्षय प्राविज्ञारी के स्थितिय, प्रव्याई में किर्नुत है नारीख 1-1-1986

रो ृश्वित सम्पत्ति यो तीमस बाजार भृत्य से बाम की स्थामान भित्यात की निष्य बानारित की गर्म ही तीर मुखे यह जिन्दास करने का कारण ही कि सम्भाववित्त सामित को लिया अवाल स्थान करने का कारण हो कि सम्भाववित्त सामित को लिया अवाल स्थान हो कि सम्भाववित्त का लिया अवाल की लिया है जिया कर कारण हो कि सम्भाववित्त के लिया मुखे अन्तर्वा भी कि विद्या है। विद्या कर कारण की सिम्म निम्मितियों के सीमा मुखे अन्तर्वा भी लिया है। विद्या कर की सम्भाववित्र हो कि सम्भावित्र हो कि सम्भाववित्र हो सम्भाववित्र हो कि सम्भाववित्र हो कि सम्भाववित्र हो सम्भावित्र हो सम्भाववित्र हो सम्भावित्र हो सम्भाववित्र हो सम्भावित्र हो सम्भावित्र हो सम्भाववित्र हो सम्भाववित्र हो सम्भावित्र हो सम्भावित्र हो सम्भावित्र हो सम्भावित्र हो सम्भाववित्र हो सम्भावित्र हो

- (क) बन्सरक सं हुई चिली नाव की वादम, सबट जीगिनवम के जबीन खर वॉर्ज की बन्हरक की वावित्य में कभी करने या उससे वचने में श्रीवधा
- (का) एकी जिस्से बाब या किसी घन या अस्य शास्तियों का, जिस्से अस्तियों अस्तिय अध्यक्त अधिनियम 1922 (1922 का 11) या चक्क अधिनियम, या भारतन्त्र अस्ति विद्या, 1957 ने 1957 का 27) के अस्तियम १ किस अस्ति विद्या अस्ति विद्या

सत. मब, नवन स्वीधीनसम्, १६ भारः 269-म स सन्हरस ती, प्रसः त्रीभीग्यर की गारा 260-म ती सम्मरा (1) का यह कुषान प्राना अस्ति। इक्सम् संगोति की नर्गत की निक भववारियों करता हो।

तकर सम्बद्धिता जी कर्षण के सम्बद्धण की कोई की बार्कास्थ-

- ाकों इस गुरुवा से शुरुवा में प्रकारत की सारीब सें शुरुवा की समीत में १० दिन को सबिब को भी श्रुवा की समीत में १० दिन को सबिब को भी श्रुवा को समाज होती हो, से बीटर पुर्वे कर स्वीक्सनों में से किसी कवित मुख्या
- त्वाहर्षः अस्य प्राप्तास्य स्वाहर्षः का प्रकारकः क्ष्णी हार्गावः से ४.८ हेवा को वीत्तर प्राप्तः स्वाप्तः अपिताः भी विकारत्वः हिन्द्राहे स्वाहतः स्वाहतः स्वाहतः वर्षे गुण्यात्वः भी स्वाहतः स्वाहतः को विकार स्वाहतः

स्वाहोक राज :- स्पन्धी प्रमुक्त काव्ही व्यक्ति पर्वो का, को उन्कार प्रोकृतिकार के प्राथम १९० के में परिभावित ही रही : प्राथम प्राप्त प्राप्त में किया १८८ वर्ष

भवसभी

माला नं० 260/261/262, जो दूसरी मंजिल, संजय बिल्डिंग नं० 5, बीयल डस्टेंट, एन० नं० 86 और 87 बस्टेंगी हुनी रोड, दान्हीं 1059 में स्थित है।

अप्राची जैला है। अस एक अई-2/37ईई/29467/85-88 पीट को एकन पारिहासी, बाबई हारा दिनांक 1-1 1986 को विद्यार्थ जिला गरा है।

> लक्ष्यण दास, महान प्राधिकारी महात प्राधिक आयुक्त (निरीक्षण) हार्जन हें:-2, बम्बई

तारीख . 9-९-1986 मीहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारः 269 घ (1) के बधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 ग्रगस्त, 1986

निर्देश पं० ग्रई-2/37ईई/29427ए/85-86---श्रनः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १सके गहनार उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा १६५-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शार्थ है कि स्थानर हम्पील, जिसका उचित हाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर शिपकी संख्या फ्लैट नं 10(320), पेलेस सी० व्यू, बान्द्रा, वस्वई—60 स्थित है स्रीर इससे उपाबद्ध स्नन्सूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), स्रीर विस्ता जनारनामा स्रायक स्रिविनयम की धारा 269 ं ख के स्रधान सक्षम जाति जारी के कार्यालय, बस्वई में एजिस्ट्री है, तारीख 20—1—1986

या प्रवेश्त संपत्ति के उतित बाजार मृत्य सं कम के श्रयमान श्रीतफल के तिए अलोका का गई हो तीर मुक्ते यह विश्वास करने या कारण ही कि मथापूर्णेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान श्रीतफल का पन्त्रह श्रीतकात के अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती लिका के लिए तर पाया गया श्रीतफल, निम्मिलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

(१) १९४१ में तुर्व १ की वर्ष में व्यक्ति करते.
(१) १९४४ में द्वार १ के प्रमुख १९ १ के प्रिक्त कर के प्रमुख १९ १ के प्रमुख १ के प्रमुख

(ख) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर किंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् अधिनियम या गन-कर बांधानियम 1957 (1957 का 27) के भ्योजनार्थ अन्तारता द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया आसा चारहा था, डिस्पान में सुविधा औं तिए,

करा मन, अब्ब कार्यामध्य की धारा 269-ग की बनुसरण मा, मी उन्हें नार्थानगर की भारा 269-म को उपभारा (1) के अवस्त, निम्लावीयत व्यक्तियों, वर्षातु :— श्री तरून दत्त ग्रीर श्री ग्ररून दख

(ग्रन्तरक)

2. श्री नीहलचन्द एच० चावला

(ग्रन्तिरती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक शम्पत्ति के अंधन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स्तंतंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा
- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रमृतिक्षित में किए जा स्कोंगे।

स्पथ्टीकरणः इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

जनसंची

फ्लैंट नं० 10(302), जो तीसरी मंजिल, पेलेस सी व्यू को०-म्राप हाउसिंग नोनायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 48, पाली हील रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा कि कि के सं श्रई-2/37ईई/29427 ए/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-1-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनोंच: 19-8-1986

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-इ (1) के अधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्बासय, सहायक जायकर आयुक्त (१ नरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 ग्रगस्त, 1986

निर्दोश र्स॰ ग्राई-2/37ईई/29485/85-86:--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन राज्य प्रियाश का यह विशास करते का कारण है कि स्थायत संपीतन, जिस्ता उचित बाजार सूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी पंख्या फ्लैट नं० 1 ए, गीरनार स्रपार्टमेंट, बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है स्रीर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणा है), स्रीर जिसाज करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम की धारा 269 के खे के स्रिबीन सक्ष्म प्राधि जारी के कार्यालय, बज्बई में जीवस्ट्री है, नारीख 17—1—1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूबंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्ष्म, उसके दृश्यमान का क्षम के क्षम के बिष् एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रदिक्त, निम्निसित उद्घेष्य है उक्त क्ष्म का लिख में वास्तिक एम के किस्स मुद्दी किसा गया है :---

- (क) बनारच में हुई किसी बाय की शबत, उकत बीवनियद के बधीन कर दने के मंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (क) एंसी किसी जाव वा किसी धन या बन्य बास्तिओं को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिजाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ने मभीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ु— श्री दादी क्संतजी वेकसटर भौर श्रीमती दीना दकदी वेकसटर।

(ग्रन्तरक)

श्री सूरज प्रकाश मल्होता और
 श्रीमती सुर्दशन सूरज प्रकाश मल्होता।

(ग्रन्तरिती)

का गृह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मृतित के बुर्वन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप म

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिस- बस्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए का समोंगे।

स्पृष्टीकरणः इसमें प्रवृक्त कव्यों मीर पदी का, थी उसत अपिनियम के बच्चाय 20-क में परिजायित हैं, बहुति सर्व होगा जो उस कच्चाय में दिया गया हैं।

जन्स्ची

पलैट नं० 1 ए, जो पहली मंजिल, मीनार श्रपार्टमेंट, 55, पाली हील, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। श्रत्सूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/29485/85-86 श्रीर जो सक्षा प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-86 को रजिस्टई किया गया ई।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 19-8-1986

प्रकप बाह्र .टी . एन . एस . -----

माधनार क्षिमिनका, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यक्व, रहाबक बावकर वायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 ग्रगस्त 1986

सं**० ग्रई-2/37ईई/29076/85-86:--ग्र**तः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह िश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. सं विधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० । सम्हरेट ब्लान ए, बान्द्रा (प०), बम्बई-50 में स्थित है और इसिं उरावस अनुसूर्वर में ग्रीर पूर्ण रूप विणित है), श्रीर क्रिया का कारणासा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 , ख ेर धारान क्सम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में किस्तु है, वारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मून्य स 👓 🖻 स्वयमान नीतफत का लिए अन्तरित का गई हा और र कार्य है। जा करते बुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं धरायात श्रीविकत का बन्द्रह् प्रसिशत से अधिक हैं और धन्दरक (बरारकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर_{िक}ं लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशस्य 🕆 😘 .. धनारण निवित्त भी वास्तविक रूप से कथित रही 1935 अब है :--

- (क) बन्तरच से हुई किसी बाद का, जाता, उक्त किथिनियम को अधीन कर इस के अलास्कर्क बायित्व में कभी करन था उसत बाहर न श्रीवधा के निए; बरि/पा
- (क) **इसी किसी बाव या** किसी बन भा रेन आंग्तका को बिन्हे भारतीय आयकर अध्योगयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना भग-कर बधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्हरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भार स्टाइन वर्ष १५००० के सिए;

बत: अब, उपरा बीबीनगर की घाटा १४०-इ के अनुसर्व 💞 , 🕬 , तक्त विधिनियम की भारा 26 😅 में न्यूनाय (1) ह वर्षाः निम्निविद्यत व्यक्तियो, सभाट

A Company of the Comp श्री अमोल प्रधान ग्रौः अंजितो नोलं(ना प्रधान ।

(ग्रन्तरक)

2 श्रापती मोहिन्दर कोर लांबा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के न्त्रिए नार्यवाहियां गुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध मां कोई भी जाकोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्रांबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील ये 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुखना भे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दर है भीतर हाल स्वाहर संपत्ति में विश्ववद्व क्षिका जार करते कुलता । प्रतिह्माराजी **के बाब** विजित्त म किए मा हकाँचे।

लाक्टीकरण :-- उपनी प्रयुक्त राज्यों और वदां का, जो उनत क्षेत्रीयक्ष, अ क्षेत्राव 20-क में परिमारिक हैं, वहीं अप होता को उन अध्याय में विका बद्धा हैं .

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो जाउनी मंजिल, समरसेट ब्लोक ए, पाली हिन, नान्त्रा (प), प्रत्वई-400050 में स्थित है। शनुसुचा जीता के अ० अ० अ० नई-2/37ईई/29076/85-86 और जो अप अबि रि, वश्वई द्वारा दिनांक 3-1-1986 को रिएटर्र था गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहाया आयकर आयुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2,बभ्वई

सारीख: 19-8-1986

प्ररूप अन्हीत दीत् एव ः एस त्याना

त्र∨यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कश्चानिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 श्रगस्त, 1986

निर्वेण सं० प्रर्ध-2/37ईई/29410/85-86:—-प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स्था के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी मंख्या फ्लैंट नं 102, बेन लीज, बान्द्रा, बम्बई 50 म स्थित है श्रीर इनमें उपाबद्ध श्रनुम्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसे का करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम की घारा 269 क ख के श्री न गक्षम प्राधिकारी के कार्यासय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, नारीख 16-1-1986

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिहात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक अप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाक की वाबत, खक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा स्वे किए;

शतः तथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्नालोकत व्यक्तिसमी, स्वर्णत क्रमान 1. बेनजामीन डेविड सोलोमन।

(श्रन्तर्क)

2. इवा डीमेलो और एण्टांनेट सीलीना डीमोलो (ग्रन्तरिसी)

को यह सृक्षना ≒ारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के कर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कीह भी जाकोप ह

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भौतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयूवित शब्दी और पदों का, जो जनते अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ रूपे जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनवची

पर्लंट नं० 102, जो पहली मंजिल, बेन लीज, 14, में पीटर डायम बांद्रा,रोड, बम्बई 400050 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकि क सं० श्रई-2/37ईई/29410/85~86 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 16~1-1986 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2 बम्बई,

दिनांक: 19-8-1986

मो हरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

क्षायकार लाभानवम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के नवीन सुवना

भारत सरकार

भाषांत्रम, सहायक बायकर आयुक्त (विरोधाण) श्रर्जन रेज-2, वम्सई

बम्बई, दिनांक 19 शगस्त 1986

ि निर्देश मं० ग्रई-्/37ईई/20376/ए/85-86:-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

स्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 14 ए, क्वीन प्रीस्पाद रेर, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है स्रीर इससे उपाबद स्नसूची स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), में स्रीर जिसका करारनामा स्रायक्तर स्थितियम की धारा 200 व ख के स्थित रहस प्राधिकारी, के वार्यालय, बण्बई में विर्मू है, नविंग 17-1-1986

को पूर्विक्त सम्मिति के उचित बाबार मून्य से कम के करामान पितकल के लिए अस्तिरित की गई हैं और मुम्से यह विश्वास करने का कारण हैं कि मधाप्यों जर सम्मित्त का अधित वाचार मून्य . उसके करामान प्रतिकल से , ऐसे करामान प्रतिकल का बंदह प्रतिक्षत से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तम पासा गया प्रतिक्ष का सिक्ति के बुद्धिय से उच्च लिए की बिद्ध से पाक्तियक कर से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क्ष) जतरण से हुई किसी आब की बाबता, उक्त व्यक्तिक के अर्थता आहार है जिलाहरू से व्यक्तिक में बामी करूर या उक्षणे उच्चने में सविभा करिया और थिए
- (थ) एमी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एक कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ बन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था दियाने के सविधा के लिए;

अतः वय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अन्सरक से, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निमित व्यक्तियों, अर्थात:—— 1. श्रीनर्ता शोधा एस० वासवानी

(ग्रन्तरक)

2. प्रवीण हंमराज श्रीर मीला पी० हंसराज (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करकी पूर्वोद्धत सम्पत्ति को अर्जन को लिए, कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

बक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी नाधीय >---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से \$5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों ६६ मूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेदित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इपारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी है ७१३ स्थापन के जिए वा सर्वार्ग।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हो, अपने कम होगा, बहे उन्न कष्टाय में अपन

अनुसुची

फ्लैंट नं० 14 ए, जो क्वीन प्रीमायसेस सोसायटी, 59 पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम मं० ग्रई-2/37ईई/29376/ए/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारि, वम्बईद्वारा दिनांक 17--1-1986 को रिस्टिई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्राजीन रेज-2 बम्बई

दिनांक: 19-8-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ा. में र्ग टें ० आरं० एसोसियेटस।

(अन्तर्क)

शंकरी: यनिया एव० रोहरा ।

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग-2, बमनई बम्बई, दिनांक 19 अगस्त 1986

सं० ग्रई-2/37ईई/29098/85-86:---ग्रनः मङ्गो, लक्ष्मण दासः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर निज्ञको संख्या पर्नेट नं० 404, हो समझोन ब्हीयू, सन्धेरी (प०) बर्ध्वई—61 में स्थित है स्रीत इससे उपावद्ध सन्सूची में स्रीत पूर्ण रूप से विज्ञत है। स्रीत विज्ञत विज्ञान पा स्थाप स्थापकर स्रधिनियम की धारा 269 व ख ने स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बर्माई में निज्ञहर्र है, सारीख 3—1—1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में गैं. उक्त अभिनियम की धारा 269-घ को उपधारार (1) के कांग. निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात — को यह मृचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां टारता हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विक को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिंगाणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जो उक्त अधिर नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 404, जो, होरायजोन व्हीयू, 1, प्लाट नं० 70, तर्जे० नं० 91 (ए), पार्ट, 95 ए (पार्ट), आफ जय प्रकार ोड़ो, वर्गीवा, अन्धेरी (प०), बम्बई 400061 में स्थित है।

अनसूची जैटा कि कि० सं० अई-2/37ईई/29098/85-83 और ओ अन्य अिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1 1986 की एिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी पहायक आयक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज—2, बम्बई

হিনাত: 19**-8-198**৪

ोहरः

THE RESIDENCE OF STREET

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्यन रें2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 भ्रगस्त 1986

िर्देश सं० प्रई-2/37ईई/29248/85 86:--म्बन मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पष्पार 'उक्त मिधिनियम' कहां गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 101, सुमोर प्रीमायसेस, बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबक्क ग्रानुसुकी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीरिजिसे का करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 9-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है

कि यह येथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण कि बित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) क्ष्यरम् सं हुइं कि.ची बाव की वावस्त, अन्य विधितक्ष के व्योत्। कांद्र दोने के व्याहरक औं दासित्य में कमी करने वा बचने वचने में सुविधा के सिए; बांद्र/वा

अतः अवः, उक्तः अधिःशियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीर ेर लिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिस्ट व्यक्तियों, अर्थात् क्रिस्ट

 श्री एडवर्ड डीसोजा घौर कुमारी एमा डीसोजा।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती पुष्पा वी० भाटिया,
 श्री मुरेण वी० भाटिया,
 श्रीमती कविना एंम० भाटिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्स सम्मस्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 बिन की वर्शी या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इत श्रृज्ञा के रावपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के जीत्र उनत स्थावर सम्पत्ति में हित- स्थावर किसी अन्य स्थानत स्यानत स्थानत स्थानत

स्वार्धकरणः ---इतने प्रयुक्तः युक्तो और वर्षो का, को सक् विधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषिश्व हूँ, वहीं कर्ष होगर को उस अध्याय में दिवा। मुद्या है।

अनुसूची

पलट नं० 101, जो, पहली मंजिल, सेमोर शीमायसेस को आप हासिंग मोनायटी लिभिटेड, प्लाट नं० 79, बान्द्रा, बम्बई-500050 में स्थित हैं।

श्रन्सुची जैसा कि क मं० श्रई--2/37ईई/29248/85 86 श्रीर जो नज्ञान प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्क्ष्म प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेजि-2, बम्बई

दिनांक: 19-8-1986

प्ररूप आर्ड .टी .एन .एस . -----

भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ःर्जन रेंज−2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 श्रगस्त, 1986

मं० श्रई-2/37ईई/29337 ए /85-86:-श्रतः मुसे, लक्ष्मण दाम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिनकी संख्या फ्लैंट नं 3, मोकासा बिल्डिंग, बान्द्रा, बम्बई—52 में स्थित है ग्रीर इपसे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण स्त्य से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 17-1-1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पंद्रह भित्रात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ग्रीतफल . निम्नलिकित उड्डवंश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कर में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविध के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) की अधीनः निस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ;—स

- 2. मेसर्म देवेन्द्र कन्स्ट्रकणन कारपोरेशन।
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्री राम कन्यालाल पहूजा ग्रीर लक्ष्मण कन्यालाल पहूजा।

(ग्रन्तिरेती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए काल्याहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 👉 🗝

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यापत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकीं।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अथ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 4, जो तीसरी मंजिल, मीकासा विल्डिंग चौबीस का रोड, बान्द्रा, बम्बई-400052 में स्थित हैं। श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-2/37ईई/29337 ए/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 19-8-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैज, 2 बम्बई बम्बई, दिनाक 19 अगस्त 1986

निर्वेण मं० अई--2/37ईई/29164/85-86:-- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्स बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 202, स्टलिंग, बान्द्रा, (प०), बम्बई—50 में स्थित हैं श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं, श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीक्षित्यम की धारा 269 करा के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 3—1—1986 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रीतफल के पंत्रह प्रतिकृत से विश्वास है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिशत उद्देश्य से उक्त वंतरण जिल्हा में गस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (का) वन्सरण ये हुइ किसी बाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सुविधा के लिए;

बत: वक्तः, उक्त विभिन्नित की धारा 269-ग के विवृक्तरक कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों. अधीत :--- 1 मैद्रोपोलीटन इनवेस्टमेंट।

(अन्तरक)

2 श्री हरीश चीमन लाल शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहिया शुरु करता हुं।

उन्त तमारित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाबोप ध--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की नविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी बक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिर्धित में किए जा सकते।

स्वकाकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का थीं उपव विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा, को उस कथ्याय में दिशा गया ही।

अनुसुची

पलैट नं० 302, जो नीसरी मंजिल, स्टलिंग सेंट मार्टीन रोड, बान्या (प०), बम्बई 400050 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई०~2/37ईई/29163/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-1~ 1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 19-8-1986

प्रकप थाइ . ही . एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बाई

बम्बई, दिनांक 19 अगस्त, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/29426 ए/85-86:--अतः मुझे, **सक्**मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 9 (301), पेलेस सी० बी० यू० बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित हैं), श्रौर जिसका कर रनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 20 जनवरी, 1986।

को पूर्वों कर सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बाँड बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकास, निम्मी सिवत क्ष्वें य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त विकारण के विषित्त में बास्त विकारण की हों किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की वायता, उच्छ समितिया के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उत्तते अचने में सुविधा के सिक्; और/या
- (च) ऐसी किसी आज का किसी भन वा जन्य जास्तियों को, जिन्हें आरसीय आय-नार अधिनियम, निर्माति की, विक्रिंग की, विक

वकाः सन, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भै, भै, अक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1 कुमारी नीना वर्ष

(अन्तरक)

2, श्री अक्षोक कुमार एन० चावला और श्री सुनील कुमार एन० चावला

(अन्तरिती)

3 अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए। कार्यवाहिया करता हूं।

जनत संपन्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानित वृक्षी योक्ति वृक्षा हो.
- (स) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में 'ट किसी कम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिर्धित में किए या सकोंगे।

स्पन्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 9, (301), जो, तीसरी मंजिल, पैलैस सी यू० को आप हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 48, पाली हिल रोा, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थिग है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/3 र्ई्ट/29426 ए/

अनुसूची जसा कि क स० अहै-2/3 र्ग्हेई/29426 ए/ 85-86 फ्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-1-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बाई

दिनांक: 19-8-1986

प्रकार बार्च . हो . पुन . सुस् . हा--हा-----

भारा 269-घ (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 अगस्त, 1986

निर्देश सं० अई-2/37/ईई/29415/85-86:—— अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लट नं० ए-01, महाराष्ट्रा गवर्नमें ट एम्प्लोईस सोसायटी बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांप पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीप जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के श्रिवीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 16-1-1986 ।

न्यं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिपत्त से, एसे स्थ्यमान प्रतिपत्त के पंत्रह प्रतिस्त से अभिक है और बंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्वेष से उक्त अंतरण कि चित्र में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण ते तृष्टे किसी आय की वाक्स, उक्क अविनिधम को अधीन कर दोने के जन्तरक को रायित्व में कमी करने या उक्क क्याने में सुविधा के किए: वॉट/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्ति द्वी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विस्मा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी किय:

भतक नव, उक्त विधिनियम, की भारा 269-यू के अनुसर्व में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- ा कुमारी एंजेला रोड्रीग्स।

(अन्तरक)

2 श्री सूदर्शन कुमार नायर श्रॉर संजय नायर

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती भौर उनके परिवार सदस्य (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील थे 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों १२ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भातर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाक्तीकरणः — इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उच्छ अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्पी

पलैट नं० ए 01, जो, तल मंजिल, महाराष्ट्रा स्टेट गवर्न मेंट एम्प्लोसिस को अप हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, बान्द्रा रेक्लेमेशन, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/29415/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 19-8-1986

बोहर:

प्रकम कार्च .टी.स्म.स्स्

नायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के जभीन सुन्ना

The second secon

STATE STATE

कार्याजय, तद्वायक भागकर नायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 अगस्त, 1986

निवेश सं० अई-2/अईई /29306/85-86:— अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

खायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनते अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधूक हैं कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित वाबार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रांर जिपकी सं० फ्लैंट नं० 72 जुम्लेक्प क्षीतीज बाँन्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित हैं भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं, ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 10 जनवरी, 1986।

को पूर्वोक्त सम्परित के उसित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उसित बाजार बुन्स, उसके व्यथमाद प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेस्य से उक्त अन्तरण मिसिक में वास्तविक रूप से किथ्व नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किल्सी नाथ की बाबत, उर त विधिन्यव के न्थीय कुड देथे के नृत्युरक की बाबित्स में कमी कंट्ने वा उत्तवे वचने में सुविधा के सिक्; कीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विश्वा के विषयः

बतः जन. उन्त विधिनयम की भारा 269-व के अनुधरण ने, मैं, जक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 1 मैसर्स नटराज कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2 श्री सतीश रामनीकलाल पूरोहीत

(अन्तरिती)

भी यह व्यक्त चारी करके वृत्तीं वर्त संभ्यतित में वर्जन से जिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्क बन्दरिश के बर्चन के क्षम्बन्ध में कोई भी माक्षम :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास लिखित में किए या सकोंने।

त्थव्यक्तिरण ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो उक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिन भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस बध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट नं ० 7 2 (डूप्लेक्स) जो छठनी और सांतवी मंजिल, शीलीज, होल रोड, सी० टी० एस० नं ० बी-566, बी-568, 569 (पार्ट), बान्द्रा (प), बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कासं० अई-2/37ईई/29306/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 10-1 1986 को रजिस्टाई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रज-2, बम्बई

दिनांक: 19-8-1986

मोहर ।

प्रकृष आहो.टी.एन.एस. -----

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क (1) के वभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां रू 19 अगस्त 1986

निर्देश मं॰ ग्राई 2/37ईई/29417ए/85-86—ग्रातः मुझे, लक्ष्मण दाम,

माथकार निधानयम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भाग 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यधायजांकत यम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रंज से अधिक हैं

श्रीर भिसकी सं० पनेट नं० 603, बी० विंग, जोर्जीना, बान्द्रा, बन्गई-5 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम की धारा 269 के, खें के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिक्ट्री हैं नारीख 20 जनवरी 1986

का पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के स्थमान प्रितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का प्रतिक्र का प्रतिक्र का विश्व है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्र कल, निम्नसिवित उद्देश से उसते अन्तर्भ निवित में वास्त्रविक रूप से किशत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सम्बद्ध में कही करने न उसके ज्याने के बुविका के स्विद्, आदि/भा
- (क) होती किसी आप ता किसी थन वा अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर निधनियनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर सौंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ नस्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया पदा बा या किया धाना चाहिए वा, कियाने वे सुविधा के लिए:

अतः अधः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण काँ, की उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. श्रो मैंबर ग्रहमद, राद्री ग्रीर श्रीमती नाज अहमद

काद्री।

(ग्रन्तरक)

2. मेमस गरवारे पेंटम लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**्**।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षीप :---

- (क) इस स्वान के राज्यन में शकायन की तारीच से 45 दिन की जनिंग या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तिकों वर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

चध्दीकरणः—इतमें प्रयुक्त कर्म्यों सीर वर्षों का, को उक्क सीर्थितका के अध्याय 20-क में वरिशायिक हाँ, शही कर्म होगा, को उस अध्याय में दिवा मका ही।

अनुसूची

पनेट नं० 603, जो छठवी मंजील, बी विंग जोजीता, गरली राजन रोड़, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। प्रतुसूची जैसा की ऋ० सं० प्रई-2/37ईई/29417ए/85-86 ग्रीर जी सक्षम प्रांधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब ई

तारीख: 19-8-1986

मोहरः

प्रकम बाहै . टी . एन . एस . ------

नामकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन तृषना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 ग्रगस्त 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/29450ए/85-86—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० 802, डायगो सोसायटीबन्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर, श्रधिनियम की धारा 269 क, ख अधीन सक्षम प्राधि नारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 20 जनवरी 1986 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रयमान लिए अन्तिरत की गद्द हैं विश्वास करने यह कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मुख्य, उसके व्यवभान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिकत **बब्द** रेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविका रूप **से क**ियत नहीं किया गया है :---

- (ण्ड) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोशनार्थ अन्ति (ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था यह किया शता शहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ह अधीन, निम्निसित व्यक्तियाँ, अधीव ■ मेसर्स प्रवीस वनस्टुक्यनस्।

(भ्रन्तरक)

2. डा॰ खालीद कासीम हाजी।

(ग्रन्तरिती)

4. भ्रन्ति।

(वह व्यक्ति, जिसके बार में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए व्यार्थकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाक में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इच सूचना के राज्यन में प्रकावन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-क्यूच किसी कम्य व्यक्ति इवारा सभोहस्ताक्षरी के नाम सिचित में किए वा सकीने।

अनुसुची

फ्लेट नं० 802, ब्राटवी मंजिल, गेरेज के साथ,डायगो को० श्राप० हार्जीसग सोसायटी लिमटेड, सी०टी० एस० नं० 1246, 1248, 1250, 12451, शास्त्री राजन विलेज, बान्त्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुमुची जैसाक़ी कि० सं० ग्राई-2/37ईई/29450ए/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**: 19~8-1986

प्रकथ आर्घ. टी. एम. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ऋर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 श्रगस्त 1986

्वी निर्देण म० म्रई-२/३७ईई/२,9593ए/85-86—म्प्रतः मुक्षे, लक्ष्मण दास

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रा. स अधिक ह और जिपकी मं० पर्नेट नं० 23 सोलोमोन सोसायटी, बान्द्रा (प) बंबई 50 स्थित हैं और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित हैं, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम को धारा 269 के, खे के 'अधोन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख 27 जनवरी 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित साजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने रूपने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृश्य, उसमें दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (बंतरकाँ) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के भीच एसे बंतरण के लिए तय पावा मधा प्रति-कम निम्मलिकत उद्वोद्य से उपस बंतरण निचल में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया नवा है है---

- (क्र) अन्तरण संहुद्दं किसी अगय की बाबत, उक्क अभिनियम औं अधीन कर दोने के अन्तरफ औं दायित्व में अभी करसे या उससे अपने में सर्विक्षा और किए, और /गा
- (क) एंसी किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमती सीना चंद बमल खटवानी :
- (2) श्री फुटणाकान्स चं कलाल संशवाला, एथामल कुटणाकान्त मशवाला श्राट तूशार कुटणकान्त संशवाला

को बह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्प्युत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के तालपण में प्रकादन की रारीय सं 45 दिन की जनीं मा तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की मधीं , जो भी वर्षण बाद में समान्य होती हो, के भीतर प्योंक्ट व्यक्तियों में से किसी म्यॉक्ट स्वारा;
- (म) इस ग्रमना के राजपण में प्रकादन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य फिसी बन्स स्वित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किरवत में सिम्प जा सकतें।

स्पत्सीकरणः — इसमें प्रयुक्त वन्धों और वक्षों का, खों क्यां किंभीनयम दे अध्याव 20-क में विशिधिष्ठ ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याम में विशा गवा ही।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 23, सोलोमोन को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, शरली राजन, शरलीमाला रोड़, विलेज दांडा बाद्रा (प), वस्बई-400050 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की फ० सं० अई-2/37ईई/29593ए/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-1 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायु**क्**त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 19-8-1986

पोहर: ै

प्रकार वार्.टी.एन.एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 19 म्रगस्त 1986

निर्देण मं० म्राई-2/37ईई/29242/85-86---म्मनः मुझे, लक्ष्मण दाम

भायकर विभिनियम, 1961 (196१ का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त विभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्षाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से विभिन्न है

श्रीर जिसकी सं० पजेट नं० 62, दक्षीन पाली, बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है श्रीर किमा करणरनामा श्रायकर श्रीधिनयम की धारा 269 के, खे के श्रीन बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 9 जनवर। 1986 को पूर्वों के सम्पर्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पर्ति का उचित बम्बार मूख्य, जंबके दब्यमान प्रतिफल से, एसे दब्यमान प्रतिफल के पम्दर शिवास के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) को बाचितिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय बाया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्वंदिय है उक्त अन्तरण किवार में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है :----

- (का) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत उन्तर अधि-नियम के अधीन कर कोने के असरक का सांघण्य व कसी करने या उससे बचने में सविधा के निष्यु, बीधा/वा
- (ण) एंची किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तिया की, बिन्हें भारतीय बायकर आंधिनयम, 192, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने के मुविध, के सिए;

करा: जन, उक्त अभिनियम की भारा 269-स की जनसरक की, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-स की जणधारा /1) की अभीन, निस्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री यूनन डी० डीसील्वा श्रीर मोमर्स कार धेन् एउटण प्रायसमा

(म्रन्तर्क)

2 श्री द्वारकादास एल० बजाज।

(भ्रन्तरिती)

की यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी श्वश्विसयों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृशास्त;
- (क) इस मुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश्या से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंदृश कि सी अन्य स्थावर दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकति।

स्वच्छीकरण:—इसमें त्रमृक्त क्षव्यों और पर्यों का, जा सकत अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में क्रिया गया है।

मन्स्ची

पलेट नं० 62, जो दक्षीन पाली, छठवा रोड़, डीमोंट पार्करोड़, श्राफ रिी रोड़, बान्द्रा, बम्बईत-400050 में स्थित हैं।

अनुसूची जैमा की फि० सं० अई-2/37ईई/29242/85-86 फ्रोर जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-1986 को रिलस्टर्ड किया गया हैं।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, बम्बई

तारीख: 19—8—1986

मोहरः

१वद वार्या सीत एपत एक्_{रण्या}

वायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-य (1) ये अपीर यूप्या वापद स्टायक

कार्यासय, सङ्गाहक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बंबई

बंबई, दिनांक 19 अगस्त 1986 निदेण सं०अई-2/37-ईई/29113/85---श्रतः मझ, लक्ष्मण

दास, नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र' इतमें इसमें एश्वात् 'उक्त मिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह"

अरि विसकी संव फ्नेट संव 4, कांती अपार्टमेंट, बान्द्रा, बंबई 50 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का में विणित हैं,) श्रीर जिमका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्री है तारीख 3-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के अवकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृस्य उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेशम से उक्त अन्तरण किवित व व विद्या मिनिक

- (क) कलारण संहुई किसी बाय की बावत अवस जीवितियम के जयीन कर दोने के जलारक के सावित्य में कमी करने वा उक्तने बचने में स्विधा के जिए; भीर या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी वर्ग वा वर्ण वाहिस्ता की, जिन्हें भारतीय आयकर जिथिनयज , 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर जिथिनयम 1957 (1957 का 27) के इवाजनाओं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में ब्रिया की जिल्ह;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, क्षत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भीन, निक्निसित व्यक्तियों, सर्वाद्य =--

(1) श्री सैलेश बिहारीलाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्राः हमल कुनार जीव छूलानी छीर कुमारी बर्जी केव छूलानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिष् कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

बनक बन्मरिक के बर्बन के बन्दस्थ में म्योडों भी बाक्क्ये :----

- (क) इब ब्रुचना के राज्यन में प्रकल्यन की तारीज वें 45 चिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (थ) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु ई 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पाम सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त - वंधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा वो उस क्ष्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पलैट नं० 4, जो पहली मंजिल, कार्त प्रपार्टभेंट, ए विग, माउंट मेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि करु सं0 गर्ड-2/37ईई/24113/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3/1/1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लमक्ष्ण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 19−8−1986

प्ररूप आह. ती. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 19 ग्रागस्त 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईई/29656/85-86---- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बहुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 701, सील्वर केस्केड, बान्द्रा, बंबई 50 में स्थित हैं श्रीर इससे उपाबंद्ध स्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं,) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजिस्ट्री हैं, दिनांक 31-1-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीम,, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् [—— (1) श्रीमती नूरजहां नजमीन जमल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बहादुर एच० विरानी ग्रांट श्रीमती यस्मीन बी० विरानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्नंद नं० 701, जो पात्रि मिजिल, सील्वर केस्केड, गाउंट मेरी रोड, बान्द्रा, बंबई-400050 में स्थित है।

त्रतसूची जैपाकी कि० सं० म्रई-2/37-ईई/29656/85-86 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-1-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 19-8-1986

मोहर 🛭

प्रथम बाह् .टॉ. एन .एस . ------

आधकार रुपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन ध्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 अगरत 1986

निर्देण मं० ग्रई-2/37/ईई/29176---85-86--% मझे लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनियम, 196१ (1961 का 43) (जिसे इसमें श्सके शक्ष्मात् 'उन्त निधिनियम' नहीं गया हैं), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्नास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलीट तं० 701, मोशमल मेंशन, खार, बम्बई हैं 52 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिसका करारनामा श्रीयर श्रीधिनियम की धारा 269 के, खे के श्रीधीन सक्षम प्राधिनारी के वार्यालय, बम्बई में एक्स्ट्री हैं नारीख 3 जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूका से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह निर्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत नाजार मुल्य उसके दृश्वमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का क्लूह प्रतिकृत ने अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और बन्त-रिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के निए त्य पाया युवा विकल्प निम्निसिचित उद्योदन के उच्च बन्तर्थ निम्निसिचत से नास्तरिक क्य से किंगत नहीं किया युवा है कन

- (क) जन्तराय से हुई फिली बान की बावत उक्त वर्षितिकार के संबोध कर योगे के अन्दरक की वास्तिस्य में कभी करने या उत्तर्थ स्थले में स्वीवका वे लिए, कोंद्र/भा
- (क) एसी किसी जाय या भन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, वा वय-कड विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्यास् प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, जिनाने में सुविधा के जिला;

अतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अभूसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निक्नीस्विक व्यक्तियों, अर्थात क्ष- 1. श्रीमती रत्नाचंद्र बिजलानी।

(अन्तरक)

 श्रीमती की शलया चंद्र गे बानी श्रींप श्री चंद्र परोमल गेरवानी।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त बन्दरित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:--

- (कं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्विधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामाल से 30 दिन की व्यक्तियों को भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के जीवर प्रविकास स्विकास में समाप्त होती हो, के जीवर प्रविकास स्विकास में किसी स्विकास द्वाराह
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकुष किसी अन्य स्थानत स्वारा भवाहरताकरी के वास किसित में किए का सकीचे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दें भीर पर्वो का, जो उक्त अधिन्यिम के अध्यार 20-क में यथा परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 701, जो सातवीं मंजिल, मोरुमल मेंशन को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लोट नं० 213, दसवा रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/2-17/9/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारादिनांव 3-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 19-8-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर वाय्क्ष (विद्रक्षिक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 19 श्रगस्त 1986

निर्देश सं० म्रई 2/37ईई/29008/85-86—म्ब्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा जवा है), की भारा 269-च के अधीन तक्षत्र प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित वाधार मृत्यू,

1.00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फलेट नं० 601, हिमगीरी माहीम, बम्बई-16 में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है, श्रीर जिसका करारनामा श्रायक र क्रिधिन्यम की धारा 269 के, खे के ग्रधीन सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2 जनवरी, 1986 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दश्यमाव विकास के लिए बंतरित की गई है बौर बुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार क्र्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एंडे अवमान प्रतिकास का बन्दह प्रतिख्वा से बिधक हैं और अन्तरक (जन्तरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बौच एसे बंतरण के निय तय पाया नवा प्रतिकास विभन्न सिक्त उद्देश्य से धक्त बन्दरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- हैंक) क्लाइन संबुद्ध हैंकतीं बाम की गायत, बंधर अर्थितवय के बचीन कर दोने के अन्तरण के करिएम में कभी करने ना उससे नचने ने स्थिता के स्थितः बीक्र/का
- (च) ऐसी किसी कार्य वा किसी धन या सम्य शास्तियों को, विन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयन, 1922 (1922 का 11) तो उच्छ विश्वित्वन, वा धन-कर निधिनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ सम्पर्धियों वृत्वारा प्रकट नहीं किया वंशा या वा विश्वा धाना चाहिए या, किनार्थ में सुविधा के लिए;

भतः अब उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री हरीश सी० शाह।

(अन्तरक)

 श्री लक्ष्मीचंद वी० गोग्री ग्रीर श्रीमती गंगाबाई वी० गोग्री।

(भ्रम्तरिती)

3. भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में तन्नत्ति है)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपन्न सम्मत्ति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई^{*} बार्क्षण ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबूध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसुची

फ्लैंट नं० 601, जो हिमगीरी को० श्राप० हाउसिंग सोतायटी लिमिटेड, टी० एच० कटारीया मार्ग, मार्हम, बम्बई-400016 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/29008/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बग्बई द्वारा दिनांव १-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-2, बम्बई

नारीख: 19-8-1986

मोहरः

प्रकृषः, बाह्यः, दीः, एतः, एतः ------

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुखना

नारव दरका

कार्याक्षय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्रण) श्रर्जन रेंज्-2, बस्बर्ड

बम्बई, दिनांक 19 श्रगस्त 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/29503ए/85-86--श्रतः मुझे, लक्ष्मण ढास,

आयकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भीर जिसकी सं प्लेट र्न 5, दीप भ्रपार्टमेंट, खार (प) बम्बई-52 में स्थित है (भ्रीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भ्रीर उसका करारनामा भ्रायकर भ्रधि-नियम की धारा 269 क, ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 17 जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान शितफल के लिए जन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिचत से अभिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया शितफल, विस्नितियों से वीच एसे जंतरण के लिए तय पाया शितफल, विस्नितियों के वीच एसे जंतरण के लिए तय पाया शितफल, विस्नितियों के वीच एसे जंतरण के लिए तय पाया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय ग्रायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- मेनर्ग ब्लेज एडवर्टायसीग प्रायबेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- श्री०डी बी० चावला, श्री श्रार०डी० चावला भीर एम० डी० चावला।

(ग्रन्तिरती)

- मे सर्स ब्लेज एडवर्टायसींग प्रायवेट लिमिटेड के कर्मचारी।
 - (बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. मेसर्स इंद्रप्रस्था विल्छसं प्राईवेट लिभिटेड।
 (वह व्यक्ति, जिसके बार में अर्धाहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के निरु कार्यवाहियां बुरु करता हुं।

उक्त तस्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🗩

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जनित या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितरामें से किसी स्थितर ब्वारा;
- (ण) इस स्थान के स्थापन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्रिय वा सकोंगे।

स्वाहिक रूप: — इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पर्यों का, जो सकत अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया गया है।

अमुसूची

फ्लैंट नं० 5, जो पांचवी मंजिल ग्रौर कार पार्कींग स्पेस के साथ , दीप श्रपार्टमेंट, 691 खार पाली रोड़, खार (प), बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-2/37ईई/29503ए/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 17-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्राचीन रेंज्-2, बम्बई

तारीख: 19-8-1986

त्रक्त आर्ड . डी. एम. एस . ------

मावकर मिथीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के मभीन सुकता

भारत तरकार

कार्यांसय, सहायक वायकर बायुक्त (जिरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बर्ध बम्बर्ड, दिनांक 19 अगस्त 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/29446ए/85-86--ग्रतः मझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियमः' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं कि ही । एस । नं । 536 (पार्ट), जो ने भवरी (प), बम्बई-104 में स्थित हैं (भीर इसमे उपावद्ध म्रत्मूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), भीर जिसका करारनामा भाए-कर भ्रधिनियम की धारा 269 क, ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिवार के कार्यालय बम्बई से रिजर्स्ट्री है तारीख 20 जनवरी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का धारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध करें जिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत्:--- श्रीभवा बोनो गोनसाल्बास, भगरीया गानसाल्बास लेन्नलाट गानसाल्बीय, मीम्बोनेत्रे गानसाल्बास, स्टारङस्ट गोननाल्बास श्रीर इल्लाम गोनसाल्बीस

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स हफाजी बिल्डसं।

(ग्रन्मिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति व्हें अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, को उयल अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उदक अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकी क० सं० प्रई-2/37ईई/29446ए/85-86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 20-1-1986 को रजिस्टई किया गया है।

जिमन का हिस्सा िसका मी०टी० एस० नं० 536 (पार्ट), हिस्सा नं० 4, मी० टी० एस० नं० 426, 425 हिस्सा नं० 4 (पार्ट), 6, सर्वे नं० 17 विलेग ग्रीशिवरा, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400102 है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा∵ 19≖8-1986

मोहर

प्रक्रम बाह् , टी., पुन., पुरा .-----

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भाउर 269-म (1) के समीन स्थान

भारत पहलार

कार्यासय, सहायक नामकर नामुक्त (निड्रीकंप)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्द, दिनांक 19 अगस्त 1986

निद[े]क्ष सं. अर्घ-2/37र्ष्ट्य/29407/85-86---अतः मुभ्के, लक्ष्मण दासः,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात (उदत अधिनियम) कहा गया है), अर्थ भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं. मर्वं नं. 41 (पार्ट), ऑशिवरा विलंज, अंधेरी, बम्बर्ड में स्थित है और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विणित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रिजम्ट्री है तारीख 16 जनवरी 1986 को पूर्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दिक्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री प्रवीनचंद्र पी० श्रोधवानी श्रीर महेण एल० ढोलाकीया।

(ग्रन्तरक)

 श्री श्रनिलक्मार ग्रगरवाल आरंग श्रीमती मंजूएन० ग्ष्ना।

(ग्रन्तिंशती)

को वह सूचना चारी कर्**कै प्**र्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रााशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रमुक्त कान्वों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज श्रोणियरा, श्रंधेरी, अभ्बई है।

अनुसूची जैमा की कर संर ग्रर्ध-2/37ईई/29407/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 16-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आस्कर आयुक्त (निरीक्षण) क्षर्जनरेज-2. बस्बई

तारीख 19+8-1986

प्ररूप शाइ^{*}. टी. एव . एव . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

भग्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन गेंग्र-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 ग्रगस्त 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/29457/85-86--ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 100,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी गं० पत्तेष्ट नं० 201, होरायजीन व्हीयू 3, श्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूची में श्रीरपूर्ण का से विणित है), श्रीर जिपका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के, खे के श्रधीन, सक्षम प्रा-धिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है तारीख 16 जनवरी 1986

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास कर्त का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ निमा गया प्रतिफल, निम्निचितित उद्देश्य से उद्येश अन्तरण किकत में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की सबत, उपत आधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में भभी करने या उससे अचने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चन: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारः (1) के अधीन, जिस्तिलिखत. ज्यन्तियों, अधीत स—

। मेनर्स वेक श्रारक एसंशिएट्स।

(ग्रन्तरक)

2. डा० हरमद जनहलाल छाया।

(अन्तरिती)

का बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति थों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लेट नं० 201, जो होरयजोन व्यीयू 3, प्लोट नं० 70 सर्वे नं० 91ए (पार्ट), 95ए (पार्ट) आफ उस प्रकाण रोड़, बर्मीवा, अधेरी (प), बस्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैया की क० सं० अई-2/37ईई/29457/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी यहायक अथकर अथका (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बस्वई

तारीख: 19-8-1986

मोहर∵ः

परूप नाइ.टी एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज, शिलाग

णिलांग, दिनां रू १४ श्रप्रैल, 1986

सं० ए 273/85-86/जी० एल० जी०/ए म्यू एन०/ 17-18:—श्रत महो, ई० जे० मावलोग

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. सं अधिक हैं
ग्रीर जिसकी संख्या दान नं० 5704 पी० पी० नं० 844,
गोलाघाट टाउन मबखोद्या मौजा के अन्दर है लथा जो जिला,
जोरहाट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर
पूर्ण रूप से बणित है, रिजर्स्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय
गोलाघाट में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 28-1-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विव्यास करने का कारण हैं कि यभापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार बूल्य, उसके दर्यमान प्रतिकास से, एसे दर्यमान प्रतिकास का गम्बह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तब पाया प्रया प्रतिक कन, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त बंतरण सिखत में बास्त-विक क्ष्य से अधित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त बांध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व यो कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्टु और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा औ निए;

कक्ष. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 209-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री कुलजीत सिंह ग्रानन्द फरकाटिंग रोड, गोलाघाट।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती रंजना जलान, गोलाघाट टी स्टेट, गोलाघाट।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा भारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के कर्षन के सिख् कार्यवाहियां करता हूं।

अस सम्पत्ति के नर्चन के सम्बन्ध में कोई भी जास्रोप:---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ, पृष्ट सुन्ति। की तामील से 30 दिन का बद्धां , जा भी बद्धीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रींक्ड स्पिक्तयों भे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी अ पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुसुची

जमीन का एरिया (1 एक) कट्टा 14 (चौदह्) लमा प्रौर 2(दो) कट्टा 7 (सात) लमा जिसका दोग नंव 5704 पीव नेव 844 जो गोलाघाट टाउन, मवखोग्रा मीजा, जिला जोरहाट के अन्दर स्थित है।

> ई० जे० मावलींग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक क्रायंकर क्षायुक्त (निर्रःक्षण) श्रर्जन रेंज, शिवलॉंग

नारी**ख**: 14—4—1986

मोहरः

संघ लोक सेवा प्रायोग

नोटिस

मू-विज्ञानी परीक्षा 1987

नई दिल्ली, विनांक 4 अक्तूबर 1988

सं० एक 4/2/86-प० I (क)--भारत के राजपन्न विनांक 4 अक्तूबर 1986 में इंस्पात और खान मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा II में उल्लिखित पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ध्रगरतला, श्रहमवाबाद, ऐजेल, इलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी), हैवराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, नद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रामपुर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, विद्यति, तिबेन्द्रम, उदयपुर और विद्याखायटनम में 17 मार्च 1987 से एक प्रतियोगिता परीक्षाली जाएगी।

श्रायोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीक्षों परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उन्हें पैसेन्द्र के केन्द्र वेने के सभी प्रयास किए जायेंगे तो भी श्रायोग परि-स्थितिषण किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर श्रलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उन्त परीक्षा में प्रयेण दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (श्रनुबन्द 1 पैरा 11 देखए)।

2. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर जिन पदों के बगों के लिए भर्ती की जानी है वे तका विभिन्न पदों के लिए रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे वी जाती है:—

वर्ग \mathbf{I} : (भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण इस्पान भ्रौर खान मंत्रालय के पद)

- (i) भू–विज्ञाती (कनिष्ठ) गुप "क"
- (ii) सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप "ख"

मर्गे II: (केन्द्रीय भू-जल बोर्ड, सिंचाई मंत्रालय के पद)

(i) कनिष्ठ जल-भूषिज्ञानी ग्रंप "क" 15 (इनमें प्र० प्रा० के उम्मीद-गारों के लिए 3 प्रौर ग्र० ज० जा० के उम्मीदनारों के लिए 1 गारक्षित रिक्तियों सम्मिलित हैं)!

(ii) सहायक जल-भूविकानी सूप "ख"

15 (इनमें भ० जा० के उम्मीद~ वारों के लिए 3 भीर भ्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 भ्रारक्षित रिक्सियां सम्मितित हैं)।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है। *सरकार द्वारा रिक्तियां ग्रभी सुचित होनी हैं।

प्रारम्भ में नियुक्तियां अस्थायी भ्राधार पर की जाएंगी। स्थायी रिक्तयां उपलब्ध होने पर उम्मीदनार अपने क्रमानुमार स्थायी रूप से नियुक्ति के पान्न होंगे।

3. उम्मीववार उपर्युक्त गैराथ में उरिल्लिखन सभी या किसी एक पव पर नियुक्ति के लिए परीक्षा में प्रवेश हेतु मानेबन कर सकता है। उसे केवल उसी पद उन्हीं पर्वों के लिए उम्मीववार माना जाएगा जिसके/जिनके लिए वह आवेदन करेगा। एक बार भानेबन-पत्र भेने जाने के बाद सामान्यता किसी प्रकार के परिवर्तन की मनुमति नहीं: ो जाएगी।

यदि कोई उम्मीवनार एक से धिषक वर्ग के पदों के उम्मीवनार की हैमियत से प्रवेश पाना चाहता हो तो उसे भी एक ही झावेदनपत भेजने की झावश्यकता है। नीचे पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक बार देना होगा उससे प्रत्येक पद के लिए झलग-झलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

विशेष घ्यान:—उम्मीदवार को ध्रावेदन पत्न में यह स्पष्ट रूप से लिखना होगा कि वह किन सेवाग्रों/पदों के लिए विभार किए जाने का एच्छुक हैं। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह भपनी इच्छानुसार जिननी पाहे उतनी मरीबतायों का उल्लेख करें ताकि योग्बता कम उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयलाग्रों पर भनी-भांति विचार किया जा सके।

उम्मीवनारों द्वारा निर्विष्ट उन सेनाग्रों/पदों के बरीयता कम में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर तभी विचार किया जाएगा जब ऐसा भनुरोध "रोजगार समाभार" में लिखित परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीखासे 30 दिन के अन्दर संघ लोक में वा अग्योग में प्राच्त हो जाए।

4. परीक्षा में प्रवेश बाहुने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित प्रावेदन—प्रपत्न पर सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग धौलपुर हाऊस नई दिल्ली—110011 को प्रावेदन करना चाहिए। निर्धारित प्रावेदन—प्रपत्न तथा परीक्षा में संबद्ध पूर्ण विवरण ६० 2/-(वो ६९ए) देकर प्रायोग से डाक द्वारा प्राथा किये जा सकते हैं। यह राजा गिवाय संघ लोक सेवा प्रायोग, धौलपुर हाऊस नई विल्ली—110011 को मनीवाईंग द्वारा वा सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली प्रवान डाक घर पर वेव मारतीय पोस्टल आईंग द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआईंग/पोस्टल प्रावंद के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए आयेंगे। ये प्रावेदन—प्रपत्न प्रायोग के काउन्टर पर नकव भुगतान द्वारा भी प्राप्त किये जा सकते हैं। ६० 2/- (वो ६५ए) की यह राणि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

टिप्पणी: -- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे धपने धावेवन-पत्न भू-जिज्ञानी परीक्षा 1987 के लिए निर्धारित मुक्रित प्रपत्न में ही प्रस्तुत करें। भू-विज्ञानी परीक्षा 1987 के लिए निर्धारित धावेदन-प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर घरे द्वुए धावेदन-प्रपत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आबेदन-पत्र श्रावश्यक प्रलेखों के साथ सिवत, संघ लोक सेवा श्रायोग, शैलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 को (1 दिसम्बर, 1986 से पहले की किसी तारीख से प्रस्म, मेभालय, प्रमुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, लिपुरा, सिकिनम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लवाल प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, चम्बा जिले के पांगी उपमडल श्रंटमान भीर निकोबार द्वीप ममूह या लक्षद्वीप और विदेशों में एड्ने वाले उम्मीववारों के या जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से बाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 15 विसम्बर 1986) तक या उससे पहले डाक द्वारा ध्रवस्य भिजशा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउन्टर पर जाकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किमी भी आवेदन-- पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

ग्रममः मेघालय, ग्रहणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, विपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लदाश्च प्रभाग, हिमाजल प्रदेश के लाहौल और स्पीति शिले जम्मा जिले के पांगी उपमण्डल ग्रण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप धौर विदेशों में रहने वाले उम्मीद-वारों में श्रामोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह गकता है कि बह पहली दिसम्बर 1986 में पहले की तारीख से जगम, मेघालय, ग्रहणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड,

तिपुरा, सिक्किम, जम्मू ग्रौर कश्मीर राज्य के लदाख प्रभाग, हिमापल प्रदेश के लाहौल ग्रौर स्पीती जिले चम्बा जिले के पांगी अपसंखल ग्रंडमान ग्रौर निकोबार ब्रोपसमृह या सक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (1) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्र के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुती हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-प्रत के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इंताके या क्षेत्र का नाम (अर्थात असम, मेंबालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लदाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यया हो सकता है कि उन्हें अति-रिक्त समय का लाभ न मिले।
- टिप्पणी (2) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे प्राप्ते आबेदन— पक्ष को स्वयं सं० लो॰ से॰ ग्रा॰ के काऊंटर पर जम करायें प्रापता रिजस्टडं डाक द्वारा भेजें। श्रायोग के किसी ग्रन्य कर्मचारी को दिए गए भावेदन—पत्नों के लिए ग्रायोग उत्तरदायी नहीं होगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीववारों को धरे हुए धार्षदन-पत्न के साथ आयोग को रु० 48.00 (रू० घड़तालीस केवल) का गुल्क भेजना होगा जो कि सचिय संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रश्नान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल घार्डर या सिषव संच लोक सेवा आयोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, नई विल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखां-कित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो। अनुसुचित जातियों/अनुसूचित जन/जातियों से सम्बद्ध उम्मीववारों को कोई युक्क नहीं देना है।

िषदेश में रहने वाले उम्मीववारों को निर्धारित शुक्क भारत के उच्च भागुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थित हो के कार्यालयं में इस मनुरोध के साथ जमा करना होगा कि वह "051-संघलोक सेवा भागोग परीक्षा शुक्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए भीर उन्हें भावेदन-पत्न के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन भानेवन-पत्नों में उक्त भपेक्षायें पूरी नहीं होंगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीववारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित गुल्क से छूट चाहते हैं।

- 7. शायोग यदि चाहे तो उस स्थिति में निर्धारित शुस्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि भावेदक या तो 1 जनवरी, 1964 भीर 25 मार्च, 1971 के बीच की प्रविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत भाया हुमा थास्तिक विस्थापित ध्यक्ति है या बर्मा से वास्तिक रूप में प्रत्यायित मूलतः भारतीय ध्यक्ति है भीर 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत म्राया है या बह श्रीलंका से प्रत्यावित मूलतः भारतीय ध्यक्ति है जो अवत्वर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौता के भन्तगंत 1 नवस्वर 1964 को या उसके बाद भारत भाया है या माने वाला है या तत्कालीन पश्चिम पाकिस्तान से वास्तिक विस्थापित व्यक्ति है तथा उसने पहली जनवरी, 1971 श्रीर 31 मार्च, 1973 के बीच की भवधि के धौरान भारत प्रत्यन किया था और निर्धारित गुलक देने की स्थिति में नहीं है।
- 8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर विया है किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे दे 30.00 (तीस रुपये केंवल) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 7 के नीचे टिप्पणी की शतों के भनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्न यह सूचना प्राप्त होंने पर अस्वीकार कर विया जाता है कि वह झहुंक परीक्षा में असफल रहा है। ध्रयवा वह उपर्युक्त टिप्पणी के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यया पालन नहीं कर सकेगा तो यह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त तथा नीचे पैरा 9 के उपबन्धों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में अाथोग को भुगतान किए गए शुल्क की बापसी के किसी दावे पर न तो बिचार किया जाएगा धौर न ही मुल्क को किसी धन्य परीक्षा या अयन के लिए धारक्षित रेखा जा सकेगा।

- 9. यदि कोई उम्मीववार 1986 में भू-विज्ञानी परीक्षा में बैठा है मौर अब यह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छुक हो, तो वह परीक्षा पिकाम का अथवा नियुक्ति प्रस्ताय की प्रतीक्षा किए बिना अपना आवेदन-पन्न निर्धाकित तारीख तक आयोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर वे। यदि 1986 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु उनकी अनुसंसा हो जाती है, तो 1987 के लिए उनकी उम्मीववारी उनके अनुरोध पर रव्व कर दी प्राएगी भौर उन्हें परीक्षा सुल्क वापस कर विया जाएगा। किन्तु अर्त यह है कि उम्मीदवारी रव्य करने तथा गुल्क वापसी के बारे में उनका अनुरोध 1986 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के धीतर आयोग के कार्यीलय में अवश्य पहुंच जाए।
- 10 प्रावेदन-पत प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदबारी की वापसी के लिए उम्मीदबार के फिसी प्रकार के धनुरोव पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।
- 11. जैसा कि नियमावली के परिणिष्ट I में निर्विष्ट है सभी विवयों के प्रश्नपत "बस्तुपरक" होंगे। नमूने के प्रश्न सहित बस्तु परक परीकण से सम्बद्ध विवरण के लिए छपया "उम्मीववार सूचना विवरणिका" का प्रमुबंब वेख लिया जाए।

ही० कैसास प्रसाद, उप-सिवन संध लोक सेवा प्राचीग

भनुबन्धः I जम्मीववारीं को भनुवेश

1. उम्मीदनारों को चाहिए कि वे माथेदन-प्रपन्न अरने से पहले नोटिस भौर नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह वेख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पान भी हैं या नहीं, निर्धारित णतीं में छूट नहीं दी जा सकती है।

ग्रावेवन-पत्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इक्ष्मुक है, प्रनितम कप से जुन लेना पाहिए।

उम्मीदवारों को ज्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदजार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु
अपने आवेदन में निर्विष्ट किया था तो उसे सचिव, संग्र लोक सेवा आयोग
को इस बात का पूरा भोकित्य बताते हुए एक पत्न रिजस्ड डाक से
अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे
अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 17
फरवरी 1987 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार
नहीं किया जाएगा।

 उम्मीदवार को आवेदन-प्रपक्त तथा पालती कार्ड अपने हाथ से स्वाही या बाल प्वाइंट पैन से भारते चाहिए। अध्रा या गलत भारा हुआ। आवेदन-पन्न अस्वीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीदनार यह ध्यान रखें कि धानेदन-पत्न भरते समय उन्हें भारतीय ग्रंकों के केवल अंतर्राष्ट्रीय क्यों का ही प्रयोग करना है। नाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्न या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख वेषनागरी ग्रंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदनार यह मुनिश्चित कर हों कि वे धानेदन-प्रमत में प्रविध्दि करते समय इसको भारतीय ग्रंकों के केवल प्रन्तर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विभोध सावधानी बरतें कि धानेदन-पत्न में की गई प्रविध्दियां स्पष्ट भीर सुपाठ्य हों यदि ये प्रविध्दियां ध्याट्य या आमक है तो उनके निर्वाचन में होने वाली आन्ति या सन्वेह के लिए उम्भीदवार जिन्मेदार होंगे।

उम्मीदनार यह भी ध्यान रखें कि श्रामीय भाषेदन-पक्ष में प्रविष्टियों में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी पन्न व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा इसलिए उन्हें भागेदन-पन्न सही रूप से भरने के लिए विशोध सामधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी भौधोगिक उप कमों में या इसी प्रकार के भन्य संगठनों में हों या ग्रीर-सरकारी संस्थामों में नियुक्त हों भ्रपने भावेदन-पन्न भायोग को सीखे भेजने चाहिए। भगर किसी उम्मीदवार ने भ्रपना मावेदन-पन्न भपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो भौर वह संभ लोक सेवा भायोग में देर से पहुंचा हो तो उस भावेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा। भने ही वह नियोक्ता को आविदी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या झस्यायी हैसियत से या भाकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतेंर कार्य प्रभावित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या जो सार्वजिनक उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिवचन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से भ्रपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सुचित कर विया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

जम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि धायोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए धावेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध धनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका धावेदन-पत्र धरबीक्रत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

- 3. उम्मीदवार को प्रगाने प्रावेदन-पन्न के साथ निम्नीलिखत प्रलेख अवस्य भेजने चाहिए :--
 - (1) निर्धारित मुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल भाईर या बैंक द्रापट या शुरूक माफी हेतु वावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति (वेकिए: नोटिस का पैरा 6 ग्रीर 7 ग्रीर नीचे पैरा 6)।
 - (2) व्यायु के प्रमाण-पन्न की वनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (3) मैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि।
 - (4) उम्मीववार को मपने हाल ही के पासपोर्ट माकार (लग-भग 5 सें० मी०× 7 सें० मी०) के फोटो की वो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति भावेदन-पत्न के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए भीर बूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।
 - (5) विधिवत भरा हुम्मा उपस्थित पत्रक मावेदन प्रपन्न के साथ सलम्न।
 - (6) लगभग 11.5 सें॰ मी॰ × 27.5 सें॰ मी॰ भानार के बिना टिकट लगे हुए दो लिकाफे जिन पर भापका पना लिखा हो।
 - (7) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने का दावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिक्रिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
 - (8) जहां लागू हो वहां फायु में छट के वावे में समर्थन में प्रमाण--पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- टिष्पणी (1): -- उम्मीदवारों को अपने भावेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मद (2), (3), (7) और (8) मैं उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केंवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्नित अधिकारी द्वारा भनुप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सनी प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा में लिखित भाग के परिणाम के भाधार पर व्यक्तिस्व परीक्षण हेतु साक्षारकार के लिए महंता प्राप्त कर नेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्न मुल रूप में प्रस्तुत करने

होंगे। लिकित परीका में परिणाम संभवत: सितम्बर, 1987 में घोषित किए जायेंगे, उन्हें अपने मूल प्रमाण-पन्न साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रक्षने चाहिए। जो उम्मीवबार उस समय अपिक्षित प्रमाण-पन्न मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीवबारी रव्द कर वी आएगी मौद उनका भागे विचार किए जाने का वाबा स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी (2) :----श्राबेदन-पत्नों के साथ मेजी गई सभी प्रमाण-पत्नों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर उम्मीदवारों को हस्ताक्षर करने होंगे ग्रीर तारीख भी देनी होगी।

उपर्युक्त मय (1) से (4) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं ग्रीर भद (7) भीर (8) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 ग्रीर 5 में दिए गए हैं:--

(1) (क) निर्धारित गुल्क के लिए रेखांकित इण्डियन पोस्टल मार्डेट:—प्रत्येक पोस्टल भाईर मनिवार्यतः रेखांकित होना नाहिए भीर उस पर "संनिव, संघ लोक सेवा प्रायोग" को नई दिल्ली के प्रधान डाकथर पर "देव" लिखा जाना माहिए।

किसी अन्य सम्भवर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पीस्टल आंडरीं पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर श्रीर जारी करने वाले डाकचर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह भवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल भार्डर न तो रेखांकित किए गए हों भौर न ही सचित्र, संघ लोक सेवा भाषोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुर-क्षित मही है।

(ख) भिर्घारित गुल्क के लिए रेखांकित बैंक ब्रापट :—बैंक ब्रापट शारतीय स्टेट बैंक की किसी धाखा से प्राप्त किया जाए और वह सिव, संघ लोक सेवा झायोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य णाखा, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी प्रत्य बैंक में वेय बैंक कू।पट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंग । विरूपित या कटे-फटे बैंक कू।पट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

- टिप्पणी :-- उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्न प्रस्तुत करते समय वैंक ब्राफ्ट के पिछली श्रीर सिरे पर अपना नाम तथा पता सिखना चाहिए। पोस्टल आवंरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आवंर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता सिखें।
- (2) प्रायु का प्रमाण-प्रतः ग जन्म की वह तारीख स्थी-कार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विधालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुशेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा धनुरक्षित मैट्रि-कुलेट के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्य-मिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीणं कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिक्षिप प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुंडली, शपथपत्न, तगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उग्ररण, तथा ग्रन्थ ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंसे। भनुवेशों के इस भाग में भाए हुए र्र्"मैद्रिकुलेशन/उण्यतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न" वाक्यांग के भण्डतीस उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पद्ध में जन्म की तारीख नहीं होती या आयू के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रि-कुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्न के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा श्रमण नहीं पंजा गया तो अवेदन-पत्न अस्थीकार किया जा सकता है।

हिष्पणी 1:-- जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पुरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्न हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पुष्ठ को अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि मेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2:— उम्मीवनार यह व्यान रको कि आयोग उम्मीदनार की जम्म की उसी सारीख को स्थीकार करेगा जो कि आयेवन— पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैद्रिकुन्नेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में वर्ज है और क्सके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्थीकार किया जाएगा।

टिष्पणी 3: जन्मीक्यार यह भी नोट कर ले कि उनके द्वारा किसी
परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित
कर देने और आवीग द्वारा उसे अपने अभिलेख में प्रवेश
के लिए दर्ज कर देने के बाद, उसमें बाब में या किसी
परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी आएगी।

(3) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत : उम्मीववार को एक ऐसे प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवष्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्घारित योग्य-ताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। मेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (अर्थात विश्वविधालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रवान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीववार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बतान। वाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने वार्षे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग क्स साक्ष्य पर उसकी गुण-वत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

टिप्पणी: पित कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बँठ चुका हो जिसे उसीण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बँठने का पास हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेवम कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार अहुँक परीक्षा में बँठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्ते पूरी करते हों तो उन्ह परीक्षा में बँठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बँठने कि यह अहंक परीक्षा में बँठने कि यह अनुमित अमितम मानी जाएगी और यदि वे अहंक परीक्षा में उसीण होने का प्रमाण जस्दी से जल्दी ग्रीर

हर हालत में 31 अगस्त, 1987 से पहले प्रस्तृत हिंदी करते तो वह धनुमित रव्द की जा सकतो है।

(4) फोटो भी दो प्रतियां: उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपीट आकार (लगभग 5 सं० मी०×7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपन्न पर चिपका वेनी चाहिए। और दूमरी प्रति उपस्थित पत्नक में निर्धारित स्थान पर चिपका वेनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के उत्तर उम्मीद- यार को स्याष्ट्री से हस्ताक्षर करने चाहिए।

विशेष ह्यान :—उम्मीदवारों को चेतावती वी जाती है कि यदि आवेदन पक्ष के साथ ऊपर पैरा 3(2), 3(3) और 3(4) में उल्लिखित प्रमाण-पन्न में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पन्न अस्थी-कार कर दिया जाएगा और इस अस्बीकृति के निरुद्ध कोई अगीच नहीं सुनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदिशर फिसी अनुसूषित जाति या अनुसूबित जनजाति का होने गा दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिलें के जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमतीर से रहते हों, जिला अधिकारी या उामण्डल अधिकारी या नीचे लिखित ऐसे अस्य अधिकारी जिसे सम्बद्ध राग्य सरकार ने यह प्रमाणपद्ध जारी करने के लिए नामित किया हो, नीचं (क) पर दिए गए फार्म में प्रमाण-पद्ध लेकर उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदिशर के माता और पिता दोनों की मृत् हो गयी हो तो यह प्रमाण पत्न उस जिले के किसी अधिकारी से लिखा जाना चाहिए जहाँ उस्मीदिशर अपनी शिक्षा से पित्र किसी अन्य प्रमोजन से आमतीर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों की नियुक्ति के लिए आवेदन कर रहे अनुसूचित जाति/अन्सूचित जन ज़ुति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किया जाने याला प्रमाण-पक्ष ।

सानद्यान (अनुसूचित जातया) आदण, 1950*
सिविद्यान (अनुसूचित जन जातियां) आदेण, 1950*
सिविद्यान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेण, 1951*
सिविद्यान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेण,

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों सूची (अग्रोधन) आवेश 1958 द्वारा यथासंग्रोधित, बम्बई पुनर्गटन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेग राज्य अधिनियम 1970, उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचिन जाति और अनसूचित जनजाति आदेण (संशोधन) अधिनियम, 1976

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962* संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1962*।

संबिधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आवेश, 1964*
संबिधान (अनुसूचि तां) (उत्तर प्रदेश) आवेश, 1967
संबिधान (गोंवा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संबिद्धान (गोबा, दमन और दियु) अनुसूचित जनजातियां आदेश
1968 *।
संबिधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजातियां आदेश 1970*।
संबिधान (सिक्किम) अनुसूचित जातियां आदेश, 1978*।
संबिधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1978*।

 अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के जी एक राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन से प्रचालित लोगों के मामले में लागु।

यह प्रमाण पत्न अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्न/
भाषार पर श्री/श्रीमली को जारी किया गया। यह प्रमाण पत्न श्री/श्रीमली को जारी किया गया। यह प्रमाण पत्न श्री/श्रीमली को माता/पिता श्री श्रीमती को माता/पिता श्री श्रीमती को पाष्प के स्वा के पाष्प श्री के स्व को जारी अनुसूचित जाति अनुसूचित जाति का अनुसूचित जाति जानाति के हैं जिले राज्य श्री के स्प में मात्यता जाति श्री के स्प में मात्यता जाति का है।

हस्ताक्षर

******पदनाम

(कार्यानय की मोहर महित)

राज्य/संघ क्षेत्र

स्यान

तारीख

⁴जो शस्य लागू न हों उन्हें काट दे।

இकृपया विशिष्ट राष्ट्रपति के आदेश उद्गृत करें।

% जो बैरा लागून हो उसे काट दें।

श्रानित प्रदास प्राधिकारियों की जाति/जन जाति प्रमाण पत्र जारी करने होतु कुक्की रेल्ल

- (1) जिला भैजिस्ट्रेट/असिरिक्त जिला भैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिप्टी किम-इनर/एडीशनल डिप्टी किमग्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपॅडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी भैजिस्ट्रेट/सब डिबीजनल मैजिस्ट्रेट/ तालुक भैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव भैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट किमग्नर (प्रथम श्रेणी के स्टाइपॅडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओह्वे का नहीं)।
- (2) चीफ प्रेसिबेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेमिबेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसिबेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (3) रेबेन्यू अफसर जिसका ओहवा तहसीलदार से कम न हो।
- (4) उस इलाके का सब-डिवीजन अफसर जहां उम्मीववार और/
 या उमका परिवार आमसौर से रहना हो।
- (5) ऐडिमिनिस्ट्रेटर/ऐडिमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलपर्मेंट अफसर, लक्षद्वीप ।
- 5. (1) नियम 6(खा) के अन्तर्गत आयु में छूट का वाबा ्करने आले भारतीय म-विज्ञान सर्वेक्षण और केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में नियोजित

व्यक्तियों को अपने कार्याक्षय/विभाग के प्रधान से निम्नलिखिल रूप में प्राप्त मूल प्रनाण-पन्न प्रस्तुत करना चाहिए:---

जम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पन्न का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कृमारी*

भ-विकान सर्वेक्षण/केन्टीय भू-जल बोर्ड में दिनांक के स्थायी/
अस्थायी पद पर कार्यरत हैं।

हस्ताक्षर ''' '' पवनाम''''

मंत्रालय/कार्यालय : • • • • •

कार्यालय की मोहर

🕶 जो लागून हों उसे काट दें।

- (2) नियम 6(ग) (2) या 6(ग) (3) के अन्तर्गत निर्धारित आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले और/पा उपन नोटिस के पैराप्राफ (7) के अधीन गुरुक में छूट का दावा करने काले सूनपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब संगला देश) में विस्थापित व्यक्ति को निम्नालिखन प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पन्न की अनुपन्न की अनुप्रमाणित प्रतिलिधि यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान में आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हैं और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रजलन कर भारत आया है:—
 - (1) वण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिङ केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों से कैम्य कमडिन्छ।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) अपने प्राने जिलों के गारणार्थी पुतर्जास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (4) स्वयं प्रभारित सव-डिबीजन का सब-डिबीजनल अफसर।
 - (5) सरणार्थी पुनर्वास का उप-आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कनकता ।
- (3) नियम 6(ग) (4) अथवा 6 (ग) (5) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने नाले और/या उक्क नोटिस के पैराग्राफ
 (7) के अधीन गुल्क में छूट का दावा करने नाले श्रीनंका में प्रत्यावितत
 या प्रत्यावितित होने नाले मूलनः भारतीय व्यक्ति का श्रीलंका में भारत
 के उक्क आयुक्त के कार्यालय में लिए गए इस आश्रय का प्रमाण-पन्न
 की एक अनुश्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिधि प्रस्तुत करनी चाहिए कि नह
 एक मार्ता नागरिक हैं जो । अक्त्यार 1964 के भारत श्रीलंका
 समझीने के अधीन 1 तबस्वर, 1961 की या उसके बार मार्त आया
 है या अति नाला है।
- (4) नियम 6(ग) (8) या ठ(ग) (३) के अप्तर्गत निर्धारित आय सीमा में छूट का वाला करने वाले और/या उदन नोटिस के पैराप्राफ (7) के अधीन गुल्स से छट का वाला करने वाले बनी से प्रत्मावितन मूलनः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजहूनावाम, रंपून धारा
 विए गए पहिचान प्रमाज-रझ को एक अनुपनाजिन/प्रमाणिन प्रतिलिपि
 यह विख्न पत्ते के निर प्रस्तुत करनी वर्षिए कि वह एक मारतीय नागरिक
 है जो 1 जून, 1963 को या उनके बाद भारत आया है, अथवा उसे
 जिम क्षेत्र का वह निवासी है उनके जिला मेजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाणपत्न की अनुप्रमाणिन/प्रमाणिन प्रतिलिपि यह दिख्यान के लिए प्रस्तुत
 करनी चाहिए कि बह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावातित व्यक्ति
 है धीर 1 जन 1963 को या उसके धाद भारत आया है।

(5) नियम 6 (ग) (6) या 6 (ग) (7) के अन्तर्गत आयु में
छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तजानियां (भूत
पूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन कर आए हुए या जास्त्रिया,
मलाबी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावितत हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र
के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए
अमाण-पत्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विश्वलाने के
लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपयुक्त देशों से प्रक्षजन कर
भाषा है।

(6) नियम 6 (ग) (10) अथवा 6 (ग) (11) के अन्तर्गत आमु सीमा में छ्ट चाहने वालैं ऐसे उम्मीदवार की, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक पुनः स्थापना रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फाम इस आशय का एक प्रमाण–पन्न लेकर उसकी एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए शस्त्र देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांति— ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यचाही के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम--स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार क्रारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म :---प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैंक नं० श्री श्री श्री रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी देश के शसू के साथ संघर्ष में/ श्रमांतिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के बौरान विकलांगहुए और उस विकलागता के परिणामस्वरूप निमुक्त हए।

> हस्ताक्षर

*जो शब्द लागुन हों उसे कृपया काटदें।

- (7) मियम 6 (ग) (12) या 6 (ग) (13) के अक्तगैत निर्धारित आयु में छट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके शिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पक्ष की एक अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (8) जो मूलपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त अधिकारी (आपात-कालीन सेवा कमीशम प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सिंहत) नियम 6(ग) (14) या 6 (ग) (15) की शतीं के अधीन आयुसीमाओं में छूट का दावा करते हैं उन्हें सम्बद्ध प्राधिकारियों से निम्नलिखित निर्धारित प्रपन्न में उन पर लागू होने वाले प्रमाण-पन्न की एक प्रभाणित अनुप्रमाणित अतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए ।

(क) कार्यमुक्त/सेवा निवृत्ति कार्मिकों पर लागू प्रमाणित किया जाता है कि सं० '''''' रैंक, जिनकी जन्म की तारीख ·····से ····तक

सेना/नौसेना/वायु सेना में सेवा की है और निम्नलिखित में से एक मर्तपूरी करते हैं —

(क) उन्होंने पांच या पांच से अधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है और कार्यकाल के समापन पर कदाचार या अक्षमता के कारण बर्खास्त या कार्यमुक्त होने के अलावा अन्य आधार पर कार्यमुक्त हुए हैं।

(च) वे सैनिक सेवा के कारण हुई बारीरिक प्रवर्गता या प्रअमेत
के कारणको कार्यमुक्त दूए हैं।
सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पदनाम
मोहर
स्थान
तारीख
(आ) सेवारत कार्मिकों पर लागू जिनका कार्यकाल 6 महीन के अम्बर
ममाप्त होना है।
प्रमाणित किया जाता दै कि सं∙
रैंकनामनाम
जिनकी जन्म तिथिहै,
में सेवा कर रहे हैं। से
2. उन्हें
सेवा निवृत्त होना है। उनका पांच वर्च का कार्यकाल नक समाप्त होने की
संभावना है।
सम्बन्धारी मा नाम
तमा विनाम
मोहर
स्थान
तारीख
(ग) "ऐसे सेवारत कार्मिकों पर लागू है जिन्होंने पहले ही सेवा की प्रा-
रस्थिक नियुक्ति भविध पूरी कर ली है भौर नियुक्ति की वंदाई
गई मबिंध पर है।
यह प्रमाणित किया जाता है कि सं०
रैंक
सेना/नौसेना/वायु सेना में सेवा कर रहे हैं।
2. उन्होंने पहले ही प्रारम्भिक कार्यकाल की पांच वर्ष की सेवा-
2. उन्होंने पहुल हा आरोन्सर्य कार्यशाल का पाय प्रयास कर्या । ————————————————————————————————————
तक बढ़ाए गए कार्यकाल पर हैं।
 उन्हें सिविल रोजगार में भ्रावेदन पत्न देने के लिए कोई मापित नहीं है
3. उन्हों सिविल रोजगार मिलने पर तीन माह के नोटिस पर कार्यमुक्त किया
जाएगा ।"
सक्षम प्राधिकारी का नाम
तथा पथमान

मोहर

स्वाम तारीच

प्रमाण पक्ष जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित हैं:---

(क) कमीणन प्राप्त अधिकारियों (मापासकालीन कमीणन प्राप्त मधिकारियों/श्रस्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों सहित) के मामले में :---

सेना---मिलिटरी सेन्नेटरीकी गाखा, सेना मुख्यालय, नई दिल्ली । नौसेना--कार्मिक निदेशालय, नौसेना मुख्यालय, नई विस्ली । बायु सेना ---कार्मिक निवेशालय (अधिकारी) बायु सेना नुख्यालय, नई दिल्ली।

- (अ) नौसेना तथा बायु सेना के जूनियर कभीशन प्राप्त श्रधिकारियों। ग्रन्य रेकों तथा समकक्ष श्रधिकारियों के मामले में :— सेना—विभिन्न रेजिमेन्टल रिकार्ड कार्यालयों द्वारा । नौसेना—बी० ए० बी० एस०, बम्बई । बायु सेना—बायु सेना रिकार्ड (एन० ई० ग्रार० डब्ल्बू०),
- (9) नियम 6(ग) (16) या 6(ग)(17) के झन्तर्गत झायु में छूट झौर/या नोटिस के पैरा 7 के झन्तर्गत शुरूक में छूट का बावा करने वाले तत्कालीन पिक्ष्म पाकिस्तान से विस्थापित ब्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक झिधकारी से प्राप्त प्रमाण-पन्न की एक झमुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति यह देशानि के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह तत्कालीम पश्चिम पाकिस्ताम से बास्तविक विस्थापित ब्यक्ति है जो पहली जनवरी 1971 तथा 31 मार्च 1973 के बीच की अविध के दौरान प्रश्नन कर प्राप्त झाया था:——
 - (1) विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट केन्द्रों या राहत शिविरों के कैम्प कमॉडेंट।
 - (2) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां का यह फिलहाल निवासी है।
 - (3) ग्रपने-श्रपने जिले में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी श्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।
 - (4) अपने प्रभार में सब डिबीजन के धन्दर सब डिबीजनल अफकर।
 - (5) शरणार्थी पुनर्वास के उपायुक्त ।
- (10) "मसम के रहने वाले स्यक्ति को जो नियम 6(ग)(20) भ्रमवा 6(ग)(21) के मन्तर्गत भायु सीमा में छूट चाहता है उसको उस जिला मिजस्ट्रेट प्रथवा उप मंडल भ्रधिकारी से जिसके क्षेत्राधिकार में वह साधारणतः निवासी रहा हो इस भ्रागय के प्रमाण-पत्न की एक भ्रभिप्रमाणिन/सत्थापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह । जनवरी 1980 से 15 भ्रगस्य 1985 की भ्रवि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह । जनवरी रहा था।"

जम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाला प्रमाण पत्र का कार्म

<u> </u>	
	कि श्री/श्रीमती/कुमारी
	पुत्री
	तक जिला
ष्टप नंडल-	———के पुलिस स्टेशन——
	———— में ग्रसम राज्य के
प्रवासी रहे थे।	

जिला मस्जिट्ट जिला

उन मंडल सविकारी उप मंडल

मोहर

जारी करने की तारीब:

- 6. जो जम्मीदबार अगर पैरा 5(2) 5(3) 5(4) तजा 5(9) में से कि ती भी वर्ग से सम्बद्ध हैं तथा नोटिस के पैरा 6 के अनुसार गुल्क में छूट का दावा करता है उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपित्र अधिकारी या संबद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थित में नहीं है इस आशय का एक प्रमाण-पत्न लेकर उसकी अनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी होगी।
- 7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्न भाजस्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश विया जा सकता है। किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार के इस्पात और कान मंत्रालय (सान विभाग) या सिचाई मंत्रालय जैसी भी स्थिकि

- हो द्वारा भावश्यक पास्नता प्रमाण-पत्न जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।
- उम्मीदवारों को घेतावनी दी जाती है कि वे भावेदन पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें भ्रथवा किसी महत्वपूर्ण मुखना को न छिपाएं।

उम्मीववार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रनेख अथवा उसकी श्रीत की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थित में न तो ठीक करें न उसमें कोई परिवर्तन करें और न कोई फेर बदल करें और न कोई फेर बदल किए गए/झूठे श्रनेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या उससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. भावेवन-पन्न देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि भावेदन पन्न ही भ्रमुक तारीख को भेजा गया था। भावेदन पन्न का भेजा जाना ही स्वतः इस भात का सूचक न होगा कि भावेदन-प्रपन्न पाने वाला परीक्षा में बेठने का पान्न हो गया है।

भावेदन पत्न की पावती

10. भायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक भावेदन पत्र जिसमें देर से प्राप्त भावेदन पत्र भी सम्मिलित हैं की पावती दी जाती है तथा भावेदन पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या आरी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के भावेदन पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित भंतिम तारीख से एक मास के भंदर पावती नहीं मिलती है नो उसे तत्काल भायोग से पावती हेतु समार्क करना चाहिए।

इस तच्य का कि उम्मीदवार को भ्रावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है भ्रपने भ्राप यह अर्थ नहीं है कि भ्रावेदन पत्न सभी प्रकार से पूर्ण है भौर भ्रायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीववार को अपने आवेवन पक्ष के परिणाम की सूचना यथाशी झ दे दो जाएगी । किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा । यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीववार को अपने आवेवन पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए । यदि उम्मीववार ने ऐसा न किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के वावे से बंचित हो जाएगा।
- 12. संघ लोक से शा घायोग ने "संघ लोक सेवा घायोग की बस्तुपरक परोक्षाओं हेत उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समूल्य पुस्तिका छापी है। वह विवरणिका सं० लो० से० घा० की परीक्षाओं या चयमों के नावी उम्मीदवारों को सहायता वेने के लिए उवेश्य से तयार की गयी है। यह पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, वेहली-110054 के पास विकी के लिए मुनभ है और हमे उनसे सोधे मेन प्रार्डर द्वोपा द्वारा या नकव भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। केवल नहव भुगतान पर इन्हें (।) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया विल्डिंग "सी" ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई विल्ली-110011 पर स्थित प्रकाशन शाखा का विकी काउन्टर और (॥) गर्वनीमेंट प्राप्त इण्डिया बुक विषो, है के लएस राय रोड, कतकता-। से भी लिया जा सकता है। यह मैनुधल भारत सरकार के प्रहारों के विभिन्न पृतिस्थल गहरों में स्थित एजटों से भी उपलब्ध है।
- 13. घावेवन-पर्वों से सम्बद्ध पत्न-व्यवहार:—प्यावेवन-पर्वों से सम्बद्ध सभी पत्न आदि मित्रव, मंद्र लोक सेवा प्रायोग, घौलपुर हाउम, शाहजहीं रोड, नई दिल्थी—110011 को भेजे जाये तथा उनमें नीचे लिखा स्पोध अनिवार्ग रूप से दिया आए।
 - (1) परीक्षा का नाम
 - (2) परीक्षा का महीना भीर वर्ष

- (3) उम्मीववार की धावेदन पंजीकरण संख्या,धनुकर्माक झयवा जन्म की सारीख यदि ग्रावेदन पंजीकरण संख्या,धनुकर्माक सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े मक्षरों में) ।
- (5) भावेदन पत्र में दिया गया डाक का पता।

इमान वें (i) जिन पक्षों अ(दि में उपर्युक्त स्थौरा नहीं होगा, संभवतः जन पर इमान नहीं विथा जाएगा।

इमान वें (ii) यदि परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उप्पीदवार से पक्षाप्रियण प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा मान और प्रमुक्तमांक नहीं दिया गया है तो उत पर क्यान नहीं दिया जाएगा भीर को। कार्यवाही नहीं की जलांगा।

14. पते में परिवर्तन: -- उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था करनी चाहिए कि उसके प्रावेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र प्राप्ति, श्रावव्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर प्रायोग को उसकी सूचना उपिक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्योरे के साथ यथाशीझ की जानी चाहिए। यथिप प्रायोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयश्न करता है किस्तु बहु इस विषय में कीई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

मृतुबन्ध-II जन्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

(क) बस्तुपरक परीक्षण :

ग्राप जितारी मां में मैठी वाल है जह "वस्तु रक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में प्राप्ती उत्तर लिखते नहीं होंगें। प्रत्येक प्रश्न (जिसकी ग्रागे प्रश्मीण कहा जाएगा) के जिये कई सुमाए गए उत्तर (जिसकी भागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नीय के लिये ग्रापकी एक उसर चुन लोना है।

इस जिनरिणका का उद्देश्य ग्रापके इस परीक्षा के बारे मैं कुछ जनकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिजित न होने के कारण ग्रापको कोई हानि न हो।

(ब) परीकाण का स्वरूप:

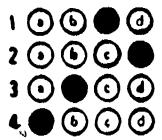
प्रश्न पत्र "प्रश्न पुस्तिका" के स्व मं होंगे। परीक्षण पुस्तिका केवल बांग्रेजों में होगी। इस पुस्तिका में कम तंश्वा 1, 2, 3 आदि के कम में प्रश्नाय होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे (ए, बी, सी, डी) चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। बापका काम एक सही या यदि बापको एक से बाबिक प्रत्युत्तर सही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (ब्रंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए जापको एक सही प्रत्युत्तर चुन लेते हैं तो बापका प्रत्युत्तर चुन लेते हैं तो बापका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधिः

परीक्षा भवन में मापको एक मलग उत्तर पत्नक दिया आएगा, जिसकी एक नमूचा प्रति भापको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेज दी आएगी। भापको भपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर भन्य किसी कागज पर लिखें गए उत्तर नहीं जावे जायेंगे।

उत्तर पत्नक में प्रश्नाशों की संबमायें 1 से 160 तक चार चंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नाश के सामने ए, बी, सी, डी चिह्न वाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। प्रश्न, पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाश को पढ़ लेने भीर यह निर्णय करने के बाद कि कौन मा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है ग्रापको उस प्रत्युत्तर के प्रकार वाले वृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर भंकित कर देना है, जैसा कि (ग्रापका उत्तर

दर्शान के लिए) नीचे विखाया गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



बह जरूरी है कि:--

- प्रश्नाक्षों के उत्तरों, के लिए केवल प्रकड़ी फिल्म की एचं विकि पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं ग्रीर उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान की बवलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिये भाव भ्रपने लाज एक रजक् भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐस भसाववानी न हो जिससे वह कट जाये वा उसमें मोझ न सिलवट भ्रादि पढ़ जाए वा नह खराब हो जाए।

(भ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम:

- प्रापको परीक्षा प्रारम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीत मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा ग्रीर पहुंचते ही ग्रवना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण गृह्य होने के 30 मिनट के बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा गुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा चयन छोड़ने की घनुमति नहीं मिलेगी:
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका ध्रीर उत्तर पत्रक, निरीक्षक पर्यवेक्षक को सीप वें। धापको प्रक्रन पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर से जाने की धनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंधन करने वर्ष कड़ा दण्ड दिया जाएगा।
- 5. भ्रापको परीक्षा भवन में उत्तर पत्नक पर कुछ विधरण भरता होगा। तथा उत्तर पत्नक पर कुछ विधरण भी कटुबढ़ फरता होगा। इनके बारे में अनुशेश भ्रापके प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेज विधे जाएंगे।
- 6. परीक्षण पुस्तिका में दिये गये सभी अनुवेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पढ़क पर कोई अविष्टि संविष्ध है, तो उस प्रकाश के प्रत्युत्तर के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेशक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेशक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहे तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. माप प्रपत्ता प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लाएं, प्रापको प्रपत्ने साथ एक एवं बी॰ पेंसिल, एक रवंद्र, एक पेंसिल शार्पनर भीर भीती वा काली स्याही वाली कनम भी लाती होगी। प्रापको सलाह वी जाती है कि प्राप अपने साथ एक-एक किन्न बोई या हाई बोई वा काई बोई जी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। प्रापको परीक्षा मवन में कोई बाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या भारेखण उपकरण नहीं लाते हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिये प्रापको एक प्रलग कागज विया जाएगा। ग्राप कच्चा काम शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, प्रपता रोल नम्बर भीर परीक्षण की तारीख लिखें भीर परीक्षण नमान्त होने थे बाद उने प्रयो उसर पन्नक के साथ पर्यवेशक को वापस कर दें।

(ङ) विशेष प्रमुदेश :

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरोधक आपको उत्तर-पत्रक देंगे। उत्तर-पत्रक पर अपेक्षित सुचन। भर वें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर अपयह अवश्य वेख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यवा, उसे बदलवा लें। प्रश्त पुस्तिका को खोलने से पहले उसके प्रवस्म पृथ्ठ पर प्रपने अनुक्रमांक लिखिये। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की प्रत्मित नहीं है जब तक प्रयंथे अकं ऐसा करने के लिये न कहीं।

(च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि, इस परं। क्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेका शुद्धता को जीवता है, फिर भी यह जबरी है कि आप प्रपन्ने समय का य्यासंभव दक्षता से उपयोग करें। सन्तुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं करें, पर लापरवाहीं न हो। आप मधी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हीं तो विस्ता न करें। आपको जो प्रश्न अस्पन्त कठिन मालूम पड़े उस पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की भोर बड़ें भौर उन कठिन प्रश्नों पर बाब में विचार करें।

क्षमी प्रथमाशों के श्रंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर हैं। आपके द्वारा शंकित सही प्रस्मुत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको शंक विये जायों। गलत उत्तरों के लिए शंक नहीं काटे आयेंग।

(छ) परीकाण का समापन :

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर में । आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं से जार्ये ग्रीर आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें । आपको परीक्षण-पुस्तिका भीर उत्तर-पत्नक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ने जाने की अनुमति नहीं है।

नमूमे के प्रश्नीश (प्रश्न)

(मोट--*सही/सर्वोत्तम उत्तर विकल्प को निर्विष्ट करता है)।

1. (सामान्य अध्ययन)

बहुत क्रंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा काम से निम्नलिखिस में से किस कारण से पन्त साथ होता है:---

- (a) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाव वायुमव्यक्त के वास से अधिक होता है।
- (c) रक्त बाहिकाओं की अन्यक्सी तथा बाहरी शिरामों पर दाव समान होता है।
- (d) रक्त का दाव वायुमण्याल के दाव के अनुवस्य भटता बखता है।

2 (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (কুৰি).

अरहर में, पूर्लों का सड़ना निस्निलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- *(a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड्काम ।
 - (b) दूर-दूर पौधे लगाना ।
- (c) सही ऋष्टु भें पौद्ये लगाना।
- (d) बोबे-बोबे फासले पर पौधे लगामा।

4 (रसायन विज्ञान)

H3VO4 का एमहाईड़ाइड निम्नलिखित में से क्या होता है :---

- (a) VO_3
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- *(d) V₂O₃

5. अर्थशास्त्र

श्रम का एक।धिकारी ग्रीयण निस्निलिश्वत में से किस स्थिति में होता है।

- *(a) सीमान्त राजस्व उत्पाद क्षे मजधूरी कम हो।
- (b) मजबूरी तथा सीमान्त राजस्य उत्पादन दोनों बराबर हों।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजुस्य उत्पाद से अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमान्त मौतिक उत्पाद के बराबर हो।

(वैद्युत इंजी नियरी)

एक समाक्ष को रेखा अपेक्षित पैरावेखुतांक 9 के पैरावेखुत से सम्प्रित किया गया है। यदि C मुक्त अन्तराल में संवरण केग वर्गाता है तो शादन में संवरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (मू-विज्ञान)

बेसास्ट में प्लेजियाक्लोत क्या होता है ?

- (a) आलिगोक्लेज
- *(b) सैबोडोराइट
- (c) एक्काइट
- (d) एमाचीहट

в (गणित)

d²y dy मूल ब्रिन्दुसेगुअरनेवाला मौर ---- == Оसमीकरणको dx² dx

संगत रखने वाला वक-परिवार निम्निलिखित में से किस से निविष्ट है ?

- (a) y=ax+b
- (b) y=ax
- (c) $y=ae_x \times be_x$
- *(d) y+aox-a

9. (भौतिकी)

एक आवर्ष कम्मा इंजन 400° K और 300° K तापकम के मध्य कार्य करता है । इसकी समता निम्निक्षिक में से क्या होगी ?

- (a) 3/4
- *(b) (4--3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (शंक्यिकी)

यदि दिपद विभार का माध्यम 5 हैं तो इसका प्रसरण निष्न-जिखित में से क्या होगा?

- (8) 4^2
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) <u>-</u>5

11. (मृगोस)

अर्मा के दक्षिणी माग की अत्यधिक समृद्धि का कारण निस्नलिखित में से क्या है ?

- (a) यहाँ पर खनिज साधनों का विपूल भंडार है।
- *(b) वर्माकी अधिकाश नदियों का डेस्टाई भाग है।
 - (c) यहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है ।
 - (d.) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसो माग में हैं।

12. भारतीय इतिहास

बाह्मणवात के संबंध भे निस्तिल बित में री क्या सत्य नहीं है?

- (a) बौद्धधमं के उत्कर्ष किल में भी बाह्मणयाद के अनुषापियों भी संख्या बहुत अधिक थी।
- (b) **बाह्य**णवाद बहुत अधिक कर्मकाण्ड आरेर आडम्बर से पूर्ण धर्मथा।
- *(c) शाह्यप्रवाद के अभ्भूषय के साथ-अलि संबंधी यज्ञा कर्मे का महत्व कम हो गया ।
 - (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

13. (वर्शन)

निस्निखित में से निरीश्वरवाटी दर्शन समृह कौन सा है?

- (a) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (b) न्याय, वैशेषिक, जैन ग्रीर सौद्ध, जार्वाक
- (c) अर्डत, जैदान्त, सांख्य, चार्जाक, योग
- *(d) थीड, सांचय, मीमांसा, चाविक

14- (राज्ञमींति विज्ञान)

'बृत्तिगत प्रतिनिधान' का अर्थ निम्नलिखित में से क्या 🛊 ?

- "(a) व्यवसाय के आधार पर विधानमंद्रल में प्रतिनिधियों हा निजीवन ।
 - (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव ।
- (d) अमिक संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

15 (मनोविज्ञान)

क्षक्य की प्राप्ति निम्नलिखित में किस को निर्वेशित करती 🕻 ?

- (a) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में वृद्धि
- *(b) माबातमक अवस्था में म्यूनता
- (c) भावहारिक अधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण अधिगम

16. (समाजशास्त्र)

भारत में पथायती राज संस्थामीं की निम्न में से कीन सी है?

- *(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को ग्रीप्रचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है ।
- (b) खुआछूत कम सुद्दे है।
- (c) मंचित वर्गों के लोगों को भूस्त्रामित्त का लाभ मिना है।
- (d.) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ। है।

टिप्पणी---उम्मोदवारों को यह ध्यान में रखना चाहिए कि उपर्युक्त ममृते के प्रश्नांग (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं भौर यह जकरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हो ।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delbi-110 011, the 1st September 1986

No. A.38013/12/85-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri Bhagirathi Kumar, a permanent Assistant and officiating Section Officer on ad hoc basis in the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st August, 1986 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Estt(A) dated the 24th November, 1973.

The 3rd September 1986

No. A.38012/2/86-Admn.II.—In pursuance of Deptt. of Official Language letter (No. 5/5/86-OL(S)) dated 22-7-1986 wherein his request for voluntary retirement from Government service has been accepted, Dr. I. P. Rao, Director (OL) of CSOL Service and officiating as Director (Lang. Medium), Union Public Service Commission has relinquished the charge of the office of Director (Lang. Medium) in the Commission's office w.e.f. 3-9-1986 (F.N.).

M. P. JAIN, Under Secy (Admn.) Union Public Service Commission.

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 8th September 1986

No. 3/34/86-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri J. B. S. Negi, IPS (WB-1976) as Superintendent of Police, on deputation basis. in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 14th August. 1986 and until further orders.

No. 3/38/86-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri J. C. Dabas, IPS (MT-77) as Superintendent of Police, on deputation basis, in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 26th August, 1986 and until further orders.

The 9th September 1986

No. 3/33/86-AD.V.—In modification of H.O. Notification of even number dt. 31-7-86, the Director. Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri D. P. Popli a Grade III officer of Central Secretariat Official Language Service as Hindi Officer in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 16th July, 86, and until further orders.

D. P. BHALLA, Administrative Officer (E), CBI.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110 003, the 5th September 1986

No. F.2/51/86-Estt-CRPF.—The President is pleased to sanction proforma promotion to Inspector R. S. Negi of CRPF who is presently on deputation with Goa Police, to the rank of Deputy Superintendent of Police in the CRPF w.e.f. 14-6-1986.

KISHAN LAL Deputy Director (Estt).

New Delhi-110 003, the 8th September 1986

No. O.II-2245/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Arun Prasad as General Duty Officer, Grade-II

(Deputy Superintendent of Police/Company Commanderin the CRPF in a temporary capacity with effect from 8th August, 1986 (F/N) till further orders.

The 10th September 1986

No. D.I.5/85-Estt-1.—The services of Shri J. L. Kapoor, Asstt. Commandant, 1st Signal Bn., CRPF are placed at the disposal of the Director General, Civil Defence, New Delhi on deputation basis with effect from 31-7-86 (A/N).

M. ASHOK RAJ Asstt. Director (Estt.).

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)
ANDHRA PRADESH

Hyderabad-500463, the 9th September 1986

OFFICE ORDER NO. 133

No. Admn.I/A&E/I/4-6|86-87.—The Accountant General (A&E) is pleased to promote the undermentioned Section Officer to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the date shown against his name, until further orders.

Name and Date of assumption of charge

Shri B. Penchalaiah—1-9-86 (A/N).

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, if any, and is also subject to the result of the writ petitions pending in the Andhra Pradesh High Court/Supreme Court.

(\$d./-) ILLEBILE Depputy Accountant General (Admn.).

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 8th September 1986

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 1/9/82-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri O. P. Gahrotra, IAS (MH:69) Joint Chief Controller of Imports and Exports as Export Commissioner (Pay Scale Rs. 2000-2250/-) in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 10-6-1986 until further orders.

R. L. MISRA, Chief Controller of Imports & Exports.

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 28th August 1986

No. 1/4/86-DCH/Estt.1(Vol.V).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Nayyar, Section Officer in the Joint Cadre of Ministries of Commerce & Textiles as Assistant, Director Grade-I (Non-Technical) on deputation basis in the Central Office of Enforcement Machinery, Delhi with effect from the forenoon of 7-4-1986, until further orders.

No. 1/4/86-DCH/Estt.I(Vol.VI).—The President is pleased to appoint Shri R. Bhattacharya, Technical Investigator in the Powerloom Service Centre, Office of Textile Commissioner, 24-Parganas (West Bengal) as Assistant Director Grade-I (Tech.) on deputation basis in the Central Office of Enforcement Machinery, Delhi with effect from the forenoon of 12th May, 1986, until further orders.

N. N. VASUDEV, Addl. Development Commissioner for Handlooms.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE ECONOMIC ADVISER

New Delhi, the 4th September 1986

No. A-20020(3) /86-Ec.Ad.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Gautam, an Indian Economic Service (Probationer) XVI Batch as Research Officer in the Office of the Economic Adviser, Ministry of Industry with effect from the forenoon of 1st August, 1986.

MANMOHAN SINGH Economic Adviser.

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 10th September 1986

No. A-19018(731)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Ram Dhan Bairwa as Assistant Director (Gr. I- (Chemical) at Branch Small Industries Service Institute, Rayagada under Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 28-2-86 until further orders.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND

DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION: A-6)

New Delhi-110 001, the 28th August 1986

No. A-17011/85/75-6.—Shri H. N. Chakravorty, officiating Inspecting Officer (Textiles) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, Bombay on his reversion to the post of Assistant Inspection Officer (Textiles relinquished the charge of the post of Inspecting Officer (Textiles) in the afternoon of 31st July, 1986. Shri Chakravorty assumed the charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Textiles) on the same day in the same office.

The 5th September 1986

No. A-6/247(580).—On reversion, Shri S. K. Pandey, officiating Director of Inspection on ad hoc basis relinquished charge of the office of Director of Inspection at Calcutta on the forenoon of 25th July, 1986 and assumed chare of the office of Dy. Director of Inspection (Met.) in the office of Director of Inspection (Met.) at Tatanagar on the forenoon of 30th July, 1986.

R. P. SHAHI, Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 8th September 1986

No. EI-2(1)/85.—The undersigned hereby appoints Shri K. P. Chatterjee, Superintendent, to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office w.e.f. 1-9-86 (F/N) on temporary basis against leave vacancy of Shri Kartick Dutta, Assistant Iron & Steel Controller.

D. K. GHOSH Iron & Steel Controller.

Calcutta-20, the 8th September 1986

No. EI-2(8)/82.—Iron and Steel Controller hereby appoints Shri K. K. Gayen, Assistant, now on deputation to

Regional Iron and Steel Control, Calcutta, as Inspector, to officiate in the post of Senior Personal Assistant on ad-hoc basis with effect from 1-9-1986 (I'/N) for a period of 6 months initially.

No. Ft-12(43)/82.—Shri Nirmal Chukraborty, Senior Personal Assistant, appointed to the post vide this office Notification of even number dated 15-12-84, on ad-hoc basis, is hereby reverted to his substantive post of Assistant w.e.f. 1-9-86 (F/N). This issues with the approval of Iron & Steel Controller.

S. K. SINHA Dy. Iron & Steel Controller

KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-6, the 5th September 1986

No. 6190B/A-19012(1-VPS)/84-19A.—Shri V. P. Sharma is appointed by the Director General as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3-6-1986, until further orders.

A. KUSHARI, Director (Personnel).

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 8th September 1986

No. A.19011(240)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri Y. P. Dubey, officiating Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Miens in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 31-7-1986, until further orders.

No. A.19011(24)/85-Estt.A.Vol.V.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri Suresh Chand, permanent Regl. Controller of Mines to the post of Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 28th July, 1986, until further orders.

No. A.19011(208)/85-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shrl Gurachary, officiating Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines, in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 31-7-1986 until further orders.

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 8th September 1986

No. A-12026/6/86-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri A. C. Dutta a permanent Assistant of the CSS Cadre of the Ministry of Information and Broadcasting to officiate as Supervisor on deputation basis in this Directorate with effect from the forenoon of 2nd September, 1986.

S. L. SINGLA Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE (DEPARTMENT OF HEALTH)

New Delhi, the 3rd September 1986

No. A.31011/1/85-PH(F&N).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. K. Sarkar to the post of Jr. Analyst in the Central Food Laboratory. Calcutta with effect from 26th March, 1979 in permanent capacity.

J. C. JAISANI Asstt. Director General (PEA) for Director General of Health Services.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 11th September 1986

No. A-38012/6/85-Admn-I.—On attaining the age of superannuation Shri S. D. Matange, Senior Architect of this Directorate retired from Government Service on the afternoon of 31st July, 1986.

P. K. GHAl Dy. Director Administration (C&B).

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 5th September 1986

No. Ref. R-1682/DD/Est.II/3650.—Shri Patchipulusu Chandrasekhara Rao, Scientific Officer/Engineer, Grade SB, Desalination Division has been removed from service w.e.f. 25-3-86 by Director, Bhabha Atomic Research Centre in exercise of powers conferred on him under the Central Civil Services (CCA) Rules, 1965.

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 4th September, 1986

No. 05052/A ug. 85/3763—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints the following officers of Heavy Water Plant (Baroda) as detailed below until further orders:—

Sl. No.			Present post held		Post to which appointed	Date on which appointed
1	2			3	4	5
S/5	Shri					
1. D	P. Vyas			SA-C	SB	1-8-85
2. J.1	M. Lakdawala			SA-C	SB	1-8-85
3. L	.H. Patel			SA-C	SB	1-8-85

No. Ref. 05012/R/7/3764.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Killikulangara Maman Velayudhan, Assistant Accountant, Indira Gandhi Centre for Atomic Research to officiate as Assistant Accounts Officer in Heavy Water Project (Manguru) w.e.f. June 12, 1986 (FN) in a temporary capacity until further orders.

The 9th September 1986

No. Ref. 05012/R5/OP/3810.—Chief Executive, Henvy Water Projects appoints Shri Shiv Charan Herma Birua,

Upper Division Clerk of Henvy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same project, in a temporary capacity on ad hoc basis w.e.f. April 14, 1986 (FN) to May 24, 1986 (AN) vice Shri D. N. Nair. Assistant Personnel Officer, granted leave.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer.

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 1st August 1986

No. 6/39/84-CED(H)/8805.—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint on promotion Kum. D. Lalitha as Assistant Accounts Officer in the Civil Engineering Division of the Department of Space, Bangalore, in an officiating capacity with effect from the forenoon of June 26, 1986 and until further orders.

The 7th August 1986

No. 6/39/84-CED(H)/9091.—Chief Engineer. Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Shri K. J. Jayanarayanan as Engineer-SB in the Civil Engineering Division, Department of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27-1-1986 and until further orders.

K. INDIRA DEVI Administrative Officer-I for Chief Engineer.

Bangalore-560 009, the 1st September 1986

No. 6/39/84-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Kum. Shobha Varghese as Engineer-SB in the Civil Engineering Division, Department of Spapee, Trivandrum in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6-3-1986 and until further orders.

K. E. RAVINDRANATHAN Administrative Officer-II for Chief Engineer.

INSAT-1 MASTER CONTROL FACILITY

Hassan-573 201, the 28th July 1986

No. MCF.ADM.EST.GN.032.—Project Director, INS AT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appopint Shri G. Satyanarayana Raju as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the 24th July 1986, and until further orders

No. MCF.ADM.EST/GN.033.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to to appoint Shri H. Premananda Shenov as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the 25th July 1986, and until further orders.

V. K. NAIR Administrative Officer for Project Director.

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION LIQUID PROPULSION SYSTEMS UNIT

Bangalore-560 017, the 4th September 1986

No. 8/247/83-Adm.—Shri P. C. Raveendran Pillai is officiating capacity with effect from the forenoon of August appointed as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880—EB-40-960/- in an 21, 1986 and until further orders in Liquid Propulsion Systems Unit, Bangalore.

A. E. MUTHUNAYAGAM, Director

OFFICE OF THE

DIRECTOR GFNERAL OF CIVIL AVIATION New Delhi-110 066, the 14th August 1986

CORRIGENDUM

No. A.32014/1/86-EC(.).—In partial modification of this office Notification of even number dated May 30, 1986, the date of appointment of Mr. M. KRISHNAN to the grade of Assistant Technical Officer on ad hoc basis in the pay scale of Rs. 650—1200/- may be corrected as March 11, 1986 in place of March 04, 1986.

M. BHATTACHARJEF, Dy. Director of Administration

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 10th September 1986

No. 15.86.—Shri K. L. Sonkar lately posted as Superintendent Central Excise Division II kanpur on his transfer to the North Regional Unit Office of the Directorate General of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi assumed charge of the post of Inspecting Officer, Group 'B' on 28-7-86 (F.N.).

No. 16/86.—Shri H. L. Luthra lately posted as Superintendent, Central Excise Collectorate, Jaipur on his fransfer to the office of the Directorate General of Inspection. Customs & Central Excise, New Delhi, assumed charge of the post of Inspecting Officer, Group 'B' on 18-8-86 (F.N.).

H. M. SINGH, Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 5th September 1986

CORRIGENDUM

No. A-19012/1160/85-Estt.—The last line of this Office Notification No. A-19012/1160/85-Estt.V, dated 4th June, 1986 appointing Shri S. N. Dhar, Supervisor to officiate in the grade of Extra 'Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) may be read as under:—

FOR

from the forenoon of 24-1-86

READ

from the forenoon of 23-1-86.

The 8th September 1986

No. A-19012/1189/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shrimati Josephine Mary Peter,

Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director. Assistant Engineer (Fngg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—880—40—1000—FB—40—1200/— for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 25-8-1986.

No. A-19012/1192/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ved Ram Sharma, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 2nd July, 1986,

D. KRISHNA, Under Secy. Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 2nd September, 1986

No. 32/3/85-ECH—On attaining the age of superannuation, the following officers of the CWPD belonging to the CES Group 'A' and working as EE(C) in the office mentioned against each have retired from Govt, service with effect from the dates indicated against their names;—

Sl. No.			Date of retirement		Last posting station and designation	
1	2			3	4	
	S/Shri					
1.	S.P. Gupta	•	•	31-8-86 (AN)	FE(C), HQ, Delhi Central Circle, V, CPWD, New Delhi.	
2.	T. Venkat Rao	•		31-8-86 (AN)	EE(Val.), Income Tax Deptt., Calcutta	

PRITHVI PAL SINGH Dy. Dir. of Administration for Director General

New Delhi, the 10th September 1986

No. 33, 2/83-EC 1X.—The President is pleased to appoint Shri Sanjeev Kapoor, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 18-8-86 (FN) on the usual terms and conditions.

2. Shri Sanjeev Kapoor is placed on probation for a period of two years with effect from the date of his appointment.

PRITHVI PAL SINGH Dy. Dir of Administration

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 21st July 1986

Ref. No. 9/1986-87,---Whereas, I. T. GORAKNATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 6-3-345/1 & 6-3-345/1/1 at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid pacceds the apparent consideration therefor by more than difteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:-

(1) M/s. R. C. Foundry Forge Ltd., Represented by its Secretary, Shri Sudhir Ranjan Sen Gupta Regd. Office: H. No. 6-3-569/1/7, Khairtabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Banjara Hospital (P) Ltd. Represented by Shri K. Chenna Reddy, S/o Shri K. S. Reddy, Regd. Office: No. 6-3-1099/2, Rajbhavan Road, Somajiguda, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the anid Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property bearing Municipal No. 6-3-345/1 & No. 6-3-345/1/1, situated at Somajiguda, Banjara Hills, Hyderabad, admeasuring 1000 sq. yds. registered with the Joint Sub Registrar, Hyderabad vide document No. 47/86.

> T. GORAKNATHAN Competent Authority 'nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 21-7-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACCOUNTION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 21st July 1986

Ref. No. 10/1986.—Whereas, I, T. GORAKNATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 9, Block No. 3, at IDA, Uppal, Hyderabad

Plot 140. 9, Block No. 3, at IDA, Uppal, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registe ing Officer at Uppal in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than after per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of the said instrument of the sai

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. L. V. R. Oils & Fats (P) Ltd., Represented by the Chairman & Managing Director. Shri L. V. Ramaiah, Regd. Office: No. 2, Thethamuthiappan Street, Madras.

(Transferor)

(2) M/s. Midland Leasing Ltd., Represented by Shri R. S. N. Raju, Managing Director, Regd. Office: No. 34, Nagarjuna Hills, Hyderabad-500482.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Piece of land admeasuring roughly 4.798 acres (1.94 acctares) bearing Plot No. 9. Block No. 3, Industrial Development Area. Uppal, Hyderabad (which Industrial Development Area is covered by Survey Nos. 581/1, 581/2, 582 and 583) registered with the Sub Registrar, Uppal vide document No. 1782/1986.

T. GORAKNATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 21-7-1986

FORM ITNS-

(1) Shri Shivchandrai Zunzunwala Charitable Trust, Satidham, Amravoti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hindustan Cotton Co., 353, Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR

Nagpur, the 23rd July 1986

No. 1AC/ACQ/2/17/86-87.—Whereas, I,

A. K. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F. Block, 8000 Sq. Ft. Floor in Satidham, Complex,

Amravati

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB in the office of the Competent Authority, O/o the I.A.C. Acq. Range at Nagpur on 30-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :—
 - (a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

F Block 8000 Sq. Ff. Floor in Satisham Complex, Amravati.

> A. K. JAIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 23-7-1986.

FORM ITNS

(1) M/s. Jayshree Construction Co., Lokmat Bhavan, Wardha Road, Nagpur.

(Transferor) (2) M/s. Shree Saithnath Paper & Pulp Mills Pvt. Ltd., West High Court Road, **Nagpur.**

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHEMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 6th May 1986

No. IAC./ACQ/1/17/86-87.—Whereas, I, A. K. JAIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing office No. 501 to 512 B-Wing and 505 to 509 A-Wing 5th

floor Lokmath Bhavan, Wardha Road, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB in the office of the Competent Authority, O/o the 1.A.C. Acq. Range at Nagpur on 2-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

1) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 501 to 512 in B-Wing and 505 to 509 in A-Wing, 5th Floor Lokmat Bhavan, Wardha Road, Nagpur.

> A. K. JAIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-5-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 5th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7069/1985-86.—Whereas, I, ANJAN1 KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing

Rs. 1,00,00/- and bearing
Flat No. 3 & 4 on ground floor and Flat No. 13, 14, 15, 16
on 3rd floor in Building "B" Ganatra Complex at S. No.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
566/16 Bibwewadi, Pune-37

at I.A.C., Acqn. Range. Pune in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the putils has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and loτ

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Ganatra Builders, C.T.S. No. 582, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) M/s New India Assurance Co. Ltd., 2420 Gulmohar Apartments, General Thimayya Road, Punc-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other reason interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 & 4 on ground floor and flat No. 13, 14, 15, 16 on 3rd floor in Building "B" Ganatra Complex at S. No. 566/16 Bibwewadi, Pune-37.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7069/1985-86 in the month of Feb., 1986.)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 5-8-1986

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 30th July 1986

JΛC-ΛCQ/CA-5 '37EE 6975|1985-86.-Ref. No. Whereas, I, ANIANI KUMAR, being the Conpetent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ro. 100.000/- and bearing
No. Property at 811/118 Sindi Co-operative Housing Society, Aundh Pune 7

Aundh, Pune-7,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Mr. Prakash B Thadani, 'Apana Ghar'' Shankarshet Road, Pune-9.

(Transferor)

(2) Mrs. Janaki V Desai, 5 Jenkins House, Herry Road, Colaba, Bombay-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; or bear

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incoow tax Act, 1922 (11 cf 1922) or the said Act : the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 811/118 in Sindh Co-operative Housing Society, Aundh, Pune-7.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6975/1985-86 in the month of Feb. 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-7-1986

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 30th July 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/7566/1985-86.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Property at Lonavala, Tal. Maval, Registration Sub-District Maval, Dist. Pune,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). Las been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C.,

Acqn. Range, Pune on Feb 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) (1) Soli Jamshed Lam, 128 Harley Street, London WIN IAH, U.K.

(2) K. R. Alpaiwala, Everest House, Carmicbael Road, Bombay.
(3) Jimmy P. F. Shroff, C/o Little & Co.

Central Bank Building, Fort, Bombay. (Transferor)

(2) Mrs. Piloo Fali Bomanji, Amarchand Mansion, Madame Cama Road, Bombay,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Lonavala, Tal. Maval, Registration Sub-District Maval, Dist. Poona, bearing S. Nos. 12(A) (Part) R.S. No. 103 E-2, C.T.S. No. 12B, R.S. No. 104A, C.T.S. No. 11B and R.S No 103G, C.T.S. No. 14.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under the document No. 7566/1985-86 in the month of February 1986.

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 30-7-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 5th August 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/6664/1985-86,—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sub Plot No. 8, Pushpak Co-operative Housing Society Final Plot No. 23, Town Planning Scheme, Yerwada, Pune, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer atl.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

17-266 GI/86

- Shri Tayab Asgarali Quettawalla & Smt. Shrinbai Asgarali,
 Sub Plot No. 8, Pushpak Co-operative Housing Society, Final Plot No. 23, Town Planning Scheme, Yerwada, Pune.
 - (Transferor)
- Shri Ravindernath Ramnath Sharma,
 Park West, 6 Union Park, Bandra (W), Bombay.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sub, Plot No. 8, Pushpak Co-operative Housing Society, Final Plot No. 23, Town Planning Scheme, Yerwada Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under under document No. 6664 1985-86 in the month of Ian. 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 5-8-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 1st April 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/6843/1985-86.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. bearing C.S. No. 171, H. No. 896, Nana Peth, Pune,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most han fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ed 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Depressed Class Mission Society of India, 896 Nana Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Beejay Associates (Contracts) Pvt. Ltd. 29/30 Mahatma Gandhi Road, Pune-1. (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bearing C. S. No. 171, H. No. 896 Nana Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under under document No. 6843/1985-86 in the month of Feb. 1986.

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 1-4-1986

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Pinkai Nag, 89/7 RB II C. Rly. flats,

Kurla (E), Bombay (Transferce)

Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road)

(1) M/s. Nirman Associates, 40-41 Vishal Shopping Centre,

Andheri (E), Bombay.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th April 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/10796/1985-86/86-87.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 206 on second floor in NIRMAN VIKAS at

Nirman Nagar, Nalasopara (W),

situated at Nalasopara (W),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LA.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 206 on second floor in NIRMAN VIKAS at Nirman Nagar, Nalasopara (W).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 10796/1985-86 in the month of Feb.

> ANIL KUMAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under subSection () of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-4-1986

FORM ITNS

(1) Smt. V. C. Agarwal and Shri P. C. Agarwal, 999 C. Navi Peth, Pune.

(2) Shri Rajkumar P. Shewani & Mrs. B. R. Shewani, 9/162 Meera Society, Shankershet Road, Pune-37

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th February 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/7207/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office accommodation No. 4, Hiramoti Building, Mayanagari Co-operative Hsg. Soc. Ltd. 619 Sadashiv Peth, Pune-

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1986

Acqn. Range, Pune on Feb. 1986 for an apparent consideration which is I ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslithmax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Office accommodation No. 4. Hiramoti Building, Mavanagari Co-operative Housing Society Ltd. 619 Sadashiv Peth, Jajirao Road, Pune30. (Area 800 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7207/1985-86 in the month of February, 1986).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27-2-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th February 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/10792/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, on 2nd floor in New Sarvodaya Plot No. 29-B Sector 4, Vashi, situated at Vashi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C.,

1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C.,

Acqn. Range. Pune on Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transter; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to or disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1923 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269O of the said Act, to the following Persons, namely :--

(2) M/s. Ghruh Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road), Andheri (E), Bombay.

/Transferor)

Shri Trilok Singh, E-2/5 Sector 5, Vashi, New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on second floor in NEW SARVODAYA, Plot No. 29-B, Sector 4, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under under document No. 10792/1985-86 in the month of Feb. 1986.

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date : 18-2-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th August 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/6834|1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Office No. 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14 and 15 on first floor at Aurora Towers, 9 Moledina Road, Pune-I.

situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C.,

Acqn. Rauge, Pune on Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Sharat Promoters, Maneck Hall, 2 East Street, Poona-1.

(2) M/s. Peerless General Finance & Investment, Co. Ltd. "Peerless Bhavan" 3 Esplanade East, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Office No. 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14 and 15 on first floor at "Aurora Towers" 9 Moledina Road, Punc-1.

(Area 11000 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.. Acquisition Range, Punc, under document No. 6843/1985-86 in the month of February 1986.

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-2-1986

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Midlands, Plot No. 54, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Transferee)

(2) Mrs. Letty D'Souza, 73/2610 Tilak Nagar, Chembur, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/10220/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR.

whereas, I, ANIL KUMAK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 54, Sector 17, in building called Mon-Bijou, Flat No. F. 7 Illrd floor, Vashi, New Bombay, situated at Vashi, (and more fully described in the Schedule arrayed beated)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.A.C., Acqu.

Range, Pune on Dec. 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 54, Sector 17, in building called Mon—Bijou, Flat No. F 7, IIIrd floor, Vashi, New Bombay. (Area 750 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10220/1985-86 in the month of Dec. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 3-2-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Power of attorney Holder, Jivanbhai G. Patel, Diwanman, Vasai, Dist. Thanc.

Shri Janardan Vaman Patil & Others,

(Transferor)

(2) M/s. Vishwakarma Nagar, Vishwakarma Niwas, Station Road, Vasai (W) Dist. Thanc.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th February 1986

No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/552[19.— Whereas, J. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 2, S. No. 16, H. No. 4, situated at Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thbe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 S. No. 16, H. No. 4, situated at Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai, under document No. 552/1985-86 in the month of Feb. 1986).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 18-2-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 31st March 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE|764/1985-86.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.T.S. No. 1251/A Municipal Committee No. 780/A Gaidhani Lanc, Raviwar Peth, Nashik,

situated at Nashik

(and more tully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid property as a said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:— 18-266 GI/86

(1) Shri Nilkantha Wasudeo Sahastrabudhe, 780/A Gaidhani Lane, Nashik.

(Transferor)

(2) Shri Vijay H Kamble, H. No. 727, Shanta Niwas, Raviwar Peth, Nashik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, ithin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1251/A Municipal Committee No. 780/A, Gaidhani Lane, Raviwar Peth, Nashik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 764 /1985-86 in the month of Feb. 1986).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date : 31-3-1986

FORM ITNS-

(1) Mrs. Veena Gul Chainani, 96 Meera, Society, Shankarshether Road, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 1st April 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/7731/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 414 on 4th floor, North-east corner Middle Wing, in the new building known as "Gulmohar" Apartments, in Usha Co-operative Hsg. Soc. Ltd. 2420 General T. Road, Punc,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1986 market value of the aforesaid property and I have reason to

nunrket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Cap. Bahadur Nariman Kavina and Mrs. Farida Bahadur Kavina, C/o. Col. G. H. Aibara, Sakar Villa, 1980 Convent Street, Pune-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 414 on 4th floor, North-east corner Middle Wing, in the new building known as "Gulmohar" Apartments, in Usha Co-operative Housing Soc. Ltd., 2420 General Timmaya Road, Pune-1.

(Area 1088 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the effice of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7731/1985-86 in the month of Feb. 1986.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 1-4-1986

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 1st April 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/7070/1985-86.—Whereas, f. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 28 the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Survey No. 26, Plot No. 133, City Survey No. 600,

Kothrud, Punc-4,

situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LA.C. Acqn. Range, Pune on Feb. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Mrs. Vimalabai Jagannath Wani, 1009/3 Chatushringi Road, Pune-16.

(Transferor)

(2) M/s. Gurav Enterprises, 212/43 P.M.C. Colony, Gokhale Nagar, Pune-16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Calcial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 26, Plot No. 133, City S. No. 600, Kothrud. Punc-4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7070/1985-86 in the month of Feb. 1986).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 1-4-1986

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd August 1986

C.R. No. 62/DR.1194'37EE/85-86/ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Charta Nos. 1, 2 & 3
situated at Abade Ferin Road, Margao, Goa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 260AB of the said Act, in his office at
hangalore on 20-14086
for an approve consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby iniciate proceedings for the acquisition of the cforesaid property by the issue of Lis police under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Joao Jose Fernandes Costa & Orlando Antonio da Costa Near Metropole Cinema House, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Group Construction Co., 3. Dr. L. Cottas Building, Near J. B. Stores, Mala (Fountainhas). Panaji, Goa-403 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. DR. 1194/37HE Dated 20-1-86] All that portion of the property registered under No. 9805 (New Series), measuring about 960 sq. mts, and Chatta Nos. 1, 2 & 3, P.T. Street No. 207, situated at Abade Faria Road, Margao, Goa.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-8-86

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd August 1986

C.R. No. 62/DR. 1173/37EE/85-86|ACQ|B.— Whereas I, R. BHARDWAJ,

whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Chatta No. 45, situated at Swatantra Path, Vasco-da-Gama, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act, in his office at Bangalore on 2-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Joao Vasco-da-Silveica da Costa Colaco & 4 others. Vasco-da-Gama, Goa.

(Transferor)

 Shri Abdul Sattar Chowhan, 210, Govinda Building, A. A. Road, Panaji, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used hereb as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. DR. 1173 Dated 2-1-861 All that part & parcel of property bearing Chatta No. 45, P.T. Street No. 19, admeasuring about 940 sq. mts. situt-a ed at Vasco-da-Gama, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .:--

Date: 22-8-86 Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Meera Bailur B-12-La Maravel

(1) Shri Subhash Desai 6th Junta House, Panaji, Goa.

(Transferor)

Dona-Paul-Goa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th August 1986

C.R. No. 62/DR.1292/37EE/85-86|ACQ/B.—Whereas R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. B-12, Cabo Ras Niwas, situated at La Maravel Complex, Dona-paul-Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act, in his office at Bangalore on 8-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers aad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. DR.1292 Dated 8-1-86 Land and Building No. B-12, (also Raj Niwas, La Maravel Complex, Dona-Paul, Panaji, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid repperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Dale : 25-8-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Lakhmi Chand a/o Sh Fool Singh, r/o Vill Kanhai. Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s, Delhi Towers Estate 115, Ansa) Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Rohtak, the 29th August 1986

Ref. No. I.A.C./Acq., GRG/60/86-87,—Whereas I. B L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land 28 kanals 7 marlas situated at Vill. Kanhai

under Registration No. 6183

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon on 16-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 28 kanals 7 marlas situated at Village Kanhai and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6183 dated 16-1-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-8-1986

FORM ITNS+

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 29th August 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/192/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI, bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 47 bighas 1 biswa situated at Village Kambobaura. Teh Kannal land measuring 47 bighas 1 biswa situated at Village Kambohpura, Teh. Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 4255 on 20-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hy more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fif'een per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Ishro Devi d/o Sh. Sis Ram, r/o Dhanora, Teh. Kurukshetra.

(Transferor)

(2) Sh. Gian Singh s/o Sh. Balwant Singh, Sh. Sher Singh s/o Ladha r/o Subhash Gate. Karnal.

(Transfereé)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days troin the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 41 bighas 1 biswa, situated at Vidage Kambohpura and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4255 dated 20-1-86 with the Sub-Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date : 29-8-1986 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 29th August 1986

Rcf. No. I.A.C./Acq./GRG/61/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 35 kanals 16 marlas situated at Village Choma, Gurgaon under Registration No. 622 7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 cf has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he registering officer under Registration No. 6227 on 20-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay us under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 19---266GI/86

(1) S/Sh. Ram Sarup, Balwant ss/o Sh. Rish Pal Singh, r/o Kartarpuri.

(Transferor)

 (2) M/s Ansal Housing Finance & Leasing Co.
 115, Ansal Bhawan,
 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 35 kanals 16 marlas, situated at Vill. Choma and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5227 lated 20-1-86 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 29-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 22nd July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SWN/1/85-86.--Whereas B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 28 bighas 16 biswas (katcha) situated at Siwani Tosham Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siwani under Registration No. 1334

on 2-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Sh. Umed Singh s/o Sh. Kheta Ram, Smt. Raj Kaur w/o Sh. Umed Singh,

r/o Vill. Jhopa Khurd.

(Transferor)

(2) The Siwani Automobile Co. Op. House Building Society Ltd., Siwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 28 bighas 16 biswas (Katcha) situated at Siwani Tosham Road and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1334 dated 2-1-86 with the Sub-Registrar, Siwani.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 22-7-1986

Scal:

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

IFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Robtak, the 12th August 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/194 & 195/85 86,-Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing land 32 Bighas 14.1/2 biswas, situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 4355 & 4356 on 29-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Dharamvir s.'o Sh. Na.ain Dass, r/o A-52, Kirti Nagar,

(Transferor)

(2) Smi. Prem Madhok wd/o Sh. Bahadar Chand, Sh. Rohit Madhok s o Sh. Bahadar Chand, r/o XIII/676, Urban Estate, Karnal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 32 bighas 14.1/2 biswas situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4355 & 4356 dated 29-1-86 with the sub-Registrar, Karnal.

> B. L. KHATKI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/108]85-86,--Whereas, B. L. KHATRI,

B. L. KHATRI, being the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Vill. Kachroli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registrating Officer at

1908) in the office of Registering Officer at Panipat under Registration No. 5465 on 27-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the which Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;

(1) Smt. Kamla Devi w/o Sh. Arjan Dev Sh. Niti Sain s/o Sh. Ram Kishan, Sh. Prem Kumar, Shri Jaswant Rai, Sh. Pichi Kumar, Shi Jaswant Rai, Sh. Prem Kumar, Sh. Jaswant Rai, ss/o Sh. Prem Kumar, r/o 48 Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Sh. Jasbir Singh, Sh. Balbir Singh, Sh. Hoshiar Singh, Gurcharan Singh, ss/o Sh. Gurdip Singh, r/o Patti Insar (Now Village Noorwala, Tch. Panipat.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 164 kanals 15 marlas situated at village Kachroli, Teh. Panipat and as more situated at village Kachroli, Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5465 dated 27-1-1986 with the Sub-Registrar, Panipat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 23-7-1986

FORM ITNS ----

(1) M/s. Induss Services Limited.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Jagdish Chandra Talwar2. Mrs. Renuka Talwar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 11th September, 1986

IA & 1C situated at Ballygunge Circular Road, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1A & 1C situated at Ballygunge Circular Road,

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC Acq.R-III,Cal on 6-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ganette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the gene meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

I and :

Flat No. 49 on 2nd floor in 'B' Block at 1A & 1C, Ballygunge Circular Road, Calcutta, measuring 1800 Sq. ft. Address:

Registered before IAC., Acqn.R-III, Cal., vide 37EE/Acq. RIII/610 dated 6-1-86.

Deed No.:

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 11th September, 1986

Ref. No. 2364/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12A situated at Netaji Subhas Road, Cal-1

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

12A situated at Netaji Subhas Road, Cal-1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
S.R.A., Cal., on 25-1-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Ghanshyamdass Bhagat Charity Trust.
- (Transferor)

 (2) 1. Shailaza Poddar represented by father & natural gurdian Chandra Kr. Poddar.
 - Neeraja Poddar represented by father &
 natural guardian Brigendra Kr. Poddar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the linkflity of the transferor to pay tax under the said Act; is respect of any income arising from the transfert and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1942 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Office Room No. 13 measuring 2605 Sq.ft. on 5th floor together with 5.43% of undivided share in the land at 12A, Netaji Subhas Road, Calcutta-1. Registered before S.R.A., Calcutta vide Deed No. 11330 dated 25-1-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-HI,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personal standard:

Date: 11-9-86

(1) Sri Ranendra Kumar Basak.

(Transferor)

(2) Sri Moloy Kumar Banerjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta, the 11th September, 1986 CALCUTTA

Ref. No. 2365/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. 43/1, situated at Ramesh Mitra Road, Cal. 25

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at S.R.A. Cal., on 29-1-86

S.R.A. Cal., on 29-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealeent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied building at 43/1, Ramesh Mitra Road, Cal-25. Area-2000 Sq. ft. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No. I 1381 dated 29-1-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Date: 11-9-86

Sunil Kumar Law,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Kiran Gopal Bagaria,
 (2) Suresh Kr. Bagaria,
 (3) Vinod Kumar Bagaria,
 (4) Shaw Ratan Bagaria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 11th September, 1986

Ref. No. 2366/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 10 situated at Ballygunge Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R.A., Cal., on 30-1-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that partly one & partly two and partly three storeyed building together with land measuring 21 Cottahs at 10, Ballygunge Park, Calcutta. Registered before S.R.A., Cal., vide deed No. I 1502 dated 30-1-86.

Land:

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-HI,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-86

- (1) Hitendra Nath Banerjee.
- (Transferor)
- (2) M/s, Rohcom Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD
CALCUTTA

Calcutta, the 11th September, 1986

Ref No. 2367/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 8A/1A situated at Lila Roy Sarani, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. Cal., on 11-1-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

Land: Address: Deed No.:

All that the premises No. 8A/1A, Lila Roy Sarani, Calcutta. Area-17 Cottahs 13 Chittaks. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No. I 509 dated 11-1-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1937 (27 of 1937);

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
20—266GI/86

Date: 11-9-1986

(1) Multicon Builders Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok Kr. Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aferceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 11th September, 1986

Ref. No. 2368/Acq.R-III/Cal/86-87.--Whereas, I.

I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. P-17, situated at Ashutosh Chowdhury Avenue

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

andlor

of the Registering Officer
No. 37EE/R-III/599 dated 6-1-1986.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than ffteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Unit No. 4C on 4th floor at premises No. P.17A C.J.T., Scheme XLVIII-B (won known as Ashutosh Chowdhury Avenue), Calcutta-19, having a super built up area of 1692 Sq. ft. Registered before IAC., Acqn. Range-III, Cal., dated 6-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 10th September 1986

Ref. No. AC47/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I,

Ref. No. AC4//R-11/Cat/80-87.—Whereas, 1,

1. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 8, without of Pair Senter's Pand Coloutte

No. 8, situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of Registering Officer

at C.A. on 3-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer

the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Renox Commercials Ltd., 8, Raja Santosh Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) M/s. New Tech Rolls Mfg. & Prop. (P) Ltd., 4, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Land: 2294 sft. situated at 8, Raja Santosh Road, Calcutta-27. More particularly described in 37EE registered by the C.A. being No. 37EE/146/R-II/Cal/85-86 dt. 3-1-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Fange-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the seld Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-9-1986

(1) Renox Commercials Ltd., 8. Raja Santosh Road, Calcutta-27.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Piyush Bhartia & Ors., 5/1A, Hunger Ford St., Calcutta-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 10th September 1986

Ref. No. AC-48/R-II/Cal/86-87.--Whereas, J,

1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8 situated at Raja Santosh Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at at C.A. on 6-1-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any miomeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-(ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 26:1C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

2294 sft. Flat No. 3-B, situated at 8, Ruja Santonh Road, Calcutta. More particularly described in 37EE registered by the C.A. being No. 37EE/153/R-II/Cal/85-86, dt. 6-1-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54. Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-700 016

Date: 10-9-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Renox Commercials Ltd., 8, Raja Santosh Road, Calcutta127.

(Transferor)

(2) Mr. Mahabir Prasad Agarwala & Ors., 12-B, Russel St. Calcutta-71.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 10th September 1986

Ref. No. AC-49.R-II/Cal/86-87.—Whereas, J. K. GAYEN,

1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8 situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

1908) in the office of Registering Officer at at C.A. under registration No. 37EE/154/R-II/Cal/85-86 DD(4) of Income-tax Rules, 1962 at Calcutta on 6-1-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2294 sft. Flet No. 5A 5th floor situated at 8, Raja Santosh Road. Calcutt)-27. More particularly described in 37EE registered by the C.A. being No. 37EE/154/R-II/Cal/85-86 dt. 6-1-86.

> I. K GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of L come-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-9-1986

(1) Renox Commercials Ltd., 8, Raja Santosh Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Mr. Binod Agarwala & Ors., 12-B, Russel St. Flat No. 9-B, Calcutta-71.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 10th September 1986

Ref. No. AC-50/R-11/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 8 situated at Raja Santosh Rd, Cal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at C.A. on 6-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrume of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the consealment of any meeme or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accusition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2294 sft, Flat No. 5-A, 5th floor situated at 8, Raja Santosh Road, Calcutta-27. More particularly described in 37EE registered by the C.A. being No. 37EE/155/R-II/Cal/85-86 dt. 6-1-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-700 016

Date: 10-9-1986

(1) Greenwich Holdings (P) Ltd. 2, Lal Bazar St., Calcutta-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Shankarlal Jhanwar & Ors., 14, Pagiya Patti, St. Calcutta,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1986

Ref. No. AC-45/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'aid Act') have reasen to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10/1/E, D.H. Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Compeent Authoriy on 6-1-86

1908) in the office of Registering Officer at
Compeent Authoriy on 6-1-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evacion of the Habfilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; End/er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); 2649 sft. (6th floor) at 10/1/E. D.H. Road, Calcutta, More particularly described in 37EE/156/R-II/Cal/85-86. Registered by the C.A. on 6-1-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now 'herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I breby initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following mer ons, namely:—

Date: 10-9-1986

- (1) Assignor Havenkores Real Estates Ltd. Developers Unique Estates Development Co. (Transferor)
- (2) Malad Satyam C.H.S.L.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.III/37G/2778.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sub plot A1(2) being portion of plot A out of survey No. 217(p) situated at Malad (E), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on

22-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made is writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sub-plot A1(2) being portion of plot A out of survey No. 217(p) situated at Malad (E), Bombay-64. The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-2867/85 dated 22-1-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Dated: 19-8-1986

(1) Kundunlal Chunilal Shah.

(Transferor)

(2) Shah Indl. Premises Corpn. Sct. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.III/37G/2776.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

pieces or parcels of land or ground at Deonar Taluka Kurla

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 29-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); ·

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforess d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2000 of the add Act, to the following person 'namely :--

21-266GI/86

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said /.ct, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Parcel of land or ground at Deonar Taluka Kurla Dist. Bombay bearing plot No. 10B(p) S. No. 26(p) S. No. 27 E Hissa No. 1(p) Deonar, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1220/79 dated 29-1-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 19-8-1986

(1) Shri Bholanath Agarwal & Ors. (2) Smt. Aruna Sharma & Ors.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 18th August 1986

No. AR.III/37EE/28164/85-86,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 1) as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 10, Bharat Tirth C.H.S.I., 409/410 Sion Trombay Load, Chembur, Bombay-71

situated at Bombay tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombuy on 1-1-1986

ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons with the period and the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10 at Bharat Tirth C.H.S.L. 409/410, Sion, Trombay Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Sr. No. AR.III/37EF/28164. 85-86 dated 1-1-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Hombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of section 250 of the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act to the following persons, namely ;—

Dated: 18-8-1986.

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri N. Vishvanathan.

(Transferor)

(2) Shri S. Santhanam.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 18th August 1986

No. AR.III/37EE/28140/85-86,---Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (ereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing House No. 30, Bharat Tirtha C.H.S.L. Sion Trombay Rd.

Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the troresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expirer later;

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 30, Bharat Tirtha C.H.S.L. Sion, Trombay Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR, 111/37FF/28140/85-86 dated 1-1-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 18-8-1986.

FORM ITNS-

(1) Shamrao Tukaram Chavan.

(Transferor)

(2) Umarochand M. Gundecha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th August 1986

No. AR.III/37EE/28072/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a second so believe that the immovable property having the second so the second se able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Piece or parcel on land bearing S. No. 44, City Survey No. 2 at Dharavi Mudh, Malad (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 44, City survey No. 2 and bearing at Dharavli Mudh, Malad (W), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/28512/85-86 dated 1-1-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 18-8-1986

Seal

_ ----:

23683

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Lal Chandra S, Singh & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. J. K. Singh Family Trust.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 18th August 1986

No. AR.III 37EE/27711/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Bank Premises 1 Wing-1 and A/2, Gr. Fl. at Bldg. at City survey No. 1253, Kanjur Village Taluka, Kurla

situated at Bombay

fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the treesferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bank Premises J (one) Wing A/1 and A/2, Ground fl. at Bldg. City Survey No. 1253 Kanjur Village Taluka, Kurla.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR,III/37EE/27711/85-86 dated 1-1-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
A. PRASAD
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 18-8-1986

Scal:

(1) M/s. Mody Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Elite Builders.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th August 1986

No. AR.III/37EE/28036/85-86.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot bearing S. No. 96, H. No. 2(p) CTS No. 42(p) 44. D.P. Rd. Kharodi Village, Malvani, Malad, Bombay-95

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian knoome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing S. No. 96, Hissa No. 2(p) & CTS No. 42(p) 44. D.P. Rd. Kharodi Village, Malvani, Malad, Bombay-95.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.IΠ/37EE/28036/85-86 dated 1-1-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 18-8-1986 -

FORM ITNS ---

(1) Shankar Chhaya C.H.S. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pravin A. Kothari & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

whichever period expires ater;

Bombay, the 18th August 1986

No. AR.III/37EF/27708/85-86.—Whereas, I,

 Λ . PRASAD, being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act) have reason to believe that the annovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. 14 & 19, Shankar Chhaya 19, M. G. Rd. Ghatkopar (E). Bombay 77

(E), Bombay-77

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat Nos. 14 & 19, Shankai Chhaya, 19, M. G. Rd. Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/27708/85-86 dated 1-1-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

Dated: 18-8-1986

Scal:

FORM ITNS-

- (1) Shri Ajit Premji and Ors.
- (Transferor)
- (2) Shri Rameshkumar Chouthmal Jain & Ors.

(Transferee)

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA GEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 18th August 1986

No. AR.III/37EE/27576/85-86,—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. shop on the Gr. Fl., 'Udaybhann Apartments', M. G. Rd. Ghatkopar (E), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereo), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the aniel instruments of transfer with the children and the consideration. and instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop on the Gr. Fl. of the bldg, known as 'Uday bhanu Apartments' on plot No. 4, of Scheme No. XVIII, Kirol CTS Nos. 4815 to 4816 on M. G. Road. Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/27576/85-86 dated 1-1-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said and I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons namely:-

Dated: 18-8-1986.

FORM NO. I.T.N.S .-

(1) Karnailsingh S. Bhatti & Ors.

may be made in writing to the undersisted :-

(Transferor) (2) Gold Star Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th August 1986

No. AR.III/37EE/27834/85-86,---Whereas, I.

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of parcel of land bearing S. No. 175, Hissa No. 11, CTS No. 7251, Village Kole Kalyan, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fast market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferand for
- (b) (acilitating the constalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tay not, 1957 (27 of 1957);

vow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sunsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --22--266GT/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing S. No. 175, H. No. 1 CTS No. 7251 Village Kole Kalyan, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR, III/37EE/27834/85-86 dated 1-1-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 18-8-1986.

(1) M/s. Shreeji Const. Co.

(Transferor)

(2) The Deccan Merchants Co-op. Bank Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, вомвлу

Bombay, the 18th August 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

No. AR.III/37EE/28109/85-86.--Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing No. Commercial Unit No. A on Gr. Fl. In Neelkanth Anand Bldg, at M. G. Rd. Opp Bank of India, Ghatkopar (W),

Bombay-86 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of: between the

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957):

Commercial Unit No. A on Gr. Fl. Neelkanth Anand Bldg, at M. G. Rd. Opp. Bank of India, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. ARJII/37EE/28109/85-86 dated 1-1-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 18-8-1986.

THE GAZETTE OF INDIA.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. ARI //37EE/24624/85-86,—Whereas, I. LAYMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land bearing S. No. 197 C.S.S. No. 195, 196 198 and 204 Survey No. 21, Hissa No. 2 at Mauje Mandpeshwar, Borivli (W), Bombay Borivli (W), Bom situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealtn-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

(1) Shri Vijay R. Karanth.

(Transferor)

(2) M/s. Shivashree Constructions.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined inChapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land bearing S. No. 197, C.T.S. No. 195, 196, 198 and 204, Survey No. 21, Hissa No. 2 at Mauje Mandapeshwar, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/24624/85-86 on

2-12-85.

LAXMAN DASS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 18-8-1986.

(1) V. V. Salshingikar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. M. K. Foundation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/24882/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot of land bearing S. No. 169, Hissa No. 10, C.T.S. No.

Plot of land bearing S. No. 169, Hissa No. 10, C.T.S. No. 2415 at Shiva Vallabh Road, Dahisar (E), Bombay-68, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Cc npetent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in temperate of any income arising from the transfer; and/or

2415 Shiva Vallabh Road, Bahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/24882/85-86 on 2-12-1985.

Plot of land bearing S. No. 169, Hissa No. 10, C.T.S. No.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Complem Author DASS
Complem Author in,
Junissiance of Ecome-lax
Acquisition Range Pt,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisitive of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 19-8-1986

(1) Mrs. Y. A. Karanth & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Shivashree Constructions.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/24623/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
All that piece of land bearing City Survey No. 198, C.T.S
No. 197, 209, 186 and 204, Hissa No. 2, Survey No. 21, at
Mauje Mandapeshwar, Borivli (W) Situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority

at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the "reduction or avasion at the Baislity of the transferor to pay tax under the enid Act, in respect of any income arising from the transfer; said/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land bearing City Survey No. 198, C.T.S. No. 200, 197, 196 and 186 and 204 Hissa No. 2 at Mauje Mandepeshwar, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.JV/37EE/24623/85-86 on 2-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 19-8-1986

FORM ITMS-

(1) Smt. Jankubai S. Patil & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s.Lajjaiwala Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/24452/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Vacant land bearing S. No. 100, Hissa No. 40, C.T.S. No. 1504 at Eksar Village Borivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under formal of the language of the schedule and the agreement of the schedule annexed hereto). Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 490/OT

THE SCHEDULE

Vacant land bearing S. No. 100, Hissa No. 40, C.T.S. No. 1504 (pt) at Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/24452/85-86 on 2-12-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, unmely :-

Date: 19-8-1986

Scal:

FORM TINS

(1) M/s. Salunkhe Enterprises.

(Transferor)

(3) As mentioned in Agreement

(Transferee)

(3) As mentioned in Agreement

(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT TOF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29508*A.-Whereas, I; LAXMAN DAS.)

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the as the said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 93/A & 93 Ambivali Andheri Dawood Baug,
Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1986

at Bombay on 24-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more 'than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for une purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested ha the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing C.T.S. No. 93/A & 93 Ambivali Andheri Dawood Baug, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/29508-A/84-85 on 24-1-1986.

LAXMAN D Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range-IV, Bomb

Date: 12-9-1986

FOLM ITNS

(1) Mr, Keshvlal Vrajlal Shrof.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Prakash Amul Desai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1986

Ref. No. AR.II/37EE/39865/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-and bearing

Flat No. 8, Moti Sagar, Shivaji Park, Bombay-400028 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evalua of the haosisy of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the administrator of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Acc., shall have the same meaning as given in that Chaptes

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor. Moti Sagar CHS Ltd., 377, Keluskar Road, Shivaji Park, Bombay-400 028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/39865/85-86 on 24-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 12-9-1986

(1) Suresh Jagdish Bhargava.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suresh Tarachand Jadhwant.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 19th Auguset, 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28977/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Holly Hock, Tagore Road, Santacruz (West) situated at Bombay-54 (and more fully described in the Columbia.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

reason to believe that the fair market value or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Holly Hock, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28977/85-86 on 2-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 23--266GI/86

Date: 19-8-1986

(1) Mrs. Thylambal Krishnan.

(Transferor)

(2) Shri Dal Chand H. Gupta and Smt. Meena D. Gupta.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 19th Auguset, 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28979/85-86.-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 3 'Cynthia', Junction of Main and Central Avenue Santacruz (West), Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said properly

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 'Cynthia', Junction of Main & Central Avenue Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28979/85-86 on 2-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 19-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 19th Auguset, 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28989/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 61-B, Ruia Park, Juhu, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1986

market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Juhu Estate Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. S. Viswanathan and Mrs. Bhuvana Viswanathan,

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hlat No. 61-B, 6th floor Ruia Park, Survely No. 47, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28989/85-86 on 2-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 19-8-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Rajgir Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ratesh B. Budhraja and Mrs. Kanchan R. Budhraja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 19th Auguset, 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29066/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 402, Raigir Milan, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immow able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, 'Rajgir Milan' S. No. 77, Hissa No. 3, Village Andheri, Andheri Taluka, Andheri (E), Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29066/85-86 on 3-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-8-1986

(1) Mrs. Rati A. Virwani.

(Transferor)

(2) Mr. Raj G. Mahtani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 19th Auguset, 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29101/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Cottage on ground floor on plot No. 5, CTS No. 5671, Janki

Kutir Juhu Church Road, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Cottage on ground floor on plot No. 5 CTS No. 5671 Janki Kutir Church Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/29101/85-86 on 3-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 19-8-1986

Smal

(1) Smt. Kaushalyaben N. Parikh, D/o Shri Vithalbhai Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nool Ali Kassamali Rattonsey & Ors., The Trustees of Assem Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 19th Auguset, 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29117/85-86.---Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Gala or Units Nos. 21 & 22, Shree Industrial Premises 11/373, 2nd Hasanabad Lane, Santacruz (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Units or Galas Nos. 21 & 22 of Shree Industrial Premises at 11/373, 2nd Hasanabad Lane, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29117/85-86 on 3-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Date: 19-8-1986

persons, namely :--

PORM ITNS-

- (1) M/s Poonam Enterprises.
- (Transferor)
- (2) M/s. Highlands/Garments Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 19th Auust 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29155/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 61. Wing-C, Neha Apartments, Juhu, Bombay-49

Flat No. 61. Wing-C, Neha Apartments, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of at Competent Authority at Bombay on 3-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th floor, Wing-C, Neha Apartments, CTS No. 968 Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29155/85-86 on 3-1-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 19-8-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

(1) Shri Karnel Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Datshana S. Kirpalani, Mr. Shankur T. Kirpalani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferees & their families. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29215/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'eard Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1500,000/- and bearing No. Flat No. 405, Juhu Sea Shell Co-operative Housing Society Ltd., A.B. Nair Road, Juhi, Bombay-54, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act Bombay on 6-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, Juhu Sea Shell Co.op. Housing Society Ltd. Nair Road, Juhu, Bombay-54,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29215/85-86 on 6-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bornbay

Dated: 19-8-1986 Seal:

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. Harshad I. Chhaya and Mrs. Malini Haishad Chhaya.

(Transferor)

(2) Mr. Mukund Dwarkanuth Vaidya and Mrs. Alk a Mukund Vaidya,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IJ BOMBAY

Bombuy, the 19th August 1986

Ref. No. AR.B /37EE/29282/85-86.—Whereas, I.

I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing,

No. Flat No. 302, Kirti Manor Premises Co.op. Society

S.V. Road, Santacruz (W), Bombay-54,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-1-1986

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of Cansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or soneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ganette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Kirti Manor Premises Co.op, Society Ltd., S.V. Road Santaciuz (West), Bombay-54,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II '37FE '29282/85-86 on 9-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 19-8-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

24-266GI/86

FOREI ITNS

(1) Lokhandwala Premises Limited.

(Transferor)

(2) Manoharlal Kanayalal Takhtani and Mis. Raikumari Manoharlal Takhtani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-BIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombuy, the 19th August 1986

Rcf. No. AR,II/37EE/29283/85-86.—Whereas, J, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. I-lat No. 701/701 'A', Hamilton Court, Tagore Road,
Santacruz (W), Bombay-54,

situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Bombay on 9-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eventors of the liability of the transferor to pay tax under the said Acc, in respect of any income arising from the transfer, higher.
- (b) fachitating the conceniment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid porsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701/701, 7th floor of the Bldg. Hamilton Court at Plot No. Y, B.C.T.S. No. G/74, 75 and 76 (Pt.) Tagore Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29283/85-86 on 9-1-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, (hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforenaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 19-8-1986

(1) Sky-Build Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ajit C. Mehta, Mrs. Rita A. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR, II / 37EE / 29313A / 85-86.—Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, Hemal, Hatkesh Nagar Co.op. Housing Society Ltd., Vile Parle (W), Bombay-56, situated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent! Authority at

Bombay on 17-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives to that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Flat No. 302, 'Hemal' Plot No. 5, Hatkesh Nagar Co.op. Housing Society Ltd. J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29313A/85-86 on 17-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 19-8-1986

(1) Pee Jay Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.11/37EE/29388/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 301, Mangal Ashirwad, Dattatraya Rd. & SV Road, Santacruz (W), Bombay-54,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered unde section 269AB of the said Act in the office of the Compount Authority at

Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income znoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Miss Shirin Shavakshaw Dadiburjor Mrs. Hilla Merwan Bamboat Mr. Merwan Jehangir Bamboat.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor Mangal Ashirwad, Plot No. 8 Corner of Dattatraya Road & SV Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/29388/85-86 on 16-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 19-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JI BOMBAY

Bomboy, the 19th August 1986

Ref. No. ARJI 37EE /29445A/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 11. Vishwas Apartments, Janaki Kutir,

Juhu. Bombay-49,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Authority at

Bombay on 20-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S. I.M Maneklal Industries Ltd.

(2) Mrs. Snehlata Lamba and Nand Kishore Lamba.

(Transferer) (Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Vishwas Apartments, Janaki Kutir, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/29445A/85-86 on 20-1-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 19-8-1986

Scal •

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29472/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00000/- and bearing No. Flat No. 501, Mangal Aushirwad, Corner of Dattatray Road, & SV Road, Santacruz (W), Bombay-54. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Authority at

Bombay on 16-1-1986

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Pce Jay Enterprises.

(Transferer)

(2) Mr. Suresh Prasad Mital.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501 Mangal Aashirwad, Plot No. 8. Corner of Dattatray Road & SV Road, Santacruz (W) Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29472/85-86 on 16-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 19-8-1986

(1) Gopal S & Co.

(Transferor)

(2) Bakul Shamaldas Mehta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29476/85-86.--Whereas, I. LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 301 in Bldg 'Deepak' Vallabhbhai Patel

Roud, Santacruz (W), Bombay-54.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater:

Objections, if any, to the acquision of the said property

may be made in the writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovabte property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 304 in building under construction 'Deepak' Vallabhbhai Patel Road (Santaciuz W). Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/29476/85-86 on 16-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority lospecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 19-8-1986

FORM I.T.N.S.---

Gopal S & Co.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Veena Rohit Meh a.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29477/85-86.-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing part of plot No. 762, holding No. Flat No. 302, Deepak, Vallabhbhai Patel Rd., Santacruz (W), Bombay-54,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, lu respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 302, 'Deepak' Vallabhbhai Patel Rd., Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29477/85-86 on 16-1-1986,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated - 19-8-1986 Seal:

(1) M/s Avadhoot Paper Products.

(Transferor)

(2) M/s Asian Engineering Works.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37FE/29484A 85-86.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Gala No. 2, Steelmade Industrial Estate of Marol Udyog premises Co.op. Society Ltd., Andheri (E), Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-1-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

25-266GI/86

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 2, Ground floor, Steelmade Indl. Fstate of Marol, Udyog Premises Co.op. Society Ltd., Marol, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 371/E/29484A/85-86 on 23-1-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Dated: 19-8-1986

(1) Juhu Estate Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Krishan D. Rajani.

(Transferee)

OVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29499A/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Ambority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 53A, 5th floor, Ruia Park Building, S. No. 47, Juhu, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-1-1986

and /or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53/A on 5th floor, Ruia Park Building, S. No. 47, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29499A/85-86 on 24-1-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely:—

Date: 19-8-86

NOTICE UDNER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.11/37EE/29557A/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Bungalow No. 5, Golden Beach Ruia Park Juhu, Bombay-49

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely:--

- (1) 1. Shri B, K. Satyanarayana; 2. Smt. Sanmati Sattanarayana Balekai.
- Shri Suresh Mohan Uberoi,
 Smt. Yashodhara Uberoi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the substraighed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Bungalow No. 5, Golden Beach, Ruia Park, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomaby under No. AR.II/37EE/29557A/85-86 on 24-1-1986.

> **EAXMAN DASS** Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
> Acquisition Range-II, Bombay

Date: 19-8-1986

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS

(1) M/s. Sanjay Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. Parekh Mills.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(3) Transferor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref.: No. AR.II/37EE/29647/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 260/261/262 on 2nd floor Sanjay Building No. 5

S. No. 86 & 87 Mittal Estate, Andheri Kurla Rd., Bombay-59

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beta the parties has not been truly extend in the cold instant ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 260, 261, 262 on 2nd floor Sanjay Building No. 5 No. 86 & 87 Mittal Estate, Andheri-Kurla Road, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29647/85-86 on 1-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-8-86

_ ..._

FORM ITNS-

(1) The Palace Sea View Co.op. Housing Society Ltd... (Transferor)

(Person in occupation of the property)

(2) Shri Nihalchand H. Chawla.

(3) Transferor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF TER INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/29427A/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 10 (302) The Palace Sea View Hsg. Society Ltd.,
Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the civiet of:—

- (a) facilitating the recumbion or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Palace Sea View Co-operative Housing Society Ltd., 3rd floor, Plot No. 48 Pali Hill Road, Bandra, Bombay-400 550.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29427A/85-86 on 20-1-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29485/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1A, 1st floor, Girnar Apartments, 55, Pali Hill,

Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mr. Dady Gursetji Baxter. Mrs. Dina Dady Baxter.

(Transferor)

(2) Mr. Suraj Prakash Malhotra; Mrs. Sudarshan Suraj Prakash Malhotra. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1A on the 1st floor of 'Ginar Apartments' 53, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR.11/37EE/29485/85-86 Authority, on 16-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 19-8-86

FORM TINS-

(1) Shri Amol Pradhan & Smt. Molina Pradhan. (Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Smt Mohinder Kaur P. Lamba.

may be made in writing to the undersigned ;---

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/29076/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, Summerset, Bandra (W), Bombay-50 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 8th floor, Summerset, Block 'A', Pali Hill, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29076/85-86 on 3-1-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 19-8-86

FORM ITNS.—

(1) Benjamin David Soloman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pravin Hansrai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR II/37EE/29410/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 1st floor, Ben-Liz 14, Dr. Peter Das Rd. Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Authority at Bombay on 16-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 102, 1st floor, Ben-Liz, 14, Dr. Peter Dias Road,

Bandra, Bombay-50, The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR.II/37EE/29410/85-86 Authority, on 16-1-1986.

THE SCHEDULE

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 19-8-86 Seal:

Footby

FORM ITNS-

(1) Smt. Shobha S. Vaswani.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pravin Hansraj, Sheela P. Hansraj.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29376A/85-86.--Wheeras, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 14-A, Queens Premises Society Ltd., 59, Pali Hill, Rombay-50 situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arbing from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---26-26601/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14-A, Queens Premises Society, 59, Pali Hill,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29376A/85-86/on 17-1-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 19-8-86

(1) M/s. K. R. Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Anita S. Rohiu

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RAIGE-II **BOMBAY**

(a) by any of the aforeshid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 19th August 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/29098/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 404, Horizon View I, Off. Jai Prakash Road, Versova

situated at Bombay
Andheri (West), Bombay-61,
'and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on

3-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

rb) facilitating the concentment of any income or any moneys or other masts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 404, Horizon View I, on plot No. 70 of S. No. 91A(Pt.) & 95A(Pt.), Off Jaiprakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornbay under No. AR.II/37EE/29098/85-86 on 3-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 19-8-86

Soal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RAIGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR-II/37EE/29248/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 101, Amour Premises Co.op. Housing Society Ltd.,

Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

9-1-1986

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mr. Edward Desouza and Miss Ema Desouza.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa V. Bhatia, Mr. Suresh V. Bhatia and Mrs. Kavita S. Bhatia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, 'Amour Premises Co.op. Housing Society Ltd., Plot No. 79 Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/29248/85-86 on 9-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-8-86

FURM ITNS-

(1) M/s Devendra Construction Corporation.

(Transferor)

(2) Ram Kanayalal Pahuja and Laxman Kanayalal Pahuja,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR-II/37EE/29337A/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, Mi-Casa, 24th Road, Bandra, Bombay-52

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

17-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to balleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which he e not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 3rd floor in the Building known as Mi-Casa, 24th Road, Bendra, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/29337-A/t 5-86 on 17-1-1986.

> LAXMAN DAS; Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2/9C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-8-86

FORM ITNS----

(1) Metropolitan Investments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Harish Chimanlal Shah, Mr. Anand Ashram,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR-II/37EE/29163/85-86.—Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, 'Sterling' St. Martin's Road,

Bandra (W),

Bombay-50

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

3-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30% on 3rd floor, at proposed Sterling, S. Martin S. Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bo ibay under No. AR-II/37EE/29163 '85-86 on 3-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Date: 19-8-86

persons, namely :-

(1) Miss Neena Dutt

(Transferor)

(2) Shri Sunilkumar N. Chawla

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR-11/37EE/29426A/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. (301) The Place Sca View Co.op. Hsg. Society Ltd.,

Hill Road, Bandra, Bombay-50. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesald property and I have reason to bulieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Mahility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concentrant of any income or any which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (E1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inx Art, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazetts or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective rersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, (301) Sea View Co-operative Housing Society Ltd. 3rd floor, in plot No. 48 Pall Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/294264/85-86 on 20-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-U Bombay

Now, therefore, in sursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ac., to the following persons, namely :-

Date: 19-8-86

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR-II/37EE/29415/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-1, Maharashtra State Govt. Employees' Co-op. Society Ltd., Bandra, Reclamation, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformald property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

(1) Miss Angela Rodrigues.

(Transferor)

(2) Mr. Sudarshan Kumar Nayar, Mr. Sanjay Nayar,

(Transferee)

(3) Transferees & their families.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-01, Ground floor, Maharashtra State Govt, Employees Co-op. Hsg. Society Ltd. Bandra Reclamation, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARII/37EE/29415/85-86 on 16-1-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rombay

Date: 19-8-86

FORM ITNS----

(1) M/s Natrai Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satish Ramniklal Purohit.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29306/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the land of the competent Authority under Section 269AB of the land of the competent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing that No. 72, 6th & 7th, Kshitij, Hill Road, Bandra (W). Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 260AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exclanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 72 (Duplex) 'Kshitij', CTS No. B-566 & B-568 & also part of CTS No. 569 at Hill Road, Bandra (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/29306/85-86 on 10-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Ness, therefore, he pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the appreciate property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-8-1986

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29497A/85-86,—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 603, 6th Floor of 'B' Wing in the Bldg 'Georgina' at Shirly Rajan Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-1-1986 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cost of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) inciditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing nersons, namely.— 27-266GI/86

(1) Shri Sayed Ahmed Kadri & Smt. Naaz Ahmed Kadri.

(Transferor)

(2) M/s. Garware Paints Limited.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor of 'B' Wing in the bldg. known as 'Georgina' at Shirly Rajan Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29497A/85-86 on 20-1-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 19-8-1986

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

FORM ITNS—

- (1) M/s. Abis Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Dr. Khalid Kasim Haji.

(3) Transferec.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29450A/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 802, 'Diago D., Sherly Rajn, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any otner person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 802, 8th floor with garage in the proposed building 'Diago D' Plots bearing CTS Nos. 1246, 1248, 1249 1250 & 1251 at village Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20450A/85-86 on 20-1-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 19-8-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29593A/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 23, Solomon Co.op. Housing Society Ltd., Sherly Rajan, Bandra (W), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Sita Chandanmal Khatwani.

(Transferor) (2) Krishnakant Champaklal Mashruwala Shyamal Krishnakant Mashruwala &

Tushar Krishnakant Mashruwala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, Solomon Co.op. Housing Society Ltd., Sherly Rajan, Sherlymala Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29593A/ 85-86 on 27-1-1986

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 19-8-1986

FORM ITHS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Eunan D. D'Sylava Ms. Kamdhenu Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Dwarkadas L. Bajaj.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29242/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. AR.II/3/EE/27242/03-00.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 62, Dakshin Pali, D'Monte Park Road, Off Perry Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 9-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfert and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62, Dakshin Pali, 6th Road, D'Monte Park Road, Off Perry Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29242/85-86 on 9-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-8-1986

(1) Mr. Sailesh Biharilal.

(Transferor)

(2) Mr. Kamal Kumar G. Chullani. Miss Barkha K. Chullani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR II/37EE/29113/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flett No. 4, Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bender, Bowley 50.

Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 'Kanti Apartments' Λ -Wing, 1st floor, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/29113/85-86 on 3-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 19-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29656/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 701, 7th floor, Silver Cascade, Mount Mary Road,

Bandra, Bombay-50, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 31-1-1986

for an apparent consideration which is less than the formarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Noorjehan Nazmin Jamal.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Bahadur H. Virani 2. Mrs. Yasmin B. Virani.

(Transferec)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, Silver Cascade, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Comepent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29656/85-86 on 31-1-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 19-8-1986

(1) Smt. Ratna Chandu Bijlani.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kaushlaya Chandru Gurbani and

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Chandru' Verhomal Gurbani,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29176/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 701, Morumal Mansion Co-op. Hsg. Society Ltd. Khar, Bombay-52,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property ny be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor Morumal Mansion Co-op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 213, 10th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Comepent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29176/85-86 on 3-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 19-8-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR II/37EE/29008/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 601 Himgiri Co-op. Housing Society Ltd., Mahim, Bombay-16,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Inciditating the roduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Harish C. Shah.

(Transferor)

(2) 1. Laxmichand V. Gogri.2. Smt. Gangabai V. Gogri.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any; to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Himgiri Co-operative Housing Society Ltd., T. H. Kataria Marg, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29008/85-86 on 2-1-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 19-8-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/29503A/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, Deep Apartments, 691 Khar Pali Road, Khar

(W), Bombay-52,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—28—266GI/86

(1) Blaze Advertising Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) 1. Shri D. C. Chawla, 2. Shri R. D. Chawla and 3. Shri M. D. Chawla,

(Transferees)

(3) Blaze Advertising Pvt. Ltd. (Person in occupation of the property).

(4) Indraprastha Biulders Pvt. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons. whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable greporty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 5th floor and car parking space in building known as 'Deep Apartments' at 691 Khar Pali Road, Khar (W), Bombay-52.

The agreement has been registered by the Comepent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29503A/85-86 on 17-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 19-8-1986

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29446A/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

H. No. 4 (Pt.) CTS No. 536 (Pt.), Hissa No. 4, CTS No. 426 H. No. 4 (Pt.) CTS No. 425 Hissa No. 6 of S. No. 17 at Village Oshiwara, Jogeshwari (W),

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carnes has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay mx under the said Act, in respect of say income arising from the transfer?
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-stx Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Mrs. Winnie Gonsalves
 - 2. Maria Gonsalves
 - 3. Lancelot Gonsalves
 - 4. Mignonetre Gonsalves 5. Stardust Gonsalves and
 - 6. Niles Gonsalves.

(Transferors)

(2) M/s. Hafizi Builders.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing CTS No. 536 (Pt.), H. No. 4, CTS No. 426 Hissa No. 4 (Party) CTS No. 425, Hissa No. 6 of S. No. 17 of Village Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Comepent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20446A 85-86 on 20-1-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 19-8-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Pravinchandra P. Odhwani, Mahesh L. Dholakia.

(Transferor)

(2) Anilkumar Agarwal, Mrs. Manju N. Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29407/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land bearing Survey No. 41 (Pt.) of Village Oshiwara,

Taluka Andheri, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Anthority

at Bombay on 16-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 41 (Pt.) of Village Oshiwara, Taluka

The agreement has been registered by the Comepent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29407/85-86 on 16-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-8-1986

Scal:

FORM ITNS-

(1) M/s. K. R. Associates.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Harshad Janaklal Chhaya.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 19th August 1986

Ref. No. AR.IJ/37EE/29457/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, Horizon View III, Off Jai Prakash Road, Ver-

sova, Andheri (West), Bombay-61,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 16-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Horizon View III, on Plot No. 70 of S. Nos. 91A (Pt.) and 95A (Pt.) off Jui Prakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Comepent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29457/85-86 on 16-1-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 19-8-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Kuljit Singh Anand, Furkating Road, Gologhat.

(Transferor)

(2) Smt. Ranjana Jallan, Gologhat Tea Estate, Gologhat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 14th April 1986

Ref. No. Nil.—Whereas, I. SHRI E. J. MAWLONG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the haid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Dag No. 5704 P.P. No. 844, Gologhat Town under Mowkhowa Mouza situated at District Jorhat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gologhat on 28-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said Act, in rod /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The forms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The Land measuring 1K.14L and 2K.7L bearing Dag No. 5704 P.P. No. 844 is situated at Gologhat Town under Mowkhowa Mouza, District Jorhat.

E. J. MAWLONG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-4-1986 Scal:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1987

New Delhi, the 4th October, 1986

No. F. 4/2/86-E.I.(B).—A competitive examination for recruitment to the posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR and VISHAKHAPATNAM commencing on 17th March, 1987 in accordance with the Rules published by the Ministry of Steel and Mines in the Gazette of India, dated the 4th October, 1986.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION, WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (Scc Annexure I, para 11).

2. The categories of posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various posts are given below:—

Category I: (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel & Mines)

- (i) Geologist (Junior) Group A
- (ii) Assistant Geologist, Group B
- Category II: (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Irrigation)
- (i) Junior Hydrogeologist, 15 (Includes 3 vacancies Group A. reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Scheduled Tribos candidates
- (ii) Assistant Hydrogeologist, Group B.

 15 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for 3 Scheduled Tribes candidates.)

The above numbers are liable to alteration.

*The number of vacancies are yet to be intimated by Govt.

Appointments will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the posts mentioned in para 2 above. He will be considered only for the post(s) he applies for. Once an application has been made no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for more than one category of posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each post for which he applies.

N.B.—A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the Employment News.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in licu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office.

This amount of Rs. 2.00 (Rupees two) will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION 1987, APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION 1987 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Scryice Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 1st December, 1986 (15th December, 1986 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to the 1st December, 1986 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to turnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division

of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 1st December, 1986.

NOTE (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of application should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

- NOTE (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rupecs Forty eight) through Crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or Crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi. CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051-Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964, or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 30.00 (Rupees Thirty) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below Rule 7 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee,

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above, and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9. If any candidate who took the Geologists' Examination held in 1986 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1986 examination his candidature for the 1987 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office within 30 days of the date of Publication of the final result of the 1986 Examination in the Employment News.
- 10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 11. The question papers in all the subjects as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

D. KAILASA PRASAD, Dy. Secy. Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPFAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 17th February, 1987 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form. he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 & 7 of the Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/certifled copy of Certificate of age.
 - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the 1st page of the application form and the second copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (v) Attendance Sheet attached with the application form duly filled in.
 - (vi) Two self-addressed unstamped envelopes of approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
 - (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
 - (viii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).

NOTE (i):—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii). (iii), (vii) AND (viii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF THE GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER. 1987. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE

CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THEY WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii):—Candidates are further required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vii) and (viii) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postat Orders for the prescribed fee —

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows —

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED BANK draft for the prescribed fee

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi, and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or multilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note:—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted. The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificates in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age in completed years or completed years and months. In such cases, a candidates must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- NOTE I:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COM-PLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFI-CATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/ CERTIFIED COPY OF THE PAGE CON-TAINING ENTRIES RELATING TO AGE.
- NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
 THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
 THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR
 AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE
 DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION
 WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION
 AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS
 CHANGE WILL BE CONSIDERED OR
 GRANTED.
- NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.
- (iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The Certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they

- do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 31st August 1987.
- (iv) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. \times 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the list page of the application form and the other copy on the Atlendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above, without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily resides, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinally resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to post under the Government of India

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950@

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951@

the Constitution (Scheduled Tribes), (Union Territories) Order, 1951@

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956@

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976@

the Constitution (Dadia and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribcs Order, 1962@

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964@

the Constitution (Scheduled Tribes) (Ultar Pradesh) Order, 1967@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@

%2. APPLICABLE IN THE CASE OF SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES PERSONS WHO HAVE MIGRATED FROM ONE STATE/UNION TERRITORY ADMINISTRATION.

Signature*

**Designation

(with scal of office)

Place State/Union Territory*

Date

*Please delete the words which are not applicable.

@Please quote Specific Presidential order.

% Delete the Paragraph which is not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**List of authorities empowered to issue Caste/Tribe certificates:

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendlary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.
- 5. (i) Persons employed in the Geological Survey of India and Central Ground Water Board claiming age concession

under Rule 6(b) should submit a certificate in original, from Head of their Office/Department in the following form:—

Form of certificate to be produced by Candidates

**Certified that Shri/Shrimati/Kumari*holds a permanent/temporary* post of in the Geological Survey of India/Central Ground Water Board* w.e.f
Signature
Designation
Ministry/Office
Office Stamp

*Strike out whichever is not applicable.

- (ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under Rule 6(c) (ii) or 6(c) (iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States:
 - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, he resident;
 - Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective district;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ccylon Agreement of October, 1964.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under rule 6(c) (viii) or 6(c) (ix) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda
and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika
and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian orgin from
Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession
under Rule 6(c)(vi) or 6(c)(vii) should produce an attested/
certified copy of a certificate, from the District Magistrate of
the area in which he may, for the time being, be resident to
show that he is a bona fide migrant from the countries men-
tioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(c)(x) or 6(c)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

- (vii) A_i repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c)(xii) or 6(c)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not carlier than July, 1975.
- (viii) Ex-scrivicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age concession in terms of Rule 6(c)(xiv) or 6(c)(xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them in the form prescribed below from the authorities concerned.
 - (A) Applicable for Released/Retired Personnel.

(a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency. (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Date

(B) Applicable for serving personnel who are due to be released within six months.

2. He is due for release/retirement w.e.f. and is likely to complete his assignment of five years by

Name and Designation of the Competent Authority SEAL

Station

Date

"(C) Applicable for serving Personnel who have already completed their initial assignment and are on extended assignment.

- 3. There is no objection to his applying for civil employment and he will be released on three months notice on securing a Civil Employment."

Name and Designation of the Competent Authority SEAL

Station

Date

Authorities who are competent to issue certificates are as follows:---

(a) In case of Commissioned Officers including ECOs/ SSCOs.

Army—Military Secretary's Branch, Army Hqrs. New Delhi.

Navy—Directorate of Personnel, Naval Hqrs. New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel Officers, Air Hqrs. New Delhi.

(b) In case of ICOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-BABS, Bombay.

Air Force—Air Force Records, (NERW), New Delhi.

- (ix) A displaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 6(c)(xvi) or 6(c)(xvii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various State;
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

"A resident of Assam claiming age concession under Rule 6(c)(xx) or 6(c)(xxi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate or Sub-Divisional Officer within whose jurisdiction he ordinary resided, to the effect that he had been a resident of the State of Assam during the period from 1st January 1980 to 15th August 1985."

The Form of Certificate to be produced by the candidate;

District Magistrate

District

Sub Divisional Officer
————Sub-Division

Scal

Date of Issuc

6. A candidate belonging to any of the categories, referred to in para 5(ii), 5(iii), 5(iv) and 5(ix) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) or the Ministry of Irrigation as the case may be.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application, including late ones, received in the Commission's Office is acknowledged and application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, *ipso-facto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates' Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 13. Communications Regarding Application.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

- (3) APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OF THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i).—COMMUNICATIONS NOT GIVING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED

.NB. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

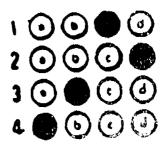
The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The Test Booklet will be set in English only. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEFT (a specimen copy of which will be supplied to you along with Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it

completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get scated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet as the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. Write your Roll number on the first page of the Text Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary materials from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: - *denotes the correct/best answer option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because:

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure,
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far.

3, (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below:

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planning wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of H2 VO4 is

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂ O₈
- *(d) V₈ O₅

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
 - (b) both wage and marginal revenue product are equal
 - (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y=ax+b
- (b) y=ax
- (c) $y=ae^x\times be-x$
- *(d) y=ae"-a

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variation is 5. The variance can be

- (a) 4^3
- *(b) 3
- (c) oc
- (d) —5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- (b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma.
- (c) it has excellent forest resources.
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (a) Buddhism Nayayā Cārvakā. Mimāmsā
- (b) Nyāya, Vaisesaika, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- (d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā

14. (Political Science)

Functional representation means

- *(a) election of representative to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representative in vocational organization.
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

(a) increase in the need related to the goal

- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16, (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government.
 - (b) untouchability has decreased.
 - (c) land-ownership has spread to deprived classes.
- (d) Education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (question) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the Syllabus for this examination.